शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

भारी बारिश के कारण बेंगलूरु के कई हिस्से जलमग्न @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 07 अक्टूबर, 2024 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | epaper.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु. | वर्ष-6 | अंक-278

बांग्लादेश में हिंदुओं पर जारी अत्याचार के खिलाफ दुनियाभर में रोष

प. बंगाल में बांग्लादेशी सामानों का बहिष्कार आंदोलन तेज

बांग्लादेश में हिंदुओं पर जारी अत्याचार के खिलाफ दुनियाभर में रोष बढ़ता जा रहा है। बांग्लादेश में धार्मिक अल्पसंख्यकों खास कर हिंदुओं पर हो रहे इस्लामी कट्टरपंथियों के अत्याचार के खिलाफ पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी सामानों के बहिष्कार का व्यापक अभियान शुरू हुई है। इससे यह संकेत मिल रहे हैं कि हिंदुओं पर अत्याचार के खिलाफ दुनियाभर के हिंदू एकजुट हो रहे हैं। पश्चिम बंगाल के हिंदू न सिर्फ स्थानीय स्तर पर बांग्लादेशी घुसपैठियों को सबक सिखा रहे हैं, बल्कि बांग्लादेश से आधिकारिक चैनलों से आने वाले सामान का भी बहिष्कार कर रहे हैं। इस पूरे अभियान का एक ही मकसद है, बांग्लादेश के इस्लामी कट्टरपंथियों की आर्थिक रीढ़ पर हमला और आर्थिक बहिष्कार। इसीलिए पश्चिम बंगाल के हिंदुओं ने बाकायदा बायकॉटबांग्लादेश नाम से कैंपेन शुरू किया है।

बांग्लादेश-आउट अभियान की शुरुआत इस मकसद से हुई कि एक ऐसे देश को आर्थिक मदद न दी जाए, जो इस साल 5 अगस्त से कट्टरपंथी इस्लामी लोगों के चंगुल में आ चुका है। जब बांग्लादेश में हिंदू समुदाय, उनके मंदिरों और व्यापारों पर हमले शुरू हुए, तो पश्चिम बंगाल के हिंदुओं ने खुद ही पड़ोसी देश में बने सामानों और सेवाओं के आर्थिक बहिष्कार को शुरू कर दिया। बायकॉट-बांग्लादेश अभियान के संयोजक मयुख पाल ने कहा कि शुरुआत में यह आंदोलन अनौपचारिक था। लोग अपने आप जुड़ने लगे, फंड इकट्ठा किया और ये सिर्फ एक महीने में 12 जिलों तक फैल गया। वह भी सिर्फ मौखिक प्रचार मात्र से। मयुख पाल और उनके साथियों ने बांग्लादेशी सामानों के बहिष्कार से जुड़े पोस्टर छपवाए हैं और पूरे राज्य के सबसे व्यस्त इलाकों में लगवाए गए हैं।

बांग्लादेशी उत्पादों के पूर्ण बहिष्कार की लोग ले रहे शपथ

मयुख पाल और उनके कार्यकर्ताओं ने पोस्टर छपवाए और पश्चिम बंगाल के सबसे व्यस्त इलाकों में लगाए, जैसे बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, और बाजार। स्वयंसेवकों ने लोगों से संपर्क किया, उन्हें बांग्लादेश की स्थिति के बारे में बताया और बांग्लादेश के उत्पादों का बहिष्कार करने की शपथ लेने के लिए प्रेरित किया। कई लोगों ने कैमरे के सामने यह शपथ ली कि वे बांग्लादेशी कपड़ों और सेवाओं का उपयोग नहीं करेंगे। मयुख पाल ने कहा कि उन्होंने 2500 से अधिक पोस्टर वितरित किए और 1 लाख से अधिक हिंदुओं से संपर्क कर उन्हें अभियान में शामिल किया।

अभियान से जुड़े आर बंदोपाध्याय ने हिंदुओं की चार मुख्य मांगें सामने रखी हैं। इनमें शामिल हैं, बांग्लादेशी नागरिकों के लिए वीजा जारी करना तुरंत बंद किया जाए। जो बांग्लादेशी नागरिक भारत में रहकर भारत विरोधी गतिविधियों में ▶10 पर

बांग्लादेश में 32,000 दुर्गा पूजा मंडपों में आधे से अधिक खतरे में

ढाका, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय इस्लामिक कट्टरपंथियों के लगातार निशाने पर है। कट्टरपंथी लगातार दुर्गा पूजा पंडालों पर हमले कर रहे हैं। बांग्लादेश में 32000 से अधिक दुर्गा पूजा पंडाल उच्च जोखिम वाले बताए गए हैं। इन पंडालों पर कट्टरपंथियों के हमले का खतरा मंडरा रहा है। इसमें भी 15032 पंडालों में बहुत ही अधिक जोखिम है। बांग्लादेश अंसार और ग्राम रक्षा पार्टी के अधिकारी अतिरिक्त सुरक्षा देने की बात कर रहे हैं, लेकिन अंसार मुख्यालय में अंसार के महानिदेशक अब्दुल मोटालेब सज्जाद महमूद ने भी दुर्गा पूजा मंडपों पर कट्टरपंथियों के हमले के खतरे को माना है। उन्होंने इस बात की भी उम्मीद व्यक्त की कि दुर्गा पूजा शांतिपूर्ण तरीके माहौल में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि 6 अक्टूबर से 13 अक्टूबर तक 8 दिनों के लिए पूरे बांग्लादेश में 32000 से अधिक मंडपों में तैनात रहेंगे। ▶10 पर

प. एशिया में जंग के बीच जयशंकर ने की शांति की अपील

भारत में वैश्विक तनाव कम करने की क्षमता

नई दिल्ली, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पश्चिम एशिया संघर्ष को लेकर कहा कि भारत के पास वैश्विक तनाव को कम करने की क्षमता है। भारत ने कई बार दोनों देशों के बीच संवाद और संचार की भूमिका निभाई है। इस संघर्ष को लेकर ग्लोबल साउथ काफी परेशान है। इससे वैश्विक समाज और वैश्विक अर्थव्यवस्था तनाव में है। वे चाहते हैं कि कोई इस बारे में कुछ कहने की पहल करे और वे मानते हैं कि भारत ही ऐसा देश है जो उनकी चिंताओं के समझता है और इस तनाव को दूर करने की क्षमता रखता है। इसका ही परिणाम है कि हमारी बहुत सी पहल संयुक्त राष्ट्र में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही है। हम सभी प्रमुख देशों से जुड़े हुए हैं। हमें वैश्विक राजनीति के प्रति अधिक जिम्मेदारी की भावना वाले देश के रूप में देखा जाता है और यह भारत के अपने विकास का हिस्सा है। जयशंकर ने संयुक्त राष्ट्र की कार्यप्रणाली को लेकर भी कटाक्ष किया।

भारत की पहल के प्रति विश्व आशान्वित और सकारात्मक है

यूएन पूरी तरह अप्रासंगिक, समानांतर यूएन स्थान बना रहा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि यूक्रेन-रूस युद्ध को लेकर भी भारत के बारे में यही कहा जा रहा है। पिछले कुछ महीनों में पीएम मोदी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से तीन बार मुलाकात की। वह रूसी राष्ट्रपति पुतिन से भी एक बार मिले। मैंने और एनएसए ने भी दोनों से कई बार बात की है। हम अभी भी सम्पर्क में हैं। हम ऐसा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि हम ऐसे देश और हमारे प्रधानमंत्री उनमें से हैं जो कीव और मॉस्को जाने और दोनों नेताओं से बात करने और देखने की क्षमता रखते हैं कि परस्पर वार्ता का सामान्य बिंदु क्या हो सकता है। हम यह विकसित करने का प्रयास करते हैं और देखते हैं कि क्या चीजें बेहतर हो सकती हैं।

संयुक्त राष्ट्र को लेकर विदेश मंत्री बोले कि संयुक्त राष्ट्र एक ऐसी पुरानी कंपनी की तरह है, जो पूरी तरह से बाजार के साथ तालमेल नहीं रखती, बल्कि जगह घेरती है। यह पूरी तरह से बहुपक्षीय है, लेकिन जब यह प्रमुख मुद्दों पर कदम नहीं उठाता है, तो देश अपने तरीके ढूंढ़ते हैं। ▶10 पर

उज्ज्वल भविष्य के लिए वैश्विक शांति आवश्यक : मोदी

नई दिल्ली, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नौ और 10 अक्टूबर को लंदन में होने वाले न्यायविदों और लेखकों के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को लेकर आयोजकों को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने लिखा कि वैश्विक शांति उज्ज्वल भविष्य के लिए आवश्यक है। उन्होंने लिखा कि हमारे सामूहिक प्रयासों की सफलता राष्ट्र और समुदायों के बीच एकता और सहयोग पर निर्भर करती है।

सम्मेलन के आयोजक वरिष्ठ अधिवक्ता और अंतरराष्ट्रीय न्यायविद परिषद और अंतरराष्ट्रीय लेखक आयोग के अध्यक्ष अधीश अग्रवाल को लिखे पत्र में पीएम मोदी ने लिखा, वैश्विक शांति उज्ज्वल भविष्य के लिए मौलिक है। ▶10 पर

विदेश मंत्री जयशंकर से मिले मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू

भारत-मालदीव के संबंध और मजबूत होंगे: मुइज्जू

नई दिल्ली, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू रविवार को भारत पहुंचे। राष्ट्रपति मुइज्जू के साथ उनकी पत्नी और प्रथम महिला साजिदा मोहम्मद भी भारत दौरे पर आई हैं। दिल्ली आने के बाद मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू ने सबसे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। इस मुलाकात को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा, भारत की अपनी राजकीय यात्रा की शुरुआत में राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू से मिलकर खुशी हुई। भारत-मालदीव संबंधों को बढ़ाने की उनकी प्रतिबद्धता की सराहना करता हूं। विश्वास है कि कल पीएम नरेंद्र मोदी के साथ उनकी बातचीत हमारे मैत्रीपूर्ण संबंधों को नई गति देगी।

आज होगी प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात

मुइज्जू और उनकी पत्नी का दिल्ली में हुआ भव्य स्वागत

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का भारत की राजकीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचने पर गर्मजोशी से स्वागत किया। हवाई अड्डे पर राज्य मंत्री केवी सिंह ने उनका स्वागत किया। यह यात्रा स्थायी भारत-मालदीव व्यापक द्विपक्षीय साझेदारी को बढ़ावा देगी। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू 10 अक्टूबर तक भारत की आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान वह राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। यह उनकी भारत की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। इससे पहले जून 2024 में भी मुइज्जू प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ▶10 पर

मुस्लिम समुदाय ने पंडितों का स्वागत कर माहौल को खास बनाया

कश्मीरी पंडितों ने 20 साल बाद अर्धनारीश्वर मंदिर में की पूजा

शोपियां में स्थापित हुई मूर्ति

शोपियां, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। कश्मीर घाटी के शोपियां जिले में नदीमर्ग गांव के अर्धनारीश्वर मंदिर में 20 साल के लंबे अंतराल के बाद कश्मीरी पंडितों ने पूजा-अर्चना की। शनिवार को हुई पूजा-अर्चना के दौरान मंदिर में मूर्ति स्थापना भी की गई। यह एक महत्वपूर्ण धार्मिक और सांस्कृतिक घटना है, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस मौके पर दूर-दराज के इलाकों से भी लोग आए और पुरानी परंपराओं को पुनर्जीवित किया। अधिकारियों ने इस कार्यक्रम की पुष्टि करते हुए बताया कि यह आयोजन शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में हुआ। इस पूजा आयोजन में एक अनोखी बात यह रही कि स्थानीय मुसलमानों ने भी कश्मीरी पंडितों का स्वागत किया और उनके साथ इस धार्मिक आयोजन में सहभागी बने। शोपियाँ के स्थानीय लोगों ने पंडित समुदाय का खुले दिल से स्वागत किया, ▶10 पर

इस बार चेन्नई में धूमधाम से मना 92वां वायुसेना दिवस

चेन्नई के आकाश में राफेल और सुखोई ने दिखाई ताकत

चेन्नई, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। 92वीं वर्षगांठ मनाने के लिए भारतीय वायुसेना ने आज तमिलनाडु के चेन्नई मरीना एयरफील्ड में एक एयर एडवेंचर शो का आयोजन किया। 21 साल में पहली बार चेन्नई ने वायुसेना दिवस समारोह की मेजबानी की। इस बार यह समारोह पहले से कहीं ज्यादा भव्य हुआ। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और वायुसेना प्रमुख अमनप्रीत सिंह समेत कई गणमान्य हस्तियां और चेन्नई के लोग भारी संख्या में चेन्नई के मरीना बीच पर एयर एडवेंचर शो देखने पहुंचे। वायुसेना के मुताबिक, मरीना बीच पर होने वाले भव्य एयर शो में हिस्सा के लेने के लिए सुलूर, तंजावुर, तांबरम, अरक्कोणम और बेंगलुरु से भारतीय वायुसेना के 72 जहाजों ने उड़ान भरी, जो पूर्वी तट पर मिले। ▶10 पर

वायुसेना के एयर शो में दिखा अद्भुत नजारा, भारी भीड़ जुटी

कैथोलिक चर्च आर्चडायसिस ने की वक्फ बोर्ड में सुधार की मांग

वक्फ बोर्ड कर रहा सम्पत्तियों पर अवैध कब्जा: चर्च

त्रिशूर, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। वक्फ बोर्ड के नियमों में संशोधन को लेकर केंद्र सरकार के द्वारा उठाए गए कदम के बीच लगातार वक्फ बोर्ड संपत्तियों पर कब्जे करने में लगा हुआ है। लेकिन, अब उसके खिलाफ आवाजें भी उठ रही हैं। इसी क्रम में केरल के त्रिशूर स्थित चर्च आर्चडायसिस ने वक्फ बोर्ड में सुधार किए जाने की मांग की है।

कैथोलिक चर्च आर्चडायसिस ने अपने मुखपत्र में छपे एक लेख में कहा कि मौजूदा वक्फ कानून बहुत ही क्रूर है। आर्च डायसिस का कहना है कि वक्फ बोर्ड का कानून सामान्य न्याय के संवैधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन करता है। चर्च का आरोप है कि कांग्रेस की सरकार के दौरान 90 के दशक के दौरान मुस्लिमों को खुश करने के लिए वक्फ बोर्ड को असीमित अधिकार दे दिए थे। ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 30^{0}

न्यूनतम : 22^{0}

यूपीए: 5,900 करोड़ की ड्रग्स जब्त / एनडीए: 22,000 करोड़ की ड्रग्स जब्त

यूपीए: 1,250 केस/1,360 गिरफ्तारी, एनडीए: 4,150 केस/6,300 गिरफ्तारी

ड्रग्स के धन-धंधे में कांग्रेसी 'रुचि' पर प्रामाणिक प्रहार

नई दिल्ली, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। हाल ही में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने 5,620 करोड़ रुपए की ड्रग्स पकड़ी है। इसके बाद कांग्रेस और भाजपा के बीच इस मुद्दे पर राजनीति तेज हो गई है। दिल्ली के महिपालपुर एक्सटेंशन से ड्रग्स की काफी बड़ी खेप का भंडाफोड़ हुआ। इस मामले में मुख्य आरोपी तुषार गोयल है जो पहले युवा कांग्रेस के आरटीआई सेल से जुड़ा था। तुषार की गिरफ्तारी को लेकर अब राजनीति भी काफी गर्म हो गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर गृह मंत्री अमित शाह तक इस मामले पर अपनी तीखी प्रतिक्रियाएं दे चुके हैं। कांग्रेस सफाई देती फिर रही है। गृह मंत्री अमित शाह ने नशे के खिलाफ भाजपा के जीरो टॉलरेंस की नीति का जिक्र करते हुए 2014 के पहले और 2014 के बाद, यानी यूपीए सरकार के कार्यकाल में और उसके बाद भाजपा सरकार का कार्यकाल में कितनी नशीली दवाओं की बरामगी हुई, उसका आंकड़ा ही प्रस्तुत कर दिया। केंद्रीय गृह मंत्री ने कांग्रेस पर तथ्यपरक हमला किया है।

उल्लेखनीय है कि दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के महिपालपुर एक्सटेंशन से 5,820 करोड़ रुपए की ड्रग्स बरामद की है। पुलिस ने महिपालपुर में एक गोदाम से 562 किलोग्राम कोकीन और थाईलैंड से आया ▶10 पर

भोपाल की फैक्ट्री से 1814 करोड़ की एमडी ड्रग्स जब्त

भोपाल, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। भोपाल की एक फैक्ट्री से 1,814 करोड़ रुपए की एमडी ड्रग और उसका कच्चा माल जब्त किया गया है। गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी ने यह जानकारी दी। गुजरात एटीएस और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) दिल्ली ने संयुक्त अभियान चलाकर ड्रग्स की यह खेप बरामद है। जब्त की गई ड्रग्स की कीमत 1814 करोड़ है।

केरल पीसीएस और एलडीसी परीक्षा का पेपर लीक

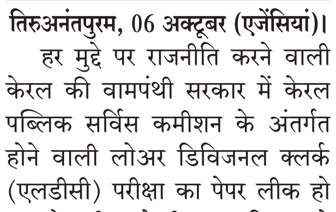

तिरुअनंतपुरम, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। हर मुद्दे पर राजनीति करने वाली केरल की वामपंथी सरकार में केरल पब्लिक सर्विस कमीशन के अंतर्गत होने वाली लोअर डिविजनल क्लर्क (एलडीसी) परीक्षा का पेपर लीक हो गया है। परीक्षा से ठीक एक दिन पहले ही इसका प्रश्नपत्र रहस्यमय तरीके से पीएससी की वेबसाइट पर वायरल हो गया। इस गंभीर घटना का खुलासा होने के बावजूद केरल सरकार इस मसले पर चुप्पी साधे हुई है। ▶10 पर

शुभ लाभ DAILY

चारित्र आत्माओं के निकट से सेवा उपासना करने से संस्कारों का निर्माण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गांधीनगर सभा भवन में विराजित साध्वी उदितयशा जी ने महत्ति कृपा कर राजाजीनगर श्रावक समाज को पारिवारिक सेवा उपासना के लिए तीन दिन का समय प्रदान किया। जिससे श्रावक समाज को चारित्र आत्माओं का सन्निध्य प्राप्त हुआ। साध्वी श्री ने विशेष प्रेरणा पाथेय प्रदान किया। साध्वी श्री संगीत प्रभा जी ने परिवार में सामंजस्य कैसे बढ़ाएं, उसकी ध्यान के माध्यम से अनुप्रेक्षा करवाई। परिवार के सदस्य दिन में एक बार साथ में बैठकर अर्हत वंदना,

नवकार महामंत्र का जाप, गुरु इंगित शनिवार की 7 से 8 की सामायिक और महीने में एक बार परिवार की बैठक होनी चाहिए समेत अन्य प्रेरणा दी। साध्वी श्री उदितयशा जी ने सभी श्रावकों से परिचय किया और शहर में विराजित चारित्र आत्माओं की हफ्ते में एक बार दर्शन और सेवा करने का यथासंभव संकल्प करवाया। बच्चों को विशेष बोध देते हुए कहा चारित्र आत्माओं के निकट से सेवा उपासना करने से संस्कारों का निर्माण होता है। साध्वी ने श्रावकों की जिज्ञासा, समस्याओं का समाधान और इसके अलावा बहुत सारे मुद्दे पर संवाद किया। राजाजीनगर के श्रावकों को तीन दिन के क्षेत्रीय उपासना का मौका मिला। इसका संपूर्ण श्रावक समाज ने लाभ लिया। पहली बार आए हुए श्रावकों का यह कहना था कि यह कार्यक्रम बहुत पहले होता तो हम साध्वी जी के आध्यात्मिक वात्सल्य से वंचित नहीं रहते। इस उपक्रम से श्रावकों में नई स्फूर्ति का संचार हुआ। राजाजीनगर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष अशोक चौधरी ने साध्वी के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।

नेत्रदान संगोष्ठी एवं जागरूकता अभियान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद द्वारा निर्देशित दृष्टिहीनों के लिए दृष्टि महाअभियान के तहत प्रचार-प्रसार करते हुए तेरापंथ युवक परिषद् राजाजीनगर द्वारा डोबासपेट स्थित ग्रीन चेफ होम अप्लायन्स कारखाने में नेत्रदान संगोष्ठी का आयोजन किया गया। तेयुप से राजेश देरासरिया ने नेत्रदान के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। अपने जीवन में नेत्रों का विकास कब होता है, दृष्टिहीन के प्रति हम कैसे उपयोगी बन सकते हैं, कॉर्निया सर्जरी, नेत्रों में समाहित विभिन्न टिश्यू की उपयोगिता, मौत के पश्चात कितने समय में नेत्रदान किया जा सकता है एवं कैसे मृतक शरीर के नेत्रों की सुरक्षा करें, मृतक परिवार को कैसे समझाएं कि नेत्रदान से अन्य 2-4 सदस्यों को रोशनी मिल सकती है, आदि जानकारी प्रस्तुत की।

इस दौरान 300 से भी अधिक स्टाफ मौजूद थे। उपस्थित स्टाफ ने आयाम की खूब-खूब सराहना की एवं नेत्रदान हेतु प्रतिज्ञा पत्र भरें गये।

इस अवसर पर तेयुप से अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, राजेश देरासरिया, जयंतीलाल गांधी एवं चेतन मांडोत की उपस्थिति रही।

हर छः माह में स्वास्थ्य परीक्षण ही कैंसर की रोकथाम: डॉ. सोमशेखर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भारत के टॉप 10 में शुमार ओक्नोलॉजी विज्ञान विभाग के सर्जन हेब्बाल स्थित अस्तर सीएमआई अस्पताल के प्रोफेसर व डॉक्टर सोमशेखर एसपी को ओक्नोलॉजी विभाग का ग्लोबल डायरेक्टर नियुक्त किये जाने पर शुक्रवार को प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ की तरफ से हार्दिक स्वागत व अभिनंदन किया गया।

प्रवासी राजस्थानी कर्नाटका संघ के महामंत्री डॉ.जवरीलाल लूनावत ने होसपेट के समाज सेवी व प्रवासी संघ के मार्गदर्शक जयंतीलाल धाणेशा व प्रवासी संघ के उपाध्यक्ष केवलचंद सालेचा के साथ उनको सम्मानित किया। लूनावत ने सोमशेखर से अनुरोध किया कि वर्तमान में यह भयंकर बीमारी भारत में बहुत तेजी से फैल रही है। इसके रोकथाम व शीघ्र जाँच की व्यवस्था हेतु संपूर्ण कर्नाटका में एनजीओ के माध्यम से चिकित्सा शिविर लगाये जाएं। इससे आमजन में जागरूकता भी बढ़ेगी व लोगों को सही राह भी मिलेगी। इस पर सोमशेखर ने कहा कि महीने में एक बार बड़े शहर में यह शिविर लगाये जा सकते है। इस पर चर्चा करने के बाद हम शिविर लगा सकते है। उन्होंने आमजन को सकारात्मक रूप से यह भी संदेश दिया कि हर तरह के कैंसर के रोग का इलाज संभव है। मगर उस हेतु हर व्यक्ति को जागरुक रहकर हर छः माह में स्वास्थ्य परीक्षण करवाना चाहिए।

आऊवा जैन महिला मंडल की मासिक संगोष्ठी आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आऊवा जैन महिला मंडल की मासिक संगोष्ठी चामराजपेट में अध्यक्ष कांता रायसोनी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। विषय-नवरात्रि पर्व अनुष्ठान एवं महत्व पर विचार रखते हुए सदस्यों ने कहा कि नौ दिनों तक चलने वाले इस त्योहार की रौनक हर जगह देखने को मिल रही है। इस पर्व का काफी महत्व है। इन नौ दिन लोग शक्ति की पूजा-आराधना करते हैं। यह देवी के लिए एक विशेष समय है, जो ईश्वर की स्त्री प्रकृति का प्रतिनिधित्व करती है। दुर्गा, लक्ष्मी और सरस्वती को स्त्री के तीन आयामों के रूप में देखा जाता है। जो लोग ताकत या शक्ति की आकांक्षा रखते हैं, वे धरती माता, दुर्गा या काली जैसे नारी के रूपों की पूजा करते हैं।

इस प्रकार इस पर्व को मनाया जाता है। सदस्यों ने नवरात्रि गीत का सामूहिक संगान किया एवं गरबा-डांडिया रास के द्वारा यह पर्व मनाया। आऊवा महिला मंडल पूर्वाध्यक्ष मंजु चंडालिया, मैना मांडोत, शारदा पावेचा, दुर्गा सुराणा ने मण्डल की सदस्य बिन्दु रायसोनी के दो वर्षीय सफलतम कार्यकाल की संपन्नता की बधाई दी। संगोष्ठी का प्रारंभ नवकार मंत्र से हुआ। अध्यक्ष कांता रायसोनी ने सभी का स्वागत किया। मनोरंजक प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। धन्यवाद सहमंत्री मंजु रायसोनी, संचालन मंत्री पिंकी इसरानी ने किया। उपाध्यक्ष वसंता रायसोनी ने आगामी संघ यात्रा की सूचना दी। लगभग 35 सदस्यों की उपस्थिति रही।

निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बन्नूर गांव में स्थित रोटरी स्कूल में शनिवार को निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। दीप प्रज्वलित कर कैंप का शुभारंभ किया गया। डॉक्टर विजय व टीम ने स्थानीय लोगों की जांच की। जरूरतमंद मरीजों को चश्मे व दवाई दी गई। इस अवसर पर पर्यावरण जागृति वैदिके संघ के पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र सिंह राजपुरोहित, कान सिंह, गवरीदेवी, राजेश कुमार, माणकचंद, विवेकानंद शिक्षण संस्थान के संस्थापक प्रकाश, मुरली गोपाल, विराट सिंह, हनुमतं गौड़ा, राजू, योगेन्द्रा, वेंकटेश, नंजूड स्वामी, जनार्दन एवं रोटरी स्कूल के शिक्षक एवं स्कूल के स्टाप उप-स्थित रहे।

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। *श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में पार्श्वनाथ जैन मंदिर के भवन में चातुर्मासार्थ विराजित आगमरत्न सागरजी, प्रशमरत्न सागरजी और वज्ररत्न सागरजी की पावन प्रेरणा और सानिध्य में पालितना से पधारे कारीगरों द्वारा श्रीसंघ के सम्मुख लाइव प्रभु की चांदी की प्रतिमा का निर्माण किया गया। रविवार को श्री संघ के सम्मुख पालिताना से पधारे रौनक और उनके सहयोगी सदस्यों द्वारा तीन, पांच, सात इंच की 10 प्रतिमाओं का निर्माण किया गया।*

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *कामाक्षीपाल्या में आयोजित गणेश उत्सव कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने भगवान गणेश की पूजा अर्चना कर बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। अपने वक्तव्य में उन्होंने कहा हमें अपनी सनातन संस्कृति पर गर्व है। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

कुलूर में मिली लापता कारोबारी की कार

पुलिस खुदकुशी या साजिश जैसे पहलुओं पर कर रही जांच

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के एक कारोबारी रविवार सुबह लापता हो गए। पुलिस के मुताबिक, उनकी कार कुलूर पुल के पास मिली है। बता दें, कारोबारी मुमताज अली जेडीएस एमएलसी बी एम फारूक और कांग्रेस के पूर्व विधायक मोहिउद्दीन बावा के भाई हैं। उनकी उम्र 52 साल बताई जा रही है। एक अधिकारी ने बताया कि अली रविवार तड़के करीब तीन बजे अपनी कार में घर से निकले थे। बाद में सुबह करीब पांच बजे कुलूर पुल के पास रुके। उनकी कार पुल के पास लावारिस हालत में मिली है। इससे संदेह है कि वह पुल से कूद गए होंगे। सूचना पर मेंगलूरु के पुलिस कमिश्नर अनुपम अग्रवाल घटनास्थ पर पहुंचे। साथ ही राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल (एसडीआरएफ) और तटरक्षक दल को खोज के लिए बुलाया गया। उन्होंने बताया सुबह-सुबह हमें सूचना मिली कि कारोबारी मुमताज अली की गाड़ी कुलूर पुल के पास मिली है। हो सकता है कि उन्होंने पुल से छलांग लगा दी हो। स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने आगे कहा शुरुआती जांच में सामने आया है कि करीब तीन बजे वह अपनी कार में घर से निकले और शहर में घूमते रहे। बाद में करीब पांच बजे उन्होंने कुलूर पुल के पास अपनी कार रोकी। कार पर कुछ दुर्घटना के निशान थे और उसके बाद उनकी बेटी ने स्थानीय पुलिस को सूचना दी। अधिकारी ने कहा कि एसडीआरएफ और तटरक्षक दल नदी में तलाश कर रहे हैं और यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि कहीं उन्होंने नदी में छलांग तो नहीं लगा दी। या फिर उनके लापता होने की वजह कुछ और है। मामले की जांच जारी है।

अनुशासन दिवस का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के निर्देशन में अणुव्रत समिति, बेंगलूरु द्वारा अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के सातवें दिन तेरापंथ सभा भवन, विजयनगर में साध्वीश्री सिद्धप्रभा जी सानिध्य में अनुशासन दिवस का आयोजन किया गया।

साध्वीश्रीजी द्वारा नमस्कार महामंत्रोचार के पश्चात समिति महिला मंडल टीम द्वारा अणुव्रत गीत की मधुर प्रस्तुति दी गई। मंत्री हरकचंद ओस्तवाल ने स्वागत किया। तेरापंथ सभा, विजयनगर के अध्यक्ष मंगल कोचर एवं मुख्य अतिथि अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के संगठन मंत्री राजेश चावत ने अनुशासन पर अपने विचार रखें।

साध्वी दीक्षाप्रभा जी ने मंगल उद्बोधन देते हुए कहा अनुशासन सिर्फ तेरापंथ धर्म संघ का नहीं पूरी पृथ्वी का आधार है। अनुशासन दो प्रकार के होते हैं, परानुशासन और आत्मानुशासन। अनुशासन छोटी छोटी चीजों से शुरू होता हैं।

साध्वी सिद्धप्रभा जी ने प्रेरणा पाथेय देते हुए कहा अनुशासन नैतिकता सिखाता हैं। जीवन में अनुशासन हो तो अणुव्रत का पालन कर सकते हैं। कार्यक्रम में अध्यक्ष देवराज रायसोनी, निवर्तमान अध्यक्ष शांतिलाल पोरवाल, उपाध्यक्ष शांति सकलेचा, सहमंत्री प्रवीण बोहरा, कार्य समिति सदस्यगण, सभा संस्थाओं के पदाधिकारी सहित श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। कार्यक्रम का कुशल संचालन सुमित्रा बरडिया ने किया।

केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने सीएम सिद्धरामैया को दी खुली चर्चा की चुनौती

शासन-प्रशासन लगातार विफल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने चुनौती दी कि कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन सरकार के मुख्यमंत्री के रूप में 14 महीनों में मेरे द्वारा किए गए विकास कार्यों और कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री के रूप में 15 महीने में सिद्धरामैया के पास क्या है, इस पर वह खुली चर्चा करने के लिए तैयार हैं।

पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी के 38 विधायक हैं। हालांकि कांग्रेस ने पूरा सहयोग नहीं दिया, लेकिन मैंने सुशासन दिया। उन्होंने कहा सिद्धरामैया ने पूर्ण बहुमत वाली कांग्रेस सरकार के मुख्यमंत्री के रूप में क्या किया है, इस पर चर्चा होने दीजिए। घोड़ा उन लोगों को वितरित किया जा रहा, जो सवारी नहीं करते। मुझे कौन सा घोड़ा दिया गया? बोलोगे तो कहोगे अहिंदा। आपने पहले क्या किया है? मानसून की बारिश अच्छी होने के बावजूद तालाबों में पानी नहीं भरा गया है। मालवल्ली में किसानों को बिना पानी के बुआई का मौका नहीं मिला है। उन्होंने उन पर तमिलनाडु को पानी छोड़ने का आरोप लगाया। लोग तय करेंगे कि वे विपक्षी दलों को माफ करेंगे या उनसे सहमत होंगे। उन्होंने सिद्धरामैया से पूछा कि वह मेरा क्या करेंगे? जिन लोगों ने इसे इतने लंबे समय तक लागू नहीं किया, वे अब जाति जनगणना लागू करने की बात कर रहे हैं। उन्होंने आर-ोप लगाया कि इसके पीछे सिर्फ राजनीतिक फायदा है। कांग्रेस सरकार लोगों की किसी भी

तरह की समस्या का जवाब नहीं दे रही है और शासन-प्रशासन लगातार विफल हो रहा है। दो-तीन दिनों से कई हिस्सों में बारिश हो रही है। शनिवार रात हुई बारिश के कारण कई हिस्सों में जल भराव हो गया। घरों में पानी घुस गया। डीके शिवकुमार, जिन्होंने बेंगलूरु में गड्ढ ों को बंद करने की समय सीमा दी, के बाद गड्ढे भरे गए। लेकिन अब सब जानते हैं कि बारिश से क्या हुआ। सिर्फ बेंगलूरु ही नहीं बल्कि राज्य के कई हिस्सों में उम्मीद से ज्यादा बारिश हुई है। फसल बर्बाद होने से किसानों और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लेकिन यह सरकार घोटालों से जूझ रही है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि किसी भी मंत्री को लोगों की समस्याओं के समाधान की कोई जानकारी नहीं है। इसी बीच कुमारस्वामी ने सिद्धरामैया पर विपक्ष पर अपनी पत्नी को मुडा मामले में घसीटने का आरोप लगाने के लिए निशाना साधा और इस परेशानी के लिए उनकी गलतियों को जिम्मेदार ठहराया। केंद्रीय मंत्री ने सिद्धरामैया को कांग्रेस सरकार की अब तक की उपलब्धियों और विकासात्मक गतिविधियों पर बहस के लिए चुनौती भी दी। कुमारस्वामी ने कहा आप (सिद्धरामैया) बार-बार कहते हैं कि विपक्ष ईर्ष्यालु है और आप विपक्ष पर अपनी पत्नी को (मुडा मामले में) घसीटने का आरोप लगा रहे हैं। आपने अपनी पत्नी को, जो सम्मानपूर्वक घर पर थीं, बाहर निकाला (इस मामले में)। यह हम विपक्ष द्वारा नहीं किया गया है। आपने उन्हें (उनके नाम पर) की गई गलतियों के कारण बाहर निकाला है। इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के इस बयान पर टिप्पणी करते हुए कि जाति जनगणना रिपोर्ट को कैबिनेट में रखा जाएगा, उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को कहा कि पार्टी के घोषणापत्र में इसका (जाति जनगणना का) वादा किया गया है और पार्टी इस मामले पर जल्द ही फैसला लेगी। मैं जाति जनगणना पर राज्य पार्टी अध्यक्ष के रूप में अपनी व्यक्तिगत राय के बारे में बात नहीं करूंगा। मेरी व्यक्तिगत राय और पार्टी की राय अलग हो सकती है। मैं हमेशा पार्टी का पालन करता हूं और पार्टी की बात सुनूंगा। नीतिगत मामलों पर पार्टी में हमारे अपने दिशानिर्देश हैं। मैं निर्णय नहीं ले सकता। पार्टी जल्द ही रिपोर्ट के बारे में फैसला लेगी। उन्होंने कहा राहुल गांधी ने हमें दिशानिर्देश दिए हैं और पार्टी के घोषणापत्र में भी इस मामले पर चर्चा की गई है। पार्टी अंतिम निर्णय लेगी। उन्होंने कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री द्वारा अगली कैबिनेट बैठक में जाति जनगणना रिपोर्ट पेश करने के निर्देश के बारे में पता नहीं है। जब कैबिनेट बैठक होगी, तो मैं बैठक में इस मामले पर चर्चा करूंगा।

भारी बारिश के कारण बेंगलूरु के कई हिस्से जलमग्न

केंद्रीय विहार अपार्टमेंट के बेसमेंट में भरा पानी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर में शनिवार रात को हुई भारी बारिश के बाद, कई इलाकों में पानी भर गया और 15 पेड़ और 44 पेड़ की शाखाएँ टूटकर गिर गईं। बीबीएमपी नियंत्रण कक्ष और पेड़ हटाने वाली इकाइयों की टीमें मलबे को हटाने और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रही हैं। दक्षिण और पूर्वी क्षेत्र सबसे ज्यादा प्रभावित हुए, जहां सड़कों पर पानी भर गया और जल निकासी व्यवस्था चरमरा गई, जिससे गंभीर जाम लग गया। दुर्घटनाओं को रोकने के प्रयास में ट्रैफिक पुलिस को सड़कों से पानी हटाते हुए देखा गया। येलहंका में, केंद्रीय विहार अपार्टमेंट के बेसमेंट में पानी भर गया, जिससे वाहन पानी में डूब गए। कई अन्य सड़कें जलमग्न हो गईं, जिससे शहर भर में ट्रैफिक की आवाजाही धीमी हो गई। कल्याण नगर की सर्विस रोड रात भर हुई भारी बारिश के बाद एक बार फिर पानी में डूब गई। सिटीजन मूवमेंट द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में निवासियों को चेतावनी देते हुए कहा गया है कि सर्विस रोड, आंतरिक सड़कें, अंडरपास में भारी जलभराव है। कृपया इनसे बचें। इलेक्ट्रॉनिक्स सिटी क्षेत्र में भी ऐसी ही चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जहां सड़कों पर यात्रियों का आना-जाना मुश्किल हो गया। कर्नाटक पोर्टफोलियो नामक एक द हैंडल ने उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार से सवाल किया, इलेक्ट्रॉनिक सिटी टोल सिर्फ 20 मिनट की बारिश के बाद ही भर गया। क्या यह ब्रांड बेंगलूरु है जिसका डीके शिवकुमार जिक्र कर रहे हैं? बोम्मसंद्रा औद्योगिक क्षेत्र के पास जलभराव के कारण भारी ट्रैफिक जाम की सूचना मिली। एक घंटे से ज्यादा समय तक वाहन फंसे रहे, अधिकारी बाढ़ के पानी को हटाने के लिए काम कर रहे हैं। बेंगलूरु-मैसूरु राजमार्ग भी अपवाद नहीं रहा, क्योंकि वहाँ भी भारी जलभराव था, जिसके कारण लगातार बारिश के बीच ट्रैफिक जाम हो गया। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, शनिवार को शहर में 10.4 मिमी बारिश दर्ज की गई। अधिकारी स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं क्योंकि बारिश जारी रहने की उम्मीद है। पश्चिमी क्षेत्र में, पार्क व्यू अपार्टमेंट की 7 फीट ऊंची दीवार 10 फीट के क्षेत्र में ढह गई। अपार्टमेंट के कर्मचारियों के साथ बीबीएमपी अधिकारियों ने मलबा हटाने के अभियान का नेतृत्व किया। ईटीए मॉल में भी एक दीवार ढह गई, और मलबे को हटाने तथा अवरुद्ध निवासियों तक पहुंच प्रदान करने के लिए कार्रवाई की गई। येलहंका में, केंद्रीय विहार अपार्टमेंट की दीवार की लगभग 50 फीट की दीवार ढह गई, जिससे येलहंका झील का पानी अपार्टमेंट परिसर में भर गया। रात के समय पानी का स्तर लगभग 4 फीट तक बढ़ गया। बीबीएमपी, एसडीआरएफ और अग्निशमन विभाग की टीमें पानी को बाहर निकालने का काम कर रही हैं। वर्तमान में, जल स्तर 1 फीट तक कम हो गया है, और शेष पानी को साफ करने के प्रयास जारी हैं। प्रभावित क्षेत्रों में रेत की बोरियाँ रखी जा रही हैं, और निवासियों को भोजन और पीने का पानी उपलब्ध कराया गया है। येलहंका जोन के वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी इस अभियान की निगरानी कर रहे हैं। विजयनगर के मधुवन के पास दक्षिण जोन में, एक ओवरफ्लो हो रहे स्टॉर्मवॉटर नाले के कारण लगभग 10 घरों में बाढ़ आ गई। बीबीएमपी कार्यकर्ता इस समस्या का समाधान करने में लगे हैं। येलहंका, पश्चिम और दक्षिण जोन के कुछ इलाकों को छोड़कर, शहर के अन्य हिस्सों में कोई बड़ी समस्या नहीं आई है।

राज्य के विभिन्न हिस्सों में अगले कुछ दिनों तक बारिश की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पिछले चार-पांच दिनों से हो रही बारिश अगले चार दिनों तक जारी रहेगी। मौसम विभाग ने सोमवार तक राज्य में भारी बारिश के पूर्वानुमान के कारण येलो अलर्ट की घोषणा की है।

शनिवार को राजधानी बेंगलूरु समेत राज्य के कई हिस्सों में अच्छी बारिश हुई। बेंगलूरु में शनिवार रात भारी बारिश हुई और निचले इलाकों में पानी घुसने से अफरा-तफरी मच गई। बेंगलूरु में भारी बारिश के कारण रात में सड़कें नहर जैसी नजर आईं। ऐसी स्थिति बन गई कि वाहन चालक जाम में फंस गए। राजकालुवे के कुछ स्थानों पर मैनहोल ओवरफ्लो हो गए। बारिश से जन-जीवन अस्त-व्यस्त हो गया। राज्य के अंदरूनी हिस्सों में कहीं-कहीं मध्यम और कुछ स्थानों पर भारी बारिश हुई।

कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा प्रबंधन केंद्र ने कहा कि 8 अक्टूबर तक तटीय और पहाड़ी जिलों में गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ व्यापक बारिश होगी और कुछ स्थानों पर छिटपुट भारी बारिश होगी। राज्य के दक्षिणी और उत्तरी भीतरी इलाकों में गरज और बिजली के साथ भारी बारिश का अनुमान लगाया गया है। स्थानीय मौसम पूर्वानुमान के अनुसार, बेंगलूरु और आसपास के जिलों में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और शाम और रात में गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।

मंत्री मधु बंगारप्पा ने सीएम के इस्तीफे की मांग कर रहे भाजपा नेताओं पर किया पलटवार

आलोचनाओं का जवाब देने की जरूरत नहीं

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता मंत्री मधु बंगारप्पा ने रविवार को कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को इस्तीफा देने की बात कहने वाले भाजपा पार्टी के कई नेताओं के खिलाफ मामले दर्ज हैं, वे जमानत पर बाहर हैं। इसलिए उनकी आलोचनाओं का जवाब देने की जरूरत नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा राजनीतिक दुश्मनी के तहत 12 साल पुराने मामले की आलोचना कर रही है। उन्होंने चिल्लाकर कहा कि वह सिद्धरामैया का इस्तीफा मांग रहे हैं। 136 सीटें जीतकर सरकार बनाने वाली कांग्रेस को भाजपा लोकतांत्रिक रास्ते पर चलते नहीं देख सकती। वह कभी भी सीधे तौर पर निर्वाचित नहीं हुए और उन्होंने कभी सरकार नहीं बनाई। उन्होंने वामपंथी रास्ते से सत्ता संभाली है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र का मतलब नहीं जानने वाली भाजपा को जवाब देने की जरूरत नहीं है। 12 साल में येदियुरप्पा समेत कई लोग मुख्यमंत्री रहे। उस समय मुडा घोटालों के बारे में बात क्यों नहीं की। येदियुरप्पा के जेल जाने और जमानत पर रिहा होने के बाद भाजपा ने उन्हें दोबारा मुख्यमंत्री बनाया। ये लोग कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हैं। भाजपा के पास करने को कोई काम नहीं है। कौन सा कानून कहता है कि केस दर्ज होने के तुरंत बाद इस्तीफा दे देना चाहिए। सिद्धरामैया देश के कानून का पालन कर रहे हैं। ये भाजपा के लिए जवाब है। उन्होंने कहा कि अन्य मुद्दों पर चर्चा की जरूरत नहीं है।

चाहे गलती या घोटाला किसी ने भी किया हो, कार्रवाई करना सरकार का कर्तव्य है। लेकिन सिद्धरामैया के मामले में कोई चूक नहीं है। मुडा मामले में अभी एफआईआर दर्ज की गई है। आगे कोई जांच रिपोर्ट नहीं मिली है। रिपोर्ट मिलने के बाद यदि कोई गलती पाई गई तो आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। यदि भाजपा के सभी सदस्य निर्दोष हैं तो क्या वे इस्तीफा देने को तैयार हैं? मुडा मामले के बारे में निचली अदालतों के फैसलों पर सवाल उठाने का अधिकार भी ऊंची अदालतों के पास है। यह हास्यास्पद है कि भाजपा शुरुआती दौर में ही इस्तीफा मांग रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को अगले चार-पांच साल में ऐसे ही काम करने चाहिए। लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की है। इसमें कोई खास बात नहीं है। किसी का भी पार्टी नेताओं से मिलना और उनसे हमें एक मौका देने का अनुरोध करना आम बात है। लेकिन हाईकमान उचित फैसला लेगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस चाहे किसी को भी टिकट दे, हम सब मिलकर काम करेंगे और अपने उम्मीदवार को जिताएंगे।

शिक्षा विभाग में सुधार के लिए कई कदम उठाये गये हैं। विभिन्न स्रोतों से डेटा पहले ही एकत्र किया जा चुका है। 12,500 शिक्षकों की भर्ती हो चुकी है। हाल ही में 1500 शिक्षकों की भर्ती पूरी की गई है। पीयूसी कॉलेजों के लिए 900 संकाय सदस्यों और सहायता प्राप्त शिक्षण संस्थानों में रिक्त पदों पर भर्ती की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि कल्याण कर्नाटक अनुभाग में 6,000 रिक्त पदों के लिए 5,800 शिक्षकों की भर्ती के लिए कदम उठाए जाएंगे। एक वर्ष में 500 कर्नाटक पब्लिक स्कूल शुरू किए गए हैं और द्विभाषी प्रणाली लागू की गई है। उन्होंने बताया कि एलकेजी और यूकेजी स्कूलों में 43,000 छात्रों को प्रवेश मिल रहा है। मंत्री ने कहा कि सरकार प्रयोगशाला परीक्षणों के लिए जारी परिपत्र में किसी भी चूक को ठीक करने के लिए तैयार है, और माता-पिता से अपने बच्चों को पूरे समय स्कूल भेजने की अपील की।

इससे पहले मुडा साइट आवंटन मामले के प्रकाश में आने के बाद कांग्रेस के भीतर दलित और अनुसूचित जनजाति के नेताओं की बैठक में व्यस्त राजनीतिक गतिविधियों पर प्रतिक्रिया देते हुए सिद्धरामैया ने कहा कि लोग अनावश्यक रूप से अटकलें लगा रहे हैं। मंत्री चर्चा करेंगे लेकिन क्या आपको अटकलें लगानी चाहिए? लोग अटकलें तब लगाते हैं जब राज्य के लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मिलते हैं या विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री एन एस बोसराजू किसी मंत्री से मिलते हैं। सिद्धरामैया ने आश्चर्य जताते हुए कहा अतीत में भी ऐसी बैठकें हुई हैं और अब भी हो रही हैं, लेकिन ऐसी अटकलों को बल क्यों मिल रहा है?

गठबंधन सरकार की प्रसिद्धि और अपमान में हम भी भागीदार: गृह मंत्री परमेश्वर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

गृह मंत्री डॉ. जी परमेश्वर ने कहा कि गठबंधन सरकार की प्रसिद्धि और अपमान का फायदा अकेले केंद्रीय मंत्री और पूर्व मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी नहीं उठा सकते, हम भी भागीदार हैं। अपने 14 महीने के प्रशासन के बारे में खुली चर्चा करने की कुमारस्वामी की चुनौती पर बेंगलूरु में पत्रकारों से बात करते हुए परमेश्वर ने कहा तुलना होने दीजिए।

मैं उनके साथ 14 महीने तक उप मुख्यमंत्री रहा। उन्होंने कहा कि अच्छे और बुरे दोनों में हमारी हिस्सेदारी है। हमारी रिपोर्ट में कहा गया है कि हरियाणा में कांग्रेस को स्पष्ट बहुमत मिलेगा। मीडिया ने भी यही दोहराया है। जम्मू-कश्मीर में गठबंधन सरकार बनने की संभावना है। उन्होंने कहा कि इसका असर महाराष्ट्र के चुनाव पर पड़ेगा। कैबिनेट में पिछड़ा वर्ग स्थायी आयोग द्वारा संचालित सामाजिक एवं शैक्षणिक रिपोर्ट पर चर्चा होगी। उन्होंने वादा किया कि अगर समुदाय के साथ कोई अन्याय होगा तो उसे सुधारा जाएगा। जनगणना केंद्र सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है और इसका उपयोग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किया जाता है। अगर राज्य सरकार ने पहले से कराए गए सर्वे को जारी नहीं किया है तो सवाल पूछा जाना चाहिए। जब हम इस पर चर्चा करते हैं तो विवाद पैदा हो जाते हैं। यह सही नहीं है। कैबिनेट बैठक में भी इस पर चर्चा करने का निर्णय लिया गया है। क्या खुलासे से पहले इसे विधानमंडल सत्र में पेश किया जाना चाहिए? या इसका सीधे तौर पर खुलासा किया जा सकता है या नहीं, इस पर भी चर्चा की जाएगी। अब तक देरी के कई कारण हैं। चलो अब उस पर चर्चा नहीं करते। उन्होंने कहा कि कैबिनेट को सीधे तौर पर फैसला लेने और रिपोर्ट का खुलासा करने की अनुमति है। यह भ्रम है कि कुछ समुदायों की जनसंख्या कम है और कुछ समुदायों की जनसंख्या अधिक है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा करायी गयी जनगणना रिपोर्ट और राज्य सरकार की जनगणना रिपोर्ट में यदि कोई अंतर है तो उसे दूर किया जायेगा। 160 करोड़ में एक सर्वे कराया गया है। अगर इसका खुलासा नहीं हुआ तो सीएजी इस पर सवाल उठाएगी। उन्होंने कहा कि इसे ध्यान में रखकर फैसला लिया जाएगा। एआईसीसी अध्यक्ष और केपीसीसी अध्यक्ष के बीच सीधा संबंध है। जब भी किसी राज्य में सरकार होती है तो हाईकमान वहां के प्रशासन पर नजर रखता है। समय-समय पर सलाह दी जा सकती है।

इससे पहले जब मैं अध्यक्ष के तौर पर काम कर रहा था तो इस तरह की सूचनाएं एकत्र की जाती थीं। राजनीतिक बैठकें होती थीं और कोई गुप्त चर्चा नहीं होती थी। जब मैं मुख्यमंत्री से मिलने जा रहा था तो मैं मंत्री महादेवप्पा के घर गया। उसे गुप्त बैठक बताया जा रहा है। यह सही नहीं है। हमारा कोई गिरोह या गुप्त बैठकें नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अनावश्यक भ्रम पैदा किया जा रहा है। भाजपा और जद(एस) मुडा मामले में मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को निशाना बना रहे होंगे क्योंकि वह पिछड़े वर्ग के नेता हैं। सिद्धरामैया ने बिना जानकारी के कोई बयान नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसा लग रहा होगा कि वे जाति के आधार पर राजनीति कर रहे हैं।

आपातकालीन सेवा के लिए जल्द ही तीन समुद्री एम्बुलेंस खरीदी जाएंगी

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

मत्स्य विभाग ने तीन समुद्री एम्बुलेंस खरीदने के लिए निविदाएँ आमंत्रित की हैं, जो गहरे समुद्र में रहने वाले मछुआरों की लंबे समय से चली आ रही माँग को पूरा करती हैं, ताकि बीच समुद्र में होने वाली दुर्घटनाओं के दौरान आपातकालीन बचाव सेवाओं के लिए उनकी मदद की जा सके। तीन समुद्री एम्बुलेंस दक्षिण कन्नड़ के मेंगलूरु, उडुपी के मालपे और उत्तर कन्नड़ के ताडाडी में तैनात की जाएंगी। एम्बुलेंस की अनुमानित लागत 7 करोड़ रुपये है। दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ के बंदरगाहों से बड़े पैमाने पर मछली पकड़ने का काम किया जाता है। ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां आपातकालीन एम्बुलेंस सेवाओं की कमी के कारण मछुआरों की बीच समुद्र में ही जान चली गई है। प्रत्येक समुद्री एम्बुलेंस में पांच रोगियों को रखने और तत्काल चिकित्सा सुविधा प्रदान करने की क्षमता होगी। नाव पर ही चिकित्सा उपचार दिया जाएगा। समुद्री एम्बुलेंस में ईसीजी मशीन, बैग और मास्क वेंटिलेशन डिवाइस, पल्स ऑक्सीमीटर, स्ट्रेचर, शवगृह के लिए रेफ्रिजरेशन यूनिट, गार्ड और ऑक्सीजन सिलेंडर जैसे आवश्यक चिकित्सा उपकरण लगे होंगे। कर्नाटक तटीय मछुआरा कार्य समिति की अध्यक्ष जया सी कोटियन ने कहा हम पिछले सात-आठ सालों से समुद्री एंबुलेंस की मांग कर रहे हैं। अगर मछुआरे समुद्र में दुर्घटना का शिकार होते हैं, तो इलाज के लिए तट पर लाए जाने से पहले ही उनकी जान चली जाती है। अब हमारी मांग पूरी हो गई है। मत्स्य विभाग के संयुक्त निदेशक विवेक आर ने कहा समुद्री एंबुलेंस का इस्तेमाल मुख्य रूप से चिकित्सा आपात स्थितियों के लिए किया जाता है। विभाग की योजना के अनुसार, वे तीनों जिलों में काम करना शुरू कर देंगे। टेंडर प्रक्रिया शुरू हो गई है और कुछ महीनों के भीतर समुद्री एंबुलेंस चालू हो जाएंगी।

वन-वे रोड पर अपनी कार चलाने वाले

विधायक जनार्दन रेड्डी के व्यवहार की हो रही व्यापक आलोचना

कोप्पल/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री के काफिले के सामने वन-वे रोड पर अपनी कार चलाने वाले विधायक जनार्दन रेड्डी के व्यवहार की व्यापक आलोचना हुई है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया के वाहन और काफिले रायचूर से हवाईअड्डे की ओर जा रहे थे। करीब 20 मिनट तक गाड़ियों के रुकने से बेचैन विधायक जनार्दन रेड्डी अपनी रेंज रोवर कार चलाकर डिवाइडर पर चढ़ गए और वन-वे रोड पर मुख्यमंत्री के काफिले की ओर बढ़ गए।

इससे भ्रमित होकर काफिले ने कुछ देर के लिए अपनी गाड़ियां रोक दीं। जनार्दन रेड्डी की कार आगे बढ़ने के बाद मुख्यमंत्री ने अपनी यात्रा जारी रखी। बताया जाता है कि जनार्दन रेड्डी नाराज हो गये और उन्होंने पुलिस से बहस करते हुए कहा कि वह विधायक हैं और मुख्यमंत्री के आने पर उन्हें 20 मिनट तक इंतजार क्यों करना पड़ा। इस स्तर पर, यह पता चला है कि जनार्दन रेड्डी के कुछ समर्थक जो वहां मौजूद थे, उन्होंने भी जनार्दन रेड्डी को वन-वे ट्रैफिक में गाड़ी चलाने के लिए प्रोत्साहित किया। यदि मुख्यमंत्री के काफिले के वाहनों द्वारा यातायात में अव्यवस्था पैदा करना और जनता को परेशानी में डालना चर्चा का एक और विषय है, तो एक विधायक द्वारा नियमों का उल्लंघन करके वाहन चलाना और सुरक्षा विफलता का कारण बनना, विशेष रूप से एक तरफा यातायात के नियमों का उल्लंघन करना संदिग्ध है।

भाजपा ने राजनीतिक अनाथों को पहचाना और उन्हें दर्जा दिया : चलवाडी नारायणस्वामी

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति स्नातक संघ द्वारा सम्मान

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलवाडी नारायण स्वामी ने कहा कि राजनीति में आगे बढ़ने के लिए ताकत का होना जरूरी है। यह ऐसा समय है जब पैसा, जन, शक्ति या बहुत सारे लोग होने चाहिए। ऐसी स्थिति में, बिना किसी दबाव के, निम्न वर्ग के लोगों को सशक्त बनाने की इच्छा से की गई अनवरत मेहनत ही है जिसने आज मुझे राजनीति में उच्च स्थान दिलाया है। यहां अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति स्नातक संघ द्वारा आयोजित सम्मान और अभिनंदन समारोह में उन्होंने यह बात कही। उन्होंने कहा कि यह भारतीय जनता पार्टी ही थी जिसने उन्हें एक राजनीतिक अनाथ के रूप में बहुत जल्द पहचान कर सम्मान दिया और विधान परिषद में नेता प्रतिपक्ष जैसा जिम्मेदार पद दिया। भले ही वह कांग्रेस में 40 साल तक राजनीति में रहे और जमीनी स्तर की समृद्धि के लिए संघर्ष किया, लेकिन उन्हें कोई सम्मान या दर्जा नहीं मिला।

कांग्रेस पार्टी का अस्तित्व केवल एक परिवार की समृद्धि के लिए है, न कि देश के विकास या संविधान के संचालन के लिए। कांग्रेस पार्टी, जो संविधान समर्थक, दलित समर्थक और गरीबी समर्थक होने का दावा करती है, वास्तव में ऐसा कुछ किए बिना ही गद्दारों की पार्टी बन गई है। मैं कांग्रेस पार्टी से तंग आ चुका हूं, जो लोगों से झूठ बोलकर और समुदायों को बांटकर राजनीति कर रही है और मैं इस भावना से बाहर आया हूं कि इसे सबक सिखाया जाना चाहिए। तब मैंने भाजपा को वैकल्पिक विकल्प के तौर पर देखा।

पार्टी में शामिल होने से पहले मुझे कांग्रेसियों द्वारा बोले गए झूठ पर यकीन था। मैं संदेह के साथ आया था क्योंकि मुझे भाजपा के ब्राह्मणों की पार्टी, दलित विरोधी, संविधान विरोधी आदि झूठ पर विश्वास था। लेकिन एक बार जब वह पार्टी के अंदर आए, तो उन्हें एहसास हुआ कि सच्चाई क्या है। सचमुच भारतीय जनता पार्टी एक ऐसी पार्टी है जो बीआर अंबेडकर द्वारा लिखित संविधान का पूरा सम्मान करती है। सबकी समृद्धि के लिए, महान भारत के उज्ज्वल भविष्य के लिए केवल भाजपा ही लड़ रही है। कांग्रेस झूठ फैला रही है ताकि जमीनी स्तर के समुदायों को यह तथ्य पता न चले। लेकिन आज स्थिति बदल गई है। कांग्रेस के झूठ पर कोई विश्वास नहीं करता। देश की जनता ने भारतीय जनता पार्टी को लगातार तीसरी बार केंद्र में सत्ता सौंपी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनता की इच्छाओं को पूरी तरह से पूरा कर रहे हैं।

उन्होंने अपने बचपन के कठिन जीवन को याद करते हुए एक उदाहरण दिया और बताया कि कैसे वह बड़े होकर एक अंधराष्ट्रवादी बन गये। उन्होंने कहा कि चेलुवाडी नामक जाति समुदाय से आने के कारण वह चेलुवाडी के रूप में बड़े हुए और यह कोई छोटी बात नहीं है कि समुदाय को यह नाम भी मिला। जब मैं भाजपा में शामिल हुआ तो कांग्रेस के लोगों ने कहा कि मेरा भविष्य खत्म हो गया। लेकिन असल में मेरा राजनीतिक भविष्य भाजपा से शुरू हुआ। मैंने किसी को नाराज नहीं किया है। मैं कड़ी मेहनत में विश्वास करता हूं और इसे पहचाना है और इसे पार्टी का दर्जा दिया है।

रामनाथ कोविंद को राष्ट्रपति चुना

इसी बीच भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष ने कहा कि जब आप भाजपा कहते हैं तो आप तुरंत कुछ विचारों को पक्ष में और कुछ को विपक्ष में रंग देते हैं। भाजपा संगठन सिर्फ इतने से नहीं बदलेगा।

इसका अपना ढाँचा है। जब भाजपा पहली बार पूरी ताकत के साथ सत्ता में आई तो उसने सबसे पहले दलित समुदाय से आने वाले रामनाथ कोविंद को राष्ट्रपति चुना। जब वह अपने दम पर दूसरी बार सत्ता में आई तो उसने एक आदिवासी महिला द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति पद के लिए चुना। भाजपा की राजनीति से असहमत कई संगठनों के कार्यकर्ता भी यहां हैं। ये सभी चलवाडी नारायणस्वामी के प्रशंसक हैं। संतोष ने कहा कि उनके उत्साह के गुण ने उन्हें यहां आने की ताकत दी।

संविधान वास्तुकार डॉ. बी.आर. अम्बेडकर हर जगह कहते थे तीन शब्द। शिक्षा, संगठन और संघर्ष। शिक्षा के माध्यम से व्यक्तित्व निर्माण एवं उत्कृष्टता प्राप्त की जानी चाहिए। सत्ता संगठन से प्राप्त करनी चाहिए। ताकत तो साथ में ही है। जहां प्राकृतिक न्याय नहीं है, वहां संघर्ष अपरिहार्य है। यहां ऐसे कई नेता हैं जो उस रास्ते पर जाकर समाज को दिशा दिखा रहे हैं। यहां ऐसे कई लोग हैं जिन्होंने दलितों और पीड़ितों की समृद्धि के लिए काम किया है। यह कहना उचित नहीं है कि केवल दलित समुदाय ने ही दलितों और पिछड़ों की समृद्धि के लिए संघर्ष किया। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीवाई विजयेन्द्र समेत अन्य नेता भी मौजूद थे।

मंदिर में रखी मूर्ति क्षतिग्रस्त पाई गई

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। जिले में रविवार को मूर्ति के अपमान की सूचना मिलने के बाद पुलिस अधिकारियों की एक टीम हुब्बल्ली के एक निजी अपार्टमेंट में पहुंची। अधिकारियों ने पाया कि बदमाशों ने देशपांडे नगर के अपर्णा अपार्टमेंट के परिसर में स्थापित श्री दत्तात्रेय की मूर्ति की भुजाएं तोड़ दी थीं। पुजारी ने जांचकर्ताओं को बताया कि मंदिर का ताला नहीं तोड़ा गया था, लेकिन मूर्ति की भुजाएं तोड़ने के लिए एक लंबी छड़ का इस्तेमाल किया गया था। पुलिस ने कहा अपार्टमेंट के निवासियों ने मंदिर में भजन का आयोजन किया था जो रात करीब 2 बजे तक चला था। घटना उसके बाद हुई होगी। एक निवासी ने नुकसान को देखा और इसकी सूचना दी। मामला दर्ज कर लिया गया है।

पश्चिमी घाट की तलहटी में भारी बारिश से आई बाढ़

उडुपी/शुभ लाभ ब्यूरो।

अचानक हुई मूसलाधार बारिश के कारण उडुपी जिले में, खास तौर पर हेबरी के आसपास की नदियां और नाले उफान पर आ गए, जिससे अचानक बाढ़ आ गई और आस-पास के बागानों और धान के खेतों में पानी भर गया।

एक भयावह घटना में, मुद्राडी के निचले इलाके में खड़ी एक कार पास के रबर और सुपारी के बागानों से आई बाढ़ के पानी में बह गई। मूसलाधार बारिश ने कबीनाहोल पहाड़ियों को भी प्रभावित किया, जहां शाम 4 बजे तक भारी बारिश हुई, जिसके परिणामस्वरूप स्थानीय स्तर पर बाढ़ आ गई। मुद्राडी को जोड़ने वाली बल्लाडी-टुंडुगुड्डे सड़क अस्थायी रूप से जलमग्न हो गई, जिससे यातायात बाधित हो गया। कंटारा बैलू में चार घरों, होसकंबला में एक घर और केलाकिला में तीन घरों में भी पानी घुस गया। इस बीच, गरज के साथ बिजली गिरने से दो कारें और एक बाइक क्षतिग्रस्त हो गईं। हालांकि अब बारिश कम हो गई है और नदियों और नालों का जलस्तर घट रहा है, फिर भी जिला अलर्ट पर है।

विभिन्न रेलवे परियोजनाओं की समीक्षा की

कार्यों में तेजी लाकर उन्हें प्राथमिकता के आधार पर करें पूरा: वी. सोमन्ना

बेल्लारी/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने रविवार को नए जिला कलेक्टर कार्यालय बेल्लारी में बेल्लारी क्षेत्र की रेलवे परियोजनाओं की समीक्षा हेतु सांसद ई. तुकाराम, विधायक नारा भारत रेड्डी, रेलवे एवं जिला अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में विभिन्न रेलवे परियोजनाओं की समीक्षा की। वी. सोमन्ना ने बेल्लारी और विजयनगर जिलों में चल रही विभिन्न आरओबी/आरयूबी परियोजनाओं पर भी चर्चा की।

उन्होंने कई रेलवे परियोजनाओं को भी संबोधित किया, जिनमें बेल्लारी-चिकजाजुर लाइन का 185 किमी का दोहरीकरण, स्वामीहल्ली से रायदुर्गा तक 52 किमी की नई लाइन, होसपेट-बेल्लारी मार्ग का 65 किमी का चौगुना, होसपेट-व्यासा कॉलोनी का 58.87 किमी का दोहरीकरण, स्वामीहल्ली खंड, व्यास कॉलोनी-कोट्टूर-अमरावती कॉलोनी खंड का 119 किमी दोहरीकरण, तोरणगल्लू-रंजीतपुरा लाइन का 23 किमी दोहरीकरण, गिनिगेरा - रायचूर नई लाइन, कदुर - चिकमगलूरु नई लाइन, बागलकोट - कुदाची नई लाइन, धारवाड़ - बेलगावी नई लाइन, हुब्बल्ली - अंकोला नई लाइन, गदग - वाडी नई लाइन, हासन - बेलूर नई लाइन, शिवमोग्गा-शिकारीपुरा- रानीबेन्नूर नई लाइन और रायदुर्गा - तुमकुरु नई लाइन शामिल है। सोमन्ना ने रेलवे और जिला अधिकारियों को सभी चल रहे कार्यों में तेजी लाने और उन्हें प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने समयसीमा का पालन करने, कुशल संसाधन आवंटन सुनिश्चित करने और परियोजनाओं में गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। मीडिया को संबोधित करते हुए वी. सोमन्ना ने रेलवे परियोजनाओं के लिए पर्याप्त बजटीय आवंटन पर जोर दिया, खास तौर पर रेल बजट को आम बजट में समाहित करने के बाद।

उन्होंने यह भी कहा कि पिछले दस सालों में कर्नाटक के आवंटन में भारी वृद्धि हुई है। उन्होंने यह भी कहा कि बेल्लारी और होसपेटे क्षेत्र में 6200 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न परियोजनाएं शुरू की जा रही हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत बेल्लारी रेलवे स्टेशन का 16.66 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया जा रहा है, जो इस क्षेत्र में इसके ऐतिहासिक महत्व को दर्शाने वाले मेहराबों से सजी इसकी अनूठी वास्तुकला विशेषताओं को संरक्षित करता है। साथ ही उन्होंने बताया कि होसपेटे रेलवे स्टेशन का 16.17 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास किया गया है। जिसमें यूनेस्को की विश्व धरोहर हम्पी स्मारकों और मंदिरों को दर्शाया गया है।

बैठक के दौरान मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) अजय शर्मा, हुब्बल्ली के मंडल रेल प्रबंधक हर्ष खरे, बेल्लारी जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राहुल शानप्पा शंकरनूर, बेल्लारी के अतिरिक्त जिला आयुक्त मोहम्मद जुबेर और रेलवे तथा राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

कृष्णागिरी शक्ति महोत्सव में मां पद्मावतीजी की भक्ति की धूम

कृष्णगिरी/शुभ लाभ ब्यूरो।

कृष्णगिरी जिले में बेंगलूरु चेन्नई राजमार्ग पर स्थित श्रीपार्श्व पद्मावती शक्तिपीठ तीर्थ जगत जननी देवी मां पद्मावतीजी के सिद्ध धाम में नवरात्रि की जबरदस्त धूम मची है। शक्ति पीठाधीपति, राष्ट्रसंत परम पूज्य गुरुदेव डॉ श्री वसंत विजय जी के पावन सान्निध्य में कृष्णगिरी शक्ति महोत्सव के तहत भव्यता एवं दिव्यता के साथ स्वर्गतुल्य सजे तीर्थ धाम में अलौकिक दैविक पांडाल में 21 रूपों में मां पद्मावतीजी की स्थापित प्रतिमाएं लोगों के दर्शन मात्र से साक्षात कष्टहारक बनकर आशीर्वाद प्रदान कर रही है।

रविवार को विशाखा नक्षत्र में कुष्मांडा माता की कृपामयी गुणगान व्याख्या करते हुए सिद्ध साधक संतश्री वसंत विजय जी ने मां को ममता का नूर बताते हुए कहा कि भगवती देवी मां के हृदय में अखंड दीप की रोशनी भक्त की युगों युगों से रक्षा कर रही है। उन्होंने कहा प्रार्थना विश्वास करने वालों पर ही लागू होती है। देवी भागवत में मां कुष्मांडा का वर्णन एक दिव्य और तेजस्वी देवी के रूप में बताते हुए उन्होंने कहा कि मां कुष्मांडा के मस्तक पर अर्धचंद्र होता है, जो उनके शक्ति वह सौम्यता का प्रतीक है। संत श्रीजी ने कहा कि मां कुष्मांडा का विस्तृत उल्लेख मार्कंडेय पुराण में मिलता है। इस शक्तिशाली देवी को सृष्टि की रचनाकार माना जाता है। अपनी मुस्कान से ब्रह्मांड की रचना जब चारों ओर अंधकार था तब इन्होंने की थी। वसंत विजय जी ने कहा कि मंदिर में या किसी संत महापुरुष के समक्ष हाथ जोड़ने अथवा प्रणाम करने से व्यक्ति का संपूर्ण दिमाग काम करता है। साथ ही दैविक ऊर्जा शरीर में प्रवेश कर पुण्य वर्षा प्राप्त होती है। दोनों हाथ जोड़ने से भावना और विवेक दोनों साथ जुड़कर सफलता दिलाते हैं। किसी भी धर्म, शास्त्र की कभी भी निंदा नहीं करने की प्रेरणादाई सीख देते हुए राष्ट्रसंत वसंत विजय जी ने कहा सदैव धर्म की रक्षा करें, धर्म आपकी निश्चित रक्षा करेगा। इस दौरान संगीतमय प्रस्तुतियों में दरबार हजारों है ऐसा दरबार कहां, जो मिलता प्यार यहां ऐसा मिलता प्यार कहां, जिसने भी सच्चे मन से मां को याद किया है प्यार किया है बेड़ा पार किया है, मैंने पूछा चांद से की देखा है कहीं मेरी मां को भी कहीं, जिधर देखता हूं मंदिर तुम्हारा झुक जाता है मैया मस्तक हमारा, मुझे रास आ गया है तेरे दर पर सर झुकाना तुझे मिल गया पुजारी मुझे मिल गया ठिकाना, सरीखे अनेक भजनों से तालियों की गूंज बनाई। इस दौरान तमिल के मशहूर फिल्म अभिनेता किशन ने सपरिवार पूज्यश्री के श्री चरणों में वंदन धोक लगाई एवं कथा श्रवण का लाभ लिया। जिनका ट्रस्ट मंडल के डॉ संकेश व रितेश कुमार ने स्वागत सत्कार किया।

कोर्ट ने हत्या के आरोपी को दोषी करार दिया

हासन/शुभ लाभ ब्यूरो। हासन कोर्ट ने अपने भाई की हत्या के आरोपी को दोषी करार देते हुए पांच साल कैद और 20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। अरकलगुड तालुक के बसवपटना के करीम ने 12 फरवरी, 2017 को संपत्ति विवाद को लेकर हुए विवाद के बाद अपने भाई अब्दुल दस्तगीर पर दरांती से हमला कर दिया। 3 मार्च, 2017 को पीड़ित की मौत हो गई। कोनानूर पुलिस ने मामला दर्ज किया था। पुलिस ने जांच के बाद आरोप पत्र दाखिल किया। इस मामले की सुनवाई करने वाले दूसरे अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश एस.ए. हिदायत उल्ला शरीफ ने आरोपी को दोषी करार देते हुए पांच साल कैद और 20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। इसके अलावा उन्होंने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण को पीड़ित की पत्नी फातिमा को 3 लाख रुपये की सहायता राशि देने का आदेश दिया। सरकारी वकील के.एस. नागेन्द्र ने इस मामले में अभियोजन पक्ष का प्रतिनिधित्व किया।

जल्द ही सिद्धरामैया मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देंगे: विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र ने दावा किया कि उन्हें जानकारी है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया दशहरा के बाद अपने पद से इस्तीफा दे देंगे।

पार्टी के सदस्यता अभियान के सिलसिले में रविवार को मैसूरु में मौजूद विजयेंद्र ने संवाददाताओं से कहा कि सिद्धरामैया के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की उल्टी गिनती भाजपा की मैसूरु की पदयात्रा के तुरंत बाद शुरू हो गई थी, ताकि राज्य में कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार को उजागर किया जा सके, जहां सिद्धरामैया खुद मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (मुडा) द्वारा स्थलों के आवंटन में अनियमितताओं के आरोपों का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिद्धरामैया के इस्तीफे पर उनकी भविष्यवाणी महज राजनीति से प्रेरित बयान नहीं है। उन्होंने कहा वे किसी भी समय इस्तीफा दे सकते हैं। ऐसी स्थिति पैदा हो गई है। कांग्रेस हाईकमान भी इस मामले पर चर्चा कर रहा है। सिद्धरामैया को भी पता है कि कांग्रेस हाईकमान ने इस मामले को अपने संज्ञान में ले लिया है। पत्रकारों के एक सवाल पर विजयेंद्र ने कहा कि पहले सिर्फ उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार की नजर मुख्यमंत्री की कुर्सी पर थी, लेकिन अब पार्टी में सात-आठ अन्य उम्मीदवार भी इस प्रतिष्ठित पद के लिए इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुडा घोटाला केवल मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की पत्नी को आवंटित 14 साइटों के बारे में नहीं था। हजारों करोड़ रुपये लूटे गए हैं। हम आने वाले दिनों में इसका पर्दाफाश करेंगे। जब भाजपा ने विधानमंडल में मुडा घोटाले पर चर्चा की मांग की, तो सत्तारूढ़ दल ने इस मामले पर बहस की अनुमति देने से इनकार कर दिया, यह दावा करते हुए कि ऐसा कोई घोटाला नहीं हुआ है। फिर भी, सरकार ने मुडा में कथित अनियमितताओं की जांच के लिए एक सदस्यीय जांच आयोग नियुक्त किया। बाद में सिद्धरामैया को एहसास हुआ कि मुडा घोटाला उनके मुख्यमंत्री के रूप में बने रहने के लिए खतरा है और इसलिए उन्होंने साइटों को सरेंडर करने का फैसला किया। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में, भाजपा नेता ने कहा कि अगर जांच उनकी बेगुनाही साबित करती है तो उन्हें सिद्धरामैया के मुख्यमंत्री के रूप में लौटने पर कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन उन्हें आरोपों को देखते हुए अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए और उनके खिलाफ पारदर्शी जांच होने देनी चाहिए। विजयेंद्र ने सिद्धरामैया को उनके उस कथित बयान की याद दिलाने की कोशिश की, जब भाजपा नेता बी.एस. येदियुरप्पा राज्य के मुख्यमंत्री के तौर पर आरोपों का सामना कर रहे थे।

दो साल पहले फरार हुआ आरोपी गिरफ्तार

बेलगावी/शुभ लाभ ब्यूरो।

एपीएमसी यार्ड पुलिस स्टेशन के अधिकारियों की एक टीम ने दो साल पहले फरार हुए मादक पदार्थ से संबंधित अपराध के एक आरोपी का पता लगाया। सुल्तान नगर गोकक के नईम अब्बास कोजा को दो साल पहले नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट के तहत एक अदालत ने जमानत दे दी थी। लेकिन वह बाद में कभी अदालत में पेश नहीं हुआ। वह इस दौरान विभिन्न राज्यों के विभिन्न शहरों में छिपता रहा।

लेकिन उसे शनिवार को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया। मजिस्ट्रेट ने उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया। विभिन्न मामलों में फरार आरोपियों का पता लगाने के लिए पुलिस आयुक्त इडा मार्टिन मारबानियांग द्वारा गठित एक टीम द्वारा यह अभियान पूरा किया गया। पुलिस आयुक्त ने इंस्पेक्टर विश्वनाथ कब्बुरी, सब-इंस्पेक्टर मंजूनाथ भजनत्री और बी.के. मितागरा, एन.एम. देसाई, बी.एम. नरगुंड, खादर खानमनावर, गोविंद पुजारी और एन.डी. बिरगोंड सहित कर्मचारियों के नेतृत्व वाली टीम की प्रशंसा की।

अक्टूबर के पहले हफ्ते में ही कश्मीर में बिछी बर्फ की चादर

जम्मू, 06 अक्टूबर (ब्यूरो)। प्रसिद्ध हिल स्टेशन गुलमर्ग में ताजा बर्फबारी हुई है क्योंकि रात भर में ऊपरी इलाकों में 2-3 इंच बर्फ जम गई। सुदूर गुरेज घाटी को बांडीपोरा से जोड़ने वाले प्रमुख मार्ग, राजदान दर्रे पर भी मौसम की पहली बर्फबारी हुई है। गुलमर्ग के साथ-साथ, ऊंचाई पर स्थित सिंथन टॉप पर भी ताजा बर्फबारी हुई, जिससे इस क्षेत्र में सर्दियों की शुरुआत हो गई।

मौसम में अचानक आए बदलाव से तापमान में भारी गिरावट आई, जिससे रातें खास तौर पर सर्द हो गईं और इन पहाड़ी इलाकों में हल्की शरद ऋतु भी सर्दी में बदल गई। गुलमर्ग में एक होटल के मालिक बशीर अहमद ने फोन पर बताया कि रात में पहाड़ों पर हल्की बर्फबारी हुई। तापमान इतना गिर गया है कि ऐसा लग रहा है कि मध्य सर्दी आ गई है।

ताजा बर्फबारी ने गुलमर्ग आने वाले पर्यटकों को खुश कर दिया है। उनमें से कई लोगों को शरद ऋतु के रंग देखने की उम्मीद थी, लेकिन इसके बजाय उन्हें जादुई बर्फ से ढके परिदृश्य का आनंद मिला। दिल्ली की एक पर्यटक आयशा खान का कहना था कि हम पहली बार कश्मीर आए हैं, और हमें शरद ऋतु के पत्ते देखने की उम्मीद थी। लेकिन अक्तूबर में

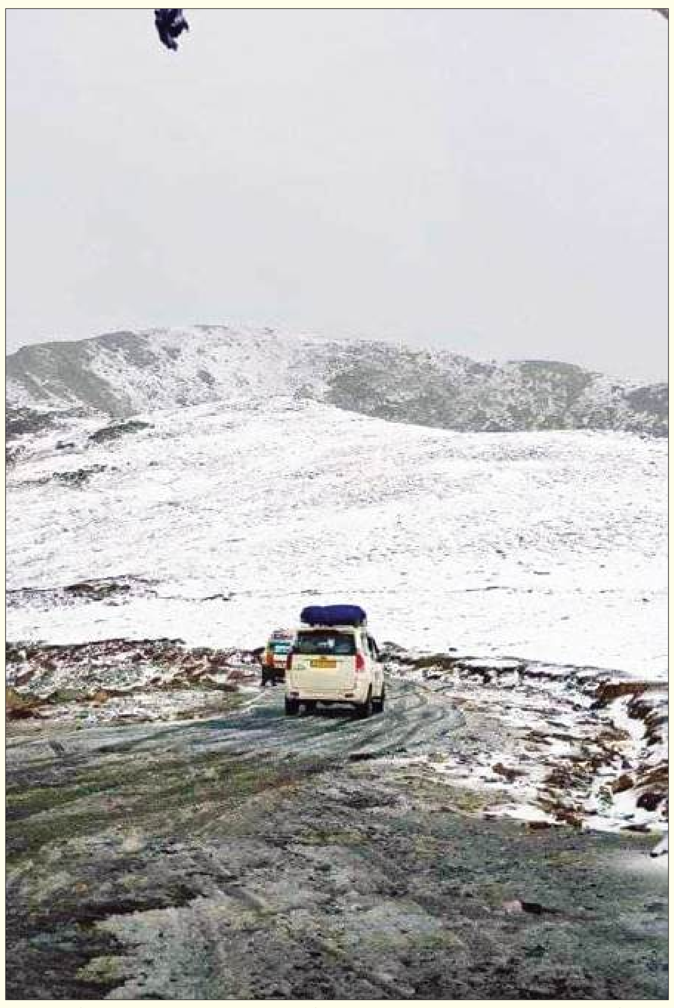

ताजा बर्फ देखना एक अद्भुत आश्चर्य है! यह वास्तव में जादुई है।

सिंथन टॉप, एक पहाड़ी दर्रा, पर भी भारी बर्फबारी हुई। अचानक हुई

बर्फबारी ने आने वाले महीनों में कश्मीर घूमने की योजना बना रहे पर्यटकों में उत्साह पैदा कर दिया है। दूसरी ओर, स्थानीय निवासी आने वाले सर्दियों के मौसम की तैयारी कर रहे हैं। जम्मू और कश्मीर में सुदूर गुरेज घाटी को बांदीपोरा से जोड़ने वाले प्रमुख मार्ग, राजदान दर्रे पर भी मौसम की पहली बर्फबारी हुई। 11,600 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित यह दर्रा ताजा बर्फ से ढका हुआ था, जो पहाड़ी क्षेत्र में सर्दियों की शुरुआत का संकेत देता है।

शीत ऋतु की शुरुआत में हुई बारिश के बावजूद, अधिकारियों ने पुष्टि की है कि बांडीपोरा-गुरेज मार्ग वाहनों की आवाजाही के लिए खुला है, जिससे गुरेज के निवासियों के लिए निरंतर संपर्क सुनिश्चित होता है। नियंत्रण रेखा के पास स्थित गुरेज, अपेक्षाकृत कम बर्फ रहित महीनों के दौरान आवश्यक आपूर्ति और यात्रा के लिए इस दर्रे पर बहुत अधिक निर्भर करता है। मार्ग के रखरखाव के लिए जिम्मेदार अधिकारी स्थितियों की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं और उन्होंने आश्वासन दिया है कि यात्री सुरक्षित रूप से इसका उपयोग कर सकते हैं। सड़क। गुरेज के निवासियों ने विस्मय और चिंता के मिश्रण के साथ बर्फबारी का स्वागत किया।

अक्सर यात्रा करने वाले लोग आने वाले महीनों में आने वाली चुनौतियों से सावधान हैं। स्थानीय दुकानदार गुलाम कादिर ने कहा कि पहली बर्फबारी हमेशा खूबसूरत होती है, लेकिन हम जानते हैं कि यह सड़क अवरोध और अलगाव भी ला सकती है।

हमें उम्मीद है कि अधिकारी सड़कों को साफ रखेंगे। हालांकि अधिकारियों ने यात्रियों को मौसम की रिपोर्ट पर अपडेट रहने और सड़क की स्थिति के बारे में किसी भी सलाह पर ध्यान देने की सलाह दी है। अधिकारियों का कहना है कि हम आकस्मिकताओं के लिए तैयार हैं।

यह सुनिश्चित करने के लिए सभी उपाय किए गए हैं कि भारी बर्फबारी से पहले बांदीपोरा-गुरेज़ मार्ग यथासंभव लंबे समय तक चालू रहे। आने वाले सर्दियों के महीनों के लिए सरकार की तैयारी के बारे में जनता को आश्वस्त करते हुए अधिकारियों ने कहा कि यह शुरुआती बर्फबारी, हालांकि हल्की है, गुरेज घाटी की कठोर सर्दियों की याद दिलाती है, जो महीनों तक चल सकती है, जिससे पूरे समुदाय अलग-थलग पड़ सकते हैं।

फिलहाल, मौसम की पहली बर्फबारी की सुंदरता का आनंद लिया जा रहा है, लेकिन आने वाले मौसम की अपरिहार्य चुनौतियों के लिए तैयारियां पहले से ही चल रही हैं।

आरजी कर अस्पताल ने धमकी संस्कृति में कथित तौर पर संलिप्त

10 चिकित्सकों को किया निष्कासित

कोलकाता, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के कोलकाता स्थित विवादों में घिरे आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल ने कथित धमकी संस्कृति में संलिप्तता के लिए 10 चिकित्सकों को निष्कासित कर दिया है। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि कॉलेज परिषद के सदस्यों की शनिवार को हुई विशेष बैठक में कथित रूप से दूसरों को धमकाने के लिए उन्हें निष्कासित करने का निर्णय लिया गया। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, इन चिकित्सकों ने छात्रों को धमकी दी कि वे सुनिश्चित करेंगे कि वे अपनी परीक्षाओं में असफल हो जाएं या कॉलेज के छात्रावास से बाहर निकाल दिये जायें। आरोपी चिकित्सकों ने कथित रूप से अन्य जूनियर को यौन उत्पीड़न और दुर्व्यवहार और जबरन वसूली में लिप्त रहे एक विशेष राजनीतिक दल में शामिल होने के लिए मजबूर किया। कॉलेज परिषद के एक बयान में कहा गया कि वे छात्रों के खिलाफ झूठी प्राथमिकी दर्ज करने और शारीरिक हिंसा में भी शामिल थे।

निष्कासित किये गये लोगों में आर जी कर के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष के करीबी हाउस स्टाफ डॉ. आशीष पांडे भी शामिल हैं, जिन्हें वित्तीय अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गिरफ्तार किया था। संस्थागत जांच समिति की रिपोर्ट में 10 कर्मचारियों और छात्रों को दोषी पाये जाने के बाद विशेष कॉलेज परिषद के सदस्यों ने बैठक की और उन्हें अगली सूचना तक निष्कासित करने का फैसला किया। इसके अलावा, जिन लोगों के खिलाफ महिलाओं के यौन उत्पीड़न के पर्याप्त सबूत पाये गये हैं, उनके नाम आंतरिक शिकायत समिति को भेजे गए हैं।

गौरतलब है कि आर जी कर मेडिकल कॉलेज में नौ अगस्त को एक महिला डॉक्टर के साथ क्रूर बलात्कार और उसकी हत्या के बाद जूनियर डॉक्टरों के एक वर्ग ने परिसर में धमकी की संस्कृति की लिखित शिकायत की। अधिकारियों ने 10 सितंबर को 51 डॉक्टरों, हाउस स्टाफ और इंटर्न को कथित तौर पर ऐसे व्यवहार में शामिल होने के लिए नोटिस भेजा, जो डराने-धमकाने की संस्कृति को बढ़ावा देता है। उन्हें एक जांच समिति के समक्ष बुलाया गया। जांच समिति द्वारा सुनवाई और जांच के बाद, कॉलेज अधिकारियों को एक रिपोर्ट सौंपी गई।

निष्कासित 10 चिकित्सकों के नाम उनके मेडिकल पंजीकरण प्रमाणपत्रों के मूल्यांकन के लिए पश्चिम बंगाल मेडिकल काउंसिल को भी भेजे गए हैं।

तीन सौ एकड़ से ज्यादा भूमि अतिक्रमण मुक्त कराई गई

उधम सिंह नगर, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में सरकारी जमीनों पर कब्जा करने वालों के खिलाफ अतिक्रमण हटाओ अभियान एक बार फिर शुरू हो गया है। उधम सिंह नगर प्रशासन ने बड़ी कारवाई करते हुए तीन सौ एकड़ से अधिक सरकारी भूमि से अवैध कब्जे हटा कर अपने बोर्ड लगा दिया है।

जिलाधिकारी उधमसिंह नगर के द्वारा उपजिलाधिकारी किच्छा को दिए गए निर्देशों के क्रम ग्राम बखपुर की 67.2972 है, ग्राम-चाचर की 16.3640 है। ग्राम कठर्रा की 0.2880 है। कुल 83.9492 है। यानि 207.35 एकड़ भूमि पर कब्जा लेने की कार्वाई की गई। प्रश्नगत भूमि सन 1971 से पूर्व शमशुल हसन खान पुत्र बदरुल हसन खां व रजिया बानो बेगम पत्नी शमशुल हसन खां के नाम दर्ज रही थी। उक्त भूमि में नियत प्राधिकारी/परगनाधिकारी पूरनपुर पीलीभीत के द्वारा 31.03.1982 के आदेश के द्वारा खातेदारों को अमरिया व शेरपुर जिला पीलीभीत में (7.30 है) 18.04 एकड़ भूमि खातेदारों के पक्ष में अवमुक्त की गऊ थी। उक्त आदेश से तहसील किच्छा के ग्राम बखपुर, चाचर, व कठर्रा की भूमि अतिरिक्त घोषित की गई थी। प्रकरण विभिन्न अपीलीय न्यायालयों में विचाराधीन रही। जिसे मा. उच्च न्यायालय के 2011 में पारित आदेश के द्वारा नियत प्राधिकारी पूरनपुर के आदेश दिनांक 31.03.1982 के आदेश की पुष्टि की गई थी। इससे पांच दिन पूर्व भी 70 एकड़ भूमि से अतिक्रमण हटाया गया था। एडीएम पंकज उपाध्याय ने बताया कि किच्छा के आसपास नई टाउनशिप विकसित की जानी है, जिसकी घोषणा प्रधानमंत्री द्वारा की गई है, इस टाउनशिप की घो-षणा के बाद से यहां सरकार अपने लैंड बैंक को स्थापित करना चाहती है, जिसके तहत सरकारी भूमि से अतिक्रमण हटाए जा रहे है। ये अभियान आगे भी जारी रहेगा।

रेलवे ने भी शुरू किया अवैध कब्जा हटाने का अभियान

देहरादून, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में रेलवे ने एक बार फिर अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई तेज की है। इज्जत नगर मंडल के दिशा-निर्देश पर टनकपुर में अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाया गया, जिसमें रेलवे की भूमि पर लंबे समय से काबिज लोगों को हटाया गया। रेलवे इंजीनियरिंग विभाग, रेलवे पुलिस फोर्स, स्थानीय प्रशासन और पुलिस के सहयोग से यह अतिक्रमण हटाओ अभियान शुरू हुआ है।

इस अभियान में एक होटल, एक दुकान और एक ई-रिक्शा स्टैंड को ध्वस्त किया गया। रेलवे विभाग ने 132 अन्य चिन्हित अतिक्रमण क्षेत्रों को भी हटाने की योजना बनाई है।

पीलीभीत रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर ने चंपावत जिला जज द्वारा अतिक्रमण हटाने के समर्थन में दिए गए फैसले का हवाला देते हुए संबंधित लोगों को नोटिस जारी किया था, जिसमें उन्हें 4 अक्टूबर की शाम 6 बजे तक सामान हटाने के निर्देश दिए गए थे। टनकपुर के तहसीलदार जगदीश गिरी और रेलवे चौकी प्रभारी चंद्र प्रकाश की निगरानी में यह अभियान चलाया गया। कोर्ट के आदेश के तहत तुलसी गुप्ता का होटल ध्वस्त किया गया, जबकि अन्य चार अतिक्रमणों को सोमवार को हटाने की योजना है।

लालकुआं नगला में भी अभियान चलाया जाना है। जबकि हल्द्वानी बनभूलपुरा में रेलवे भूमि पर अतिक्रमण का मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है। जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने रेलवे से अपनी भूमि का चिन्हीकरण करने के निर्देश दिए हैं।

मुठभेड़ में मारे गए 31 नक्सलियों में से 22 की पहचान

माओवादियों पर 1.70 करोड़ ईनाम घोषित

नारायणपुर 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नारायणपुर-दंतेवाड़ा सीमा पर गत शुक्रवार को माड़ इलाके में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए 31 नक्सलियों में से अब तक 22 माओवादियों की पहचान हो गई है जबकि बाकी के नौ माओवादियों के शव की शिनाख्त कार्रवाई की जा रही है। उक्त 22 नक्सलियों पर सरकार ने 1.70 करोड़ का ईनाम घोषित कर रखा था।

अभी कुछ और शव मिलने की संभावना से सुरक्षा बलों ने इनकार निहि किया है। अब तक 22 शवों की पहचान कर ली गई है। मुठभेड़ में एक डीकेएसजेडसी, तीन डीवीसीएम, नौ पीएलजीए कंपनी नंबर-6 के सदस्य, दो डीकेएसजेडसी गार्ड,छह एरिया कमिटी सदस्य और एक एरिया कमिटी के पार्टी सदस्य कैडर के रुप में उनकी पहचान हुई है। जिन माओवादियों की पहचान हो चुकी है उनके नाम इस प्रकार हैं: नीति उर्फ उर्मिला (45) वर्ष पद (एसजेडसीएम), पूर्व बस्तर डिविजन इंचार्ज सचिव (25 लाख ईनामी) निवासी ग्राम हिरमागुण्डा थाना गंगालूर जिला बीजापुर नाम - नंदू मण्डावी पद -सीवाईपीसी-कंपनी नंबर-06 कमाण्डर (10 लाख ईनामी) निवासी ग्राम कोतराम थाना भैरमगढ़ जिला बीजापुर, सुरेश सलाम उर्फ जानकू पद -डीव्हीसीएम आमदई एरिया कमेटी (आठ लाख ईनामी) निवासी ग्राम छोटे फरसगांव थाना झारा जिला नारायणपुर, मीना नेताम (44) पद - डीव्हीसीएम (आठ लाख ईनामी) निवासी ग्राम मोहंदी जिला नारायणपुर, महेश पद -डीव्हीसीएम (आठ लाख ईनामी) निवासी ग्राम घोटिया थाना मालेवाही, जिला दंतेवाड़ा, अर्जुन उर्फ रंजीत (30) पद - (पीपीसीएम) पीएलजीए कम्पनी नम्बर-06 सदस्य (आठ लाख ईनामी) ग्राम डुंगा-पल्लेवाया थाना ओरछा जिला नारायणपुर,सुन्दर उर्फ कमलू पद - (पी.पी.सी.एम.) पी.एल.जी. ए. कम्पनी नम्बर-06 सदस्य (आठ लाख ईनामी) ग्राम मदूम थाना गंगालूर जिला बीजापुर, बुधराम मड़काम पद - (पी.पी.सी.एम.) पी.एल.जी. ए. कम्पनी नम्बर-06 सदस्य (आठ लाख ईनामी) निवासी भैरमगढ़ जिला बीजापुर, मोहन मण्डावी पद - (पी.पी.सी.एम.) पी.एल.जी. ए. कम्पनी नम्बर-06 सदस्य (आठ लाख ईनामी) निवासी ग्राम बोदली थाना मालेवाही जिला दंतेवाड़ा,बसंती (30) पति साकेत पद - (पी.पी.सी.एम.) पी.एल.जी. ए. कम्पनी नम्बर-06 सदस्या (आठ लाख ईनामी) निवासी ग्राम थाना कोयलीबेड़ा जिला कांकेर, सोमे पति टुगे उर्फ मानसिंग (30) पद - (पी.पी.सी.एम.) पी.एल.जी. ए. कम्पनी नम्बर-06 सदस्य (आठ लाख ईनामी) निवासी ग्राम रेखावट्टी थाना कोयलीबेड़ा जिला कांकेर,जगनी कोर्राम (36)पद-(पी.पी.सी.एम.) पी.एल.जी. ए. कम्पनी नम्बर-06 सदस्य (आठ लाख ईनामी) निवासी ग्राम अडेंगपाल थाना बैंगलूर जिला नारायणपुर, अनिल पद - पार्टी सदस्य, पी.एल.जी. ए. कम्पनी नम्बर-06 सदस्य (आठ लाख ईनामी) निवासी ग्राम मदूम थाना गंगालूर जिला बीजापुर, जनीला उर्फ बुधरी (40) पद-नीति की गार्ड (5 लाख ईनामी) निवासी ग्राम साकिन कोटमेटा थाना पूँगारपाल जिला कोण्डागांव, अज्ञात महिला, पद - नीति की गार्ड (पांच लाख ईनामी) निवासी ग्राम इरपानार थाना भैरमगढ़ जिला बीजापुर, रामदेर पद -एसीएम बयनार एरिया कमेटी सदस्य (पांच लाख ईनामी) निवासी ग्राम उसरी थाना मर्दापाल जिला कोंडागांव, सुक्कु यादव (34) पद - बयानार एरिया कमेटी सदस्य (पांच लाख ईनामी) निवासी ग्राम कानागांव थाना कोहकामेट्टा जिला नारायणपुर, सुकलू उर्फ विजय उर्फ पण्डरू कोर्राम,पद - एसीएम बयानार एरिया कमेटी सदस्य (पांच लाख ईनामी) निवासी ग्राम कोंगेरा घोटिया पारा थाना झारा जिला नारायणपुर, सोहन उर्फ रोहन पदम, पद - एसीएम आमदई एरिया कमेटी सदस्य (पांच लाख ईनामी) निवासी ग्राम कुमुरगुण्डा थाना कोयलीबेड़ा जिला कांकेर, सोनू कोर्राम,पद -एसीएम आमदई एरिया कमेटी सदस्य (पांच लाख ईनामी)निवासी ग्राम सूलेंगा थाना धौड़ाई जिला नारायणपुर, जमली (36), पद -एसीएम आमदई एरिया कमेटी सप्लाई सदस्या (पांच लाख ईनामी) निवासी ग्राम मोडोनार तोयामेटा थाना छोटेडोंगर जिला नारायणपुर एवं फुलो उर्फ सुंदरी (30),पद - आमदई एरिया पार्टी सदस्या (दो लाख ईनामी) निवासी ग्राम थाना भैरमगढ़, जिला बीजापुर।

अब महिला टी20 विश्व कप में भी कश्मीरी विलो क्रिकेट बैट की धूम

सुरेश एस डुग्गर
जम्मू, 06 अक्टूबर।

पुरुषों के टी 20 और एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में सफलतापूर्वक इस्तेमाल किए जाने के बाद, कश्मीर विलो क्रिकेट बैट ने महिला अंतरराष्ट्रीय टी 20 विश्व कप में अपनी शुरुआत की है। वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम और दक्षिण अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम के बीच मैच के दौरान, वेस्टइंडीज की सलामी बल्लेबाज कियाना जोसेफ ने जीआर 8 स्पोर्ट्स द्वारा कश्मीर विलो से तैयार किए गए बैट को लेकर मैदान में कदम रखा, जो ब्रांड और क्षेत्र दोनों के लिए एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

इस कार्यक्रम ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर कश्मीर विलो बैट की शिल्पकला और गुणवत्ता को प्रदर्शित किया। वेस्टइंडीज टीम का हिस्सा आलियाह एलीने, जैदा जेम्स और शमिलिया कानेल ने पूरे टूर्नामेंट में जीआर 8 क्रिकेट बैट और उपकरण का इस्तेमाल किया। दुनिया भर के क्रिकेट प्रशंसकों ने जब इस बैट को देखा, तो जोसेफ के प्रदर्शन ने बैट के हल्के वजन के डिजाइन को उजागर किया, जो अंतरराष्ट्रीय

क्रिकेट की प्रतिस्पर्धी प्रकृति के लिए आवश्यक है। जीआर 8 स्पोर्ट्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक, फवजुल कबीर और मोहम्मद नियाज उल कबीर ने पत्रकारों से बात करते हुए गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीआर 8 स्पोर्ट्स और कश्मीर विलो बैट के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। हमारे ब्रांड ने इस अनूठी लकड़ी को बढ़ावा देने के लिए अथक प्रयास किया है, जो कश्मीर के सार और शिल्प कौशल का प्रतीक है। हमारे उत्पाद को इतने बड़े मंच पर प्रदर्शन करते देखना हमारी उत्प-ादन प्रक्रिया में शामिल सभी लोगों के समर्पण का प्रमाण है।

वे कहते हैं कि इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए, पिछले चार वर्षों में महिला क्रिकेटरों के लिए जीआर 8 के क्रिकेट बैट का व्यापक परीक्षण और अभिनव विकास किया गया, जिसमें उनके डिजाइन को परिष्कृत करने के लिए एआई-आधारित मशीनरी का उपयोग किया गया। कबीर ने कहा, महिला विश्व कप में जीआर 8 स्पोर्ट्स कश्मीर विलो बैट की शुरुआत न केवल गुणवत्ता के प्रति ब्रांड की प्रतिबद्धता को उजागर करती है, बल्कि यह इस गलत धारणा को भी गलत साबित करती है कि कश्मीर विलो बैट अंग्रेजी विलो बैट से भारी या कमतर होते हैं।

उन्होंने कहा कि गुणवत्ता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता स्पष्ट है क्योंकि हम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना प्रभाव बढ़ाना जारी रखते हैं। यह उपलब्धि हाल ही में आईसीसी टी 20 विश्व कप और ओडीआई विश्व कप 2023 में जीआर 8 स्पोर्ट्स बैट के प्रभावशाली प्रदर्शन के बाद मिली है। विशेष रूप से, आईसीसी टी 20 विश्व कप 2022 के दौरान, टूर्नामेंट के सबसे लंबे छक्के के लिए जीआर 8 स्पोर्ट्स बैट का इस्तेमाल किया गया था, जो उनके उत्पादों की असाधारण गुणवत्ता को और दर्शाता है।

कबीर ने कहा कि यह उपलब्धि क्रिकेट उपकरण निर्माण में नए मानक स्थापित करने के लिए हमारी अथक मेहनत, विश-षज्ञता और प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

हमारा लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अंग्रेजी विलो के एकाधिकार को तोड़ना और कश्मीर विलो बैट को आम पसंद बनाना है। उन्होंने कहा कि कश्मीर विलो को पेशेवर क्रिकेट बैट में बदलने के लिए 14 साल का शोध और विकास लगा। उच्च गुणवत्ता वाले बैट बनाने के लिए मशहूर कश्मीर बैट उद्योग ने हाल ही में पुनरुत्थान देखा है, जो अंतरराष्ट्रीय दर्शकों तक पहुंच रहा है। कई कम प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों ने अपने खेलों में कश्मीरी बैट को अपनाया है।

प्रयागराज में सनातन भावनाओं का सम्मान जरूरी: मुख्यमंत्री

महाकुंभ में नहीं होगी मांस–मदिरा की बिक्री

गोहत्या अपराध के दायरे में आए इसके लिए आगे आए संत समाज

प्रयागराज, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाकुंभ 2025 के दौरान प्रयागराज की शास्त्रीय सीमा में मांस–मदिरा की बिक्री नहीं होगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को प्रयागराज में सभी 13 अखाड़ों, खाक–चौक परंपरा, दण्डीबाड़ा परंपरा और आचार्यबाड़ा परंपरा के प्रतिनिधियों, पदाधिकारियों की उपस्थिति में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि महाकुंभ का आयोजन सनातन धर्म के ध्वजवाहक अखाड़ों और विभिन्न संत परंपराओं के निर्देशन में उनके ही द्वारा किया जाता है। राज्य सरकार, इसमें सहयोगी है और दुनिया भर से आने वाले श्रद्धालुगण अतिथि हैं।

उन्होंने कहा कि महाकुंभ में पूरी दुनिया करेगी सनातन भारतीय संस्कृति से साक्षात्कार करेगी। सनातन परंपरा के सम्मान के लिए सरकार समर्पित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि साधु–संतों, संन्यासियों, वैरागियों सहित समस्त सनातन समाज की भावनाओं का सम्मान रखते हुए प्रयागराज की शास्त्रीय सीमा में मांस–मदिरा का क्रय–विक्रय प्रतिबंधित किया जाना आवश्यक है।

रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ महाकुंभ मेला क्षेत्र में संत समाज के साथ संवाद कर रहे थे। इस बैठक में सभी 13 अखाड़ों के प्रतिनिधि तथा खाक–चौक परंपरा, दण्डीबाड़ा परंपरा और आचार्यबाड़ा परंपरा के प्रतिनिधियों, पदाधिकारियों की उपस्थिति रही। मुख्यमंत्री ने कहा कि पावन त्रिवेणी संगम में स्नान की अभिलाषा लिए महाकुंभ आने वाले हर संत और श्रद्धालु को अविरल–निर्मल गंगा–यमुना के दर्शन होंगे। पवित्र नदियों की स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए सरकार के स्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं लेकिन साधु–संत समाज का सहयोग भी अपेक्षित है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि महाकुंभ के दौरान ब्रह्मलीन होने वाले साधु–संतों की समाधि के लिए प्रयागराज में शीघ्र ही भूमि आरक्षित कर दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि संतों के मार्गदर्शन में ही सनातन समाज का उत्कर्ष संभव है। महाकुंभ 2025, कुंभ 2019 से भी अधिक भव्य हो, इसके लिए सभी को योगदान करना होगा। संतों की कृपा और प्रधानमंत्री जी के मार्गदर्शन में आज अयोध्या, वाराणसी और ब्रजधाम के नए स्वरूप का दर्शन पूरी दुनिया कर रही है। विशेष अवसर पर ब्रह्मलीन नरेंद्र गिरी जी महराज की स्मृति को नमन

करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज लेटे हुए हनुमान जी मंदिर के पास कॉरीडोर का निर्माण भी हो रहा है। उन्होंने सभी संतों से स्वच्छ महाकुंभ के अभियान से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि स्वच्छता के संकल्प के लिये यह सभी के लिए उचित होगा कि प्रतिबंधित प्लास्टिक का उपयोग न किया जाए।

संत समाज की ओर से गो–हत्या पर प्रतिबंध की मांग पर मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में गोहत्या अपराध है। गोहत्या के विरुद्ध उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान है। इसके साथ ही, राज्य सरकार 07 हजार से अधिक गोवंश आश्रय स्थल का संचालन कर रही है, जहां 14 लाख से अधिक गोवंश संरक्षित है। विभिन्न योजनाओं के माध्यम से सामान्य लोगों को भी गोसेवा से जोड़ा गया है। उन्होंने कहा कि गोवंश संरक्षण के इस सेवाकार्य को आगे बढ़ाने में संत समाज का सहयोग अपेक्षित है। यह सर्वथा उचित होगा कि सभी आश्रमों में गोवंश संरक्षण स्थल का विकास हो। हर आश्रम में गोसेवा हो।

महाकुंभ में सुरक्षा को शीर्ष प्राथमिकता देते हुए मुख्यमंत्री ने सभी संतों–संन्यासियों, आचार्यों से अनुरोध किया कि अपने आश्रम में तब तक किसी को प्रवास की अनुमति न दें जब तक कि उनका विधिवत सत्यापन न कर लिया जाए। इससे पहले वैदिक मंत्रोच्चार और सनातन धर्म की जयघोष के बीच मुख्यमंत्री ने एक–एक सभी पूज्य साधु–संतों, आचार्यों को अंगवस्त्र पहनाकर अभिनंदन किया। संतगणों के समक्ष महाकुंभ 2025 के प्रबन्धन एवं व्यवस्थाओं के संबंध में एक लघु फिल्म का प्रस्तुतीकरण भी किया गया।

संगम तट पर मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में आयोजित अखाड़ों एवं साधु–संतों के साथ संवाद के इस कार्यक्रम में सभी 13 अखाड़ों और विभिन्न संत परंपराओं के साधु–संतों, आचार्यों ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सनातन धर्मध्वज के रक्षक हैं, जिनके नेतृत्व में आज सनातन समाज गौरवान्वित हो रहा है। संतों ने कहा कि योगी जी पहले मुख्यमंत्री हैं, जो महाकुंभ के विषय में साधु–संतों, आचार्यों से इस तरह से सीधे संवाद कर रहे हैं और उनकी समस्याओं/सु–झाओं को सुनकर लिपिबद्ध कर रहे हैं। साधु–संतों, आचार्यों के लिए यह अवसर अतुलनीय है। संत गणों ने महाकुंभ–2025 की तैयारियों पर संतुष्टि जताई। साथ ही कहा कि मेला क्षेत्र में चल रही तैयारियों को देखकर यह साफ हो जाता है कि महाकुंभ–2025 प्रयागराज में पूर्व में आयोजित हुए सभी अर्धकुंभ/महाकुंभ से भव्य एवं दिव्य होगा। अखाड़ों और विभिन्न संत परंपराओं के प्रतिनिधियों ने एक स्वर में मुख्यमंत्री योगी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आज पूरी दुनिया में तनाव व्याप्त है। एक देश, दूसरे देश के साथ युद्ध को आतुर हैं। मुख्यमंत्री योगी के नेतृत्व में आयोजित होने वाला महाकुंभ–2025 पूरे विश्व को शांति का संदेश देने वाला होगा। पूरा संत समाज इसमें अपना योगदान करने को आतुर है। अखाड़ों के प्रतिनिधियों ने संत समाज की सुरक्षा के अच्छे प्रबंध की भी अपेक्षा जताई।

शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानन्द सरस्वती से मिले सीएम योगी

प्रयागराज, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रयागराज में पूज्य शंकराचार्य स्वामी वासुदेवानन्द सरस्वती महाराज से भेंट की और महाकुंभ आयोजन की तैयारियों से उन्हें अवगत कराया। लगभग 20 मिनट तक चली इस भेंट के दौरान मुख्यमंत्री ने शंकराचार्य से कहा कि राज्य सरकार, पूज्य संतगणों की अपेक्षाओं और आवश्यकताओं का ध्यान रखते हुए सभी आवश्यक प्रबंध कर रही है। महाकुंभ 2025, कुंभ 2019 से भी अधिक दिव्य और भव्य होगा। उन्होंने कहा कि व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाने में समय–समय पर पूज्य संतगणों का मार्गदर्शन भी अपेक्षित है।

देर रात घर में घुसे भेड़िये को लोगों ने पीट–पीटकर मार डाला

बहराइच, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। बहराइच जिले की महसी तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत तमाचपुर के मजरा इमाम खां पुरवा में शनिवार की देर रात भेड़िये ने दस्तक दी। भेड़िया ने मां के साथ सो रहे तीन साल के बच्चे पर हमले का प्रयास किया। लेकिन मच्छरदानी लगी होने से हमला विफल रहा और मां जाग गई।

मासूम की मां ने भेड़िया देख जोर–जोर से शोर मचाया। जिसके बाद भेड़िया पास बंधी बकरी को दबोच कर भागने लगे। एक ग्रामीण ने बताया कि शोर सुनकर भारी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए और पड़ोसी गांव के लोग भी जुट गए। जिसके बाद सभी ने भेड़िये को चारों तरफ से घेर लिया और दो गांवों की भीड़ ने उसे घेर कर मार डाला। भेड़िये के मौत की जानकारी होने पर डीएफओ समेत आला अधिकारी गांव पहुंचे और शव को कब्जे में लिया। डीएफओ अजीत प्रताप सिंह ने बताया की गांव का निरीक्षण किया गया है। भेड़िये के शरीर पर चोट के निशान हैं और मुंह से खून निकल रहा था। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई के लिए रेंज कार्यालय पहुंचाया गया है। प्रकरण में अज्ञात के खिलाफ मुकदमे की कार्रवाई की जाएगी।

महसी के 55 से अधिक गांवों बीते 7 महीने से भेड़ियों की दहशत है। भेड़ियों ने अब तक 10 को मौत के घाट और 50 से अधिक लोगों को घायल किया हैं। वहीं वन विभाग ने 5 भेडियों को सिसैया चूड़ामणि गांव से पकड़ा है। जिसमें एक की मौत रेस्क्यु के दौरान हो गई थी। वन विभाग 6 भेड़ियों की तलाश कर रहा था।

स्वच्छ, सुरक्षित और सुव्यवस्थित होगा महाकुंभ 2025: योगी

प्रयागराज, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को महाकुंभ–2025 की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की। सीएम ने महाकुंभ के प्रतीक चिह्न, वेबसाइट और मोबाइल ऐप का लोकार्पण भी किया। इस दौरान उन्होंने साधु–संतों के भी सुझावों को सुना और अफसरों को निर्देश दिया। सीएम ने महाकुंभ से जुड़ी तैयारियों के लिए डेडलाइन तय करते हुए निर्देश दिया कि 10 दिसंबर तक सारे काम पूरे कर लिए जाएं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों से कहा कि वर्ष 2019 में कुंभ का सफल आयोजन कर यूपी ने मानक स्थापित किया है, इसलिए इस बार लोगों की अपेक्षाएं हमसे और अधिक है। 2019 में मेला क्षेत्र 3200 हेक्टेयर में फैला था। इस बार 4000 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्रफल में इसका विस्तार होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ से जुड़ी तैयारियों के लिए डेडलाइन तय करते हुए निर्देश दिया कि 10 दिसंबर तक सारे काम पूरे कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ विश्व को सनातन भारतीय संस्कृति से साक्षात्कार कराने का सुअवसर है। यह स्वच्छता, सुरक्षा और सुविधा का मानक भी होगा। सीएम योगी ने निर्देश दिया कि महाकुंभ को देखते हुए 7000 से अधिक बसें लगाई जाएंगी। यहां डेढ़ लाख से अधिक शौचालय स्थापित किए जाएंगे। स्वच्छता पर जोर देते हुए सीएम ने निर्देश दिया कि 10 हजार कर्मचारियों की तैनाती कर यहां की सफाई व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखा जाए।

सीएम योगी ने कहा कि महाकुंभ में गंगा–यमुना अविरल और निर्मल होंगी। बिजनौर से बलिया तक जीरो डिस्चार्ज होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि स्टील ब्रिज दिसंबर के पहले सप्ताह तक तैयार कर लें। यह कानपुर, लखनऊ, बाराबंकी और अयोध्या से प्रयागराज तक के आगमन को सुलभ बनाएगा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि एयरपोर्ट से मेला क्षेत्र तक वीवीआईपी कॉरिडोर बनाएं, लेकिन विशेष स्नान पर्वों पर कोई वीआईपी मूवमेंट न हो। सुरक्षा के दृष्टिगत मेला क्षेत्र में तीन पुलिस लाइन, तीन महिला थाना और 10 पुलिस चौकी स्थापित करें। सीएम ने पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर श्रद्धालु की आस्था का सम्मान करते हुए हर किसी से अच्छा व्यवहार रखें। कल्पवासी हों या स्नानार्थी, श्रद्धालु हों या पर्यटक, सबकी सुरक्षा–सुविधा का ध्यान रखा जाए। पुलिस का व्यवहार भी सहयोगात्मक रहना चाहिए। सुरक्षा के दृष्टिगत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का क्राउड मैनेजमेंट, फायर सर्विस, हेल्प डेस्क, पार्किंग, सीसीटीवी पर जोर रहा। उन्होंने कहा कि यहां एंटी ड्रोन सिस्टम भी लगेगा। सिक्योरिटी मॉडल एआई टूल से तैयार किए जाएं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्थानीय अधिकारियों व कुंभ मेला प्रशासन से कहा कि अखाड़ों, आचार्यों, संतों से भी मार्गदर्शन लेते रहें। उनकी अपेक्षाओं का पूरा ध्यान भी रखें। सीएम योगी ने प्रयागराज में होम स्टे की संभावना को प्रोत्साहित करने पर जोर देते हुए कहा कि इस योजना से स्थानीय लोगों को रोजगार से जोड़ा जाए। इससे उनकी अतिरिक्त आय भी होगी। सीएम योगी ने निर्देश दिया कि सुरक्षा के लिए नए जीआरपी थानों की आवश्यकता है। चौकसी बढ़ाने के लिए रेलवे–यूपी पुलिस के बीच बेहतर समन्वय स्थापित हो। सुरक्षा की दृष्टि से किराएदारों, रेस्टोरेंट कर्मियों और ई–रिक्शा चालकों के वेरिफिकेशन भी करा लिए जाएं। बैठक में प्रदेश सरकार के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, एके शर्मा, नंद गोपाल गुप्ता नंदी, राकेश सचान, जयवीर सिंह, विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह, हर्षवर्धन वाजपेयी, विधान परिषद सदस्य केपी श्रीवास्तव, मुख्य सचिव मनोज सिंह समेत स्थानीय जनप्रतिनिधि, आलाधिकारी, कुंभ मेला प्रशासन व साधु–संत आदि मौजूद रहे।

महाकुंभ में दुनिया देखेगी स्मार्ट प्रयागराज का भव्य स्वरूप

प्रयागराज, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि महाकुंभ 2025 में दुनिया भर से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को स्मार्ट प्रयागराज के भव्य स्वरूप का साक्षात्कार होगा। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया से सनातन समाज महाकुंभ में आने तो उत्सुक है, तो पर्यटकों में भी इसे लेकर बड़ा आकर्षण है। ऐसे में हर आगंतुक को प्रयागराज में अच्छी सुविधा उपलब्ध कराना हमारी जिम्मेदारी है।

रविवार को एक दिवसीय दौरे पर प्रयागराज पहुंचे मुख्यमंत्री ने महाकुंभ के दृष्टिगत प्रयागराज में जारी सभी निर्माण कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और जारी परियोजनाओं को तय मानकों के अनुरूप पूरी गुणवत्ता के साथ, निर्धारित समय–सीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि महाकुंभ में दुनिया भर से आने वाले श्रद्धालुओं, पर्यटकों को उत्कृष्ट सुरक्षा और विश्वस्तरीय सुविधा उपलब्ध हो, इसके लिए प्रयागराज में अनेक निर्माण कार्य चल रहे हैं। निर्माण कार्यों के बीच प्रयागराज के स्थानीय निवासियों की सुविधाओं का भी पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रयागराज वासियों ने जिस तरह कुंभ 2019 में दुनियाभर से आये 25 करोड़ श्रद्धालुओं, पर्यटकों के लिए आतिथ्य का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया था, उसी प्रकार, इस बार भी व्यवस्था बनाने में हर नगरवासी का सहयोग प्राप्त होगा।

इससे पहले, परेड स्थित हेलीपैड पर उतरने के बाद मुख्यमंत्री सबसे पहले मोटरबोट से संगम नोज पहुंचे, जहां उन्होंने गंगा, यमुना, सरस्वती के पावन संगम स्थली का दर्शन–पूजन किया। जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री ने संगम के विशाल स्नान क्षेत्र का अवलोकन भी किया। पवित्र अक्षयवट, पातालपुरी एवं सरस्वती कूप का दर्शन करने के उपरांत मुख्यमंत्री ने कहा कि महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं को इस बार भी अक्षयवट, पातालपुरी और सरस्वती कूप के दर्शन का पुण्य लाभ सुगमता से प्राप्त हों, इसके लिए यहां अच्छे प्रबंध होने चाहिए। मुख्यमंत्री ने किले के भीतर जारी विकास कार्यों को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने लेटे हुए हनुमान जी का भी दर्शन किया और कुंभ के सफल आयोजन के लिए प्रार्थना की।

दोपहर बाद भारद्वाज आश्रम पहुंचे मुख्यमंत्री ने यहां जारी विकास कार्यों का निरीक्षण किया, वहीं आईईआरटी सेतु का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री ने महाकुंभ के दृष्टिगत सेतु निर्माण कार्य को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए। परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण करने के इस मैराथन भ्रमण के दौरान मुख्यमंत्री ने आदि वेणीमाधव मंदिर का भी दर्शन–पूजन किया, साथ ही, लेप्रोसी रोड चौराहा से नैनी रेलवे स्टेशन रोड तक तथा छिवकी रेलवे स्टेशन रोड का निरीक्षण भी किया।

तय समयसीमा के भीतर पूरी हो जाएंगी महाकुंभ की तैयारियां: योगी

महाकुंभ–2025 की तैयारियों को लेकर सीएम ने किया मीडिया से संवाद

लखनऊ, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाकुंभ–2025 की तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। 5600 करोड़ से अधिक के प्रोजेक्ट से प्रयागराज को भव्य और सुंदर बनाया जा रहा है। कुंभ–19 में पूरी दुनिया प्रयागराज की ओर आकर्षित हुई थी। इस दौरान करीब 25 करोड़ श्रद्धालुओं ने संगम में स्नान किया था। वे सभी इतने बड़े आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आयोजन में सहभागी बने थे। वहीं लगभग 100 देशों के राजनयिक भी कुंभ–19 के भागीदार बने थे। इन लोगों ने भारत के आध्यात्मिक और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं का अवलोकन भी किया था। इसी क्रम में दिव्य, भव्य और नव्य महाकुंभ–2025 के लिए विभिन्न विभागों द्वारा युद्धस्तर पर काम किया जा रहा है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को प्रयागराज में कहीं। उन्होंने महाकुंभ–2025 की तैयारियों का जायजा लेने के बाद पत्रकारों से संवाद किया। सीएम ने बताया कि अधिकारियों को तय समय सीमा में तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश सरकार के साथ केंद्र सरकार के विभाग भी आपसी समन्वय से अपने–अपने कार्यों को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब महाकुंभ का आयोजन होता है तो उस समय संगम

में जल का स्तर 8 से 10 हजार क्यूसेक वाटर होता है। वहीं वर्तमान में सवा दो लाख से 2.5 लाख क्यूसेक वाटर के बीच जलस्तर है। इसे रिसेट होने में 10–12 दिन लग सकते हैं, लेकिन इससे महाकुंभ–25 की तैयारियों में कोई बाधा नहीं आएगी। सीएम योगी ने बताया कि अधिकारियों को तय समय सीमा में सभी निर्माण कार्य पूरे करने के निर्देश दिये गए हैं। सीएम योगी ने कहा कि इस बार महाकुंभ का दायरा पिछले महाकुंभ की तुलना में दो गुने से अधिक क्षेत्रफल में फैला रहेगा। हमारा प्रयास रहेगा कि मुख्य पर्व, जो 13 जनवरी से 26 फरवरी को महाशिवरात्रि तक चलेंगे। पौष पूर्णिमा, मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या, बसंत पंचमी, माघ पूर्णिमा, शिवरात्रि को छोड़कर शेष अन्य दिनों में किसी भी श्रद्धालुओं को एक किलोमीटर से अधिक पैदल न चलना पड़े। इसके लिए परिवहन निगम की सात हजार से अधिक बसों का संचालन किया जाएगा। इसके अलावा इलेक्ट्रिक बसों की भी व्यवस्था की जाएगी। महाकुंभ–2025 के दौरान प्रयागराज की अलग छटा देखने को मिलेगी।

सुरक्षा के भी खास इंतजाम किये जा रहे हैं। इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का भरपूर इस्तेमाल किया जाएगा। हम जीरो प्लास्टिक के लक्ष्य को लेकर भी चल रहे हैं। इसके अलावा संगम के सभी ड्रेनेज और सीवर को टेप किया जा चुका है।

इन्हें डायवर्ट कर बायोडिग्रेडेशन के माध्यम से शुद्धिकरण करके ही डिस्चार्ज किया जाएगा। सीएम ने कहा कि कुंभ–19 की सफलता में मीडिया की अहम भूमिका थी। इस बार भी उनके सकारात्मक योगदान से महाकुंभ–2025 वैश्विक पटल पर अपनी छाप छोड़ेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुंभ–2025 को लोगो जारी किया गया है, जिसमें आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत का समावेश है। उन्होंने कहा कि उनकी साधु–संतों के साथ बैठक हुई। सभी ने बहुत ही सकारात्मक भाव के साथ महाकुंभ के साथ जुड़ने की बात कही है। उन्होंने कहा कि महाकुंभ के मुख्य आयोजक साधु संत ही होते हैं, शासन–प्रशासन नैतिक व्यवस्था के साथ जुड़े होते हैं। ऐसे में वह इससे जुड़कर इसको भव्य और दिव्य बनाएंगे। बैठक में 13 अखाड़ों के आचार्य, तीर्थ पुरोहित आदि मौजूद रहे।

संपादकीय

नसरल्लाह की मौत पर प्रदर्शनों का औचित्य

लेबनान के राजनीतिक एवं उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह के प्रमुख नसरल्लाह की मौत के बाद दुनिभाभर में शिया समुदाय के मुस्लिम प्रदर्शन कर रहे हैं। हैरानी की बात है कि भारत में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने अपने घरों पर काले झंडे लगाए। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पोस्टर जलाए और नारेबाजी की। मजलिस पढ़कर नसरल्लाह की मौत पर मातम मनाया। शिया समुदाय ने 3 दिन शोक मनाने का ऐलान किया है। नारे लगाए जा रहे हैं- "हसन नसरल्लाह जिंदाबाद" और "आग लगा दो- अमेरिका को आग लगा दो'। नसरल्लाह की मौत पर प्रदर्शन कर रही जम्मू-कश्मीर की छात्रा कहती है- "आपने एक हिजबुल्लाह को मारा है अब हर घर से हिजबुल्लाह निकलेगा"। जबकि पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने तो एक दिन के लिए अपना चुनाव प्रचार अभियान ही रद्द कर दिया। माना कि शिया मुसलमानों में उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह के प्रति गहरा जुड़ाव है। लेकिन इसका यह अभिप्राय नहीं होना चाहिए कि भारत का शिया समुदाय सड़कों पर उतरकर नसरउल्लाह की मौत का मातम मनाए और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पोस्टर जलाए। हिजबुल्लाह और इजराइल के बीच लड़ाई में भारत की स्थिति गुट निरपेक्ष देश की है। लेकिन किसी को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि इजराइल भारत का मित्र देश है। भारत की सड़कों पर इजराइल के विरुद्ध प्रदर्शन उचित नहीं ठहराए जा सकते। प्रदर्शनकारियों को यह भी याद रखना होगा कि नरसल्लाह और इजरायल के बीच दुश्मनी ठीक उसी तरह की थी, जिस तरह अमेरिका की अल कायदा प्रमुख ओसामा बिन लादेन के साथ थी। इसलिए नरसल्लाह की मौत इजरायल के लिए सबसे बड़ी जीतों में एक है। अनेक अवसरों पर इजराइल के नागरिकों एवं सैनिकों की मौत में हिजबुल्लाह की भूमिका रही है। भारत की सड़कों पर हो रहे इन प्रदर्शनों से कुछ सवाल एक बार फिर उभरकर सामने आते हैं कि भारत के मुसलमान उग्रवादियों के साथ खड़े होकर आखिर क्या संदेश देना चाहते हैं? क्या अभी भी भारत के मुसलमानों के लिए देश से बढ़कर 'ब्रदरहुड' है? याद हो, जब देश में अंग्रेजों के विरुद्ध एकजुट होकर लड़ने का समय था तब भारत का मुसलमान तुर्की में खिलाफत के लिए यहाँ की सड़कों पर प्रदर्शन कर रहा था। बाद में, जब खिलाफत आंदोलन असफल हुआ तो कट्टरपंथी मुसलमानों के गुस्से का शिकार हिन्दुओं को होना पड़ा था। दुनिया में कहीं भी इस्लाम के नाम पर कुछ होता है, भारत की सड़कों पर प्रदर्शन शुरू हो जाता है, भले ही भारत का उससे कोई लेना-देना न हो। सोचने की बात यह है कि इस प्रकार के प्रदर्शन तब नहीं होते जब कट्टरपंथी मुस्लिम बामियान में भगवान बुद्ध की प्रतिमाओं को तोड़ते हैं। सड़कों पर कैंडल मार्च तब भी नहीं निकाले जाते, जब अफगानिस्तान से सिख समुदाय के बंधुओं को सिर पर श्रीगुरुग्रंथ साहिब को रखकर भागने के लिए मजबूर होना पड़ता है। यह प्रदर्शन तब भी नहीं होते जब बांग्लादेश में कट्टरपंथी मुस्लिम हिन्दुओं के घर और मंदिरों को आग के हवाले करते हैं। आखिर ऐसा क्या है जो कट्टरपंथियों की मौत पर मुसलमानों को एकजुट कर देता है लेकिन यही वर्ग कट्टरपंथियों के नृशंस अपराधों पर चुप रहता है? हिजबुल्लाह प्रमुख नसरल्लाह की मौत पर अचानक से भारत की सड़कों पर हो रहे प्रदर्शनों के औचित्य को समझना ही होगा।

हैरानी की बात है कि भारत में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने अपने घरों पर काले झंडे लगाए। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पोस्टर जलाए और नारेबाजी की। मजलिस पढ़कर नसरल्लाह की मौत पर मातम मनाया। शिया समुदाय ने 3 दिन शोक मनाने का ऐलान किया है। नारे लगाए जा रहे हैं- "हसन नसरल्लाह जिंदाबाद" और "आग लगा दो- अमेरिका को आग लगा दो'। नसरल्लाह की मौत पर प्रदर्शन कर रही जम्मू-कश्मीर की छात्रा कहती है- "आपने एक हिजबुल्लाह को मारा है अब हर घर से हिजबुल्लाह निकलेगा"। जबकि पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने तो एक दिन के लिए अपना चुनाव प्रचार अभियान ही रद्द कर दिया। माना कि शिया मुसलमानों में उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह के प्रति गहरा जुड़ाव है। लेकिन इसका यह अभिप्राय नहीं होना चाहिए कि भारत का शिया समुदाय सड़कों पर उतरकर नसरउल्लाह की मौत का मातम मनाए और इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पोस्टर जलाए। हिजबुल्लाह और इजराइल के बीच लड़ाई में भारत की स्थिति गुट निरपेक्ष देश की है। लेकिन किसी को यह भी नहीं भूलना चाहिए कि इजराइल भारत का मित्र देश है। भारत की सड़कों पर इजराइल के विरुद्ध प्रदर्शन उचित नहीं ठहराए जा सकते।

यूपी में यूपीआईटीएस का भव्य आयोजन होना मामूली बात नहीं है

यूपीआईटीएस जैसे आयोजनों से यूपी की बन रही नई पहचान

उमेश चतुर्वेदी

राज्य के तेजी से विकसित हो रहे ग्रेटर नोएडा शहर में 25 से 29 सितंबर तक चले उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में देशभर की बड़ी कंपनियों का जुटान यह बताने के लिए काफी है कि राज्य में निवेश और कारोबार को लेकर भरोसा बढ़ रहा है। चार दिनों तक चले यूपीआईटीएस का आयोजन 15 हॉल में किया गया था। वैसे तो अपने आप में सभी हॉल यूपी में आ रहे बदलाव और उसमें कारोबार और निवेश की दुनिया के दिग्गजों की दिलचस्पी की कहानी कह रहे थे। लेकिन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा है, यूपी इन्वेस्ट का हॉल, जिसमें देश के तकरीबन सभी अहम क्षेत्रों की कंपनियों ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई।

पिछली सदी के अस्सी के दशक में जिस उत्तर प्रदेश को बीमारू कहकर उपहास उड़ाया जाता था, उसी यूपी में यूपीआईटीएस का भव्य आयोजन होना मामूली बात नहीं है। राज्य के तेजी से विकसित हो रहे ग्रेटर नोएडा शहर में 25 से 29 सितंबर तक चले उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो में देशभर की बड़ी कंपनियों का जुटान यह बताने के लिए काफी है कि राज्य में निवेश और कारोबार को लेकर भरोसा बढ़ रहा है। चार दिनों तक चले यूपीआईटीएस का आयोजन 15 हॉल में किया गया था। वैसे तो अपने आप में सभी हॉल यूपी में आ रहे बदलाव और उसमें कारोबार और निवेश की दुनिया के दिग्गजों की दिलचस्पी की कहानी कह रहे थे। लेकिन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा है, यूपी इन्वेस्ट का हॉल, जिसमें देश के तकरीबन सभी अहम क्षेत्रों की कंपनियों ने अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। जिनमें देश की अग्रणी अडानी, अंबानी, रिलायंस, लुलु हाइपर मार्केट, वाइब्स जैसी कंपनियां शामिल रहीं।

इस आयोजन में एक पूरा और एक्सक्लूसिव हॉल इलेक्ट्रॉनिक्स का रहा, जिनमें देश के 100 से अधिक स्टार्टअप्स और इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियों ने अपने उत्पाद प्रदर्शित किए और लोगों को अपनी तरक्की से प्रभावित किया। साल 2018 में राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ ने स्थानीय उत्पादों को बाजार और पहचान मुहैया कराने के लिए एक जिला, एक उत्पाद नाम से योजना शुरू की थी। जिसे संक्षेप में ओडीओपी के नाम से जाना जाता है। यूपीआईटीएस के इस आयोजन में ओडीओपी के लिए भी अलग से हॉल तैयार था, जिसमें राज्य के सभी 75 जिलों के 325 उत्पादक अपने स्थानीय विशेष उत्पादों के साथ मौजूद रहे। गौर करने की बात यह है कि इनमें काफी संख्या महिलाओं की रही। इस योजना के जरिए अपने उत्पादों को बाजार तक पहुंचा रहे कुछ दिव्यांग कारोबारी भी इसमें शामिल थे। इस आयोजन में

पशुधन विकास, दुग्ध उद्योग, मत्स्य पालन, कृषि उत्पाद और खाद्य संरक्षण की भी कंपनियां शामिल रहीं और अपने उत्पादों को दुनिया के सामने प्रस्तुत किया। इस आयोजन में सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र फूड प्रोसेसिंग वाला हॉल रहा, जहां उत्तर प्रदेश के स्थानीय खाद्य उत्पादों और व्यंजनों को बतौर नमूने प्रस्तुत किया गया। लोगों ने उनके स्वाद का भरपूर लुत्फ उठाया और उनकी खरीददारी भी की।

इस आयोजन का 14 और 15 नंबर का हॉल निर्यातकों के लिए विशेष तौर पर आरक्षित था। जिसमें उत्तर प्रदेश के करीब सभी निर्यात होने वाले उत्पाद प्रदर्शित किए गए। ये हॉल विदेशी ग्राहकों को सबसे ज्यादा लुभाते दिखे। यहां जमकर खरीददारी भी हुई और ऑर्डर भी मिले। यहां यह भी बताना जरूरी है कि इसे देखने के लिए दुनियाभर से करीब 400 लोगों को आमंत्रित किया गया था। हालांकि कुछ विदेशी ग्राहक ऐसे भी थे, जो खुद यहां पहुंचे। विदेशी ग्राहकों और कंपनियों को यहां राज्य के उत्पादकों और निर्यातको को कारोबारी बैठक के लिए सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। जिसका राज्य को फायदा भी हुआ और करोड़ों रुपए के ऑर्डर भी मिले। ऊर्जा, नवीकरण ऊर्जा, और रक्षा उत्पाद को भी इस हॉल में प्रदर्शित किया गया था।

इस आयोजन में शिक्षा से जुड़ी तमाम संस्थाएं जिनमें कुछ बड़े विश्वविद्यालय भी शामिल थे, ने युवाओं को अपनी सुविधाओं और योजनाओं की जानकारी दी। पांच दिनों तक चले इस आयोजन में पांच सत्रों का आयोजन किया गया, जो ई कॉमर्स ट्रेंड्स और अवसर, नवाचार और स्टार्टअप्स, देश की निर्यात क्षमता, आदि पर आधारित थे। इस आयोजन में रोजाना शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक सांस्कृतिक कार्यक्रमों को भी प्रस्तुत किया गया। पांच दिनों के इस आयोजन में यहां आए लोगों को जौनपुर और लखनऊ के टुंडे कबाब, बलिया का लिट्टी-चोखा, कानपुर की चाट, खुर्जा की खुरचन, आगरा का पंछी पेठा, मथुरा का पेड़ा और बनारस का पान आदि राज्य के खांटी देसज व्यंजनों का स्वाद भी चखने को मिला।

इस आयोजन की उपलब्धि ही कही जाएगी कि आयोजन के चौथे दिन उद्यमियों को अमेरिका, फ्रांस और जापानी कंपनियों से 100 करोड़ रुपए से अधिक के ऑर्डर प्राप्त हुए। इस दौरान बिरला एयरकॉन और सोनी के बीच जहां 50 करोड़ का करार हुआ, वहीं मदरसन कंपनी को 25 करोड़ के ऑर्डर मिले। इसी तरह आइसक्रीम की मशहूर कंपनी वडीलाल और जैन शिकंजी को 10-10 करोड़ रुपए के ऑर्डर मिले। पूरे आयोजन में करीब 5 लाख से ज्यादा लोगों ने हिस्सा लिया।

यूपीआईटीएस 2024 का सहयोगी आयोजक वियतनाम रहा। जिसके राजदूत की अगुआई में एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान वियतनाम ने राज्य में खाद्य प्रसंस्करण एवं आईटी के क्षेत्र में निवेश को लेकर उत्सुकता जाहिर की। इस मौके पर पिछले साल यानी 2023 के आयोजन की याद आना स्वाभाविक है। तब आयोजन के पहले दिन यानी 21 सितंबर को अपेक्षाकृत कम भीड़ देखने को मिली थी, हालांकि बाद के हर दिन को लोगों के आने का सिलसिला बढ़ता ही गया। दूसरे दिन 48 हजार लोग मेले में पहुंचे थे। वहीं तीसरे दिन मेले में आने वालों की संख्या बढ़कर 70 हजार पहुंच गई। चौथे दिन 88 हजार से अधिक जबकि पांचवें और अंतिम दिन संख्या 90 हजार के पार पहुंच गई।

बहरहाल यूपीआईटीएस के बीते आयोजन में राज्य के हस्तशिल्प उद्योग को नई उड़ान मिली है। इस दौरान राज्य के हस्तशिल्प उत्पादों की जबरदस्त खरीदारी हुई। इस आयोजन के दौरान 75 हजार कारोबारी निर्यात के ऑर्डर भी मिले। इससे ऐसा लगता है कि राज्य के लघु उद्योगों को नई पहचान मिल रही है। इस बार का आयोजन पिछली बार की तुलना में एक कदम आगे रहा है। कभी उत्तर प्रदेश को भदेस और उसके उत्पादों को उपहास की नजर से देखा जाता था। लेकिन यूपीआईटीएस जैसे आयोजनों के चलते उत्तर प्रदेश की पहचान भदेस से निकल रही है और राज्य नए सिरे से ना सिर्फ अपनी पहचान हासिल करता दिख रहा है, बल्कि राज्य के हस्तशिल्प और दूसरे उत्पादों को वैश्विक बाजार मिलता दिख रहा है।

दृष्टि कोण

अब राशन की चिंता से मुक्त हो रहे हैं प्रवासी मजदूर

देश में रोज़गार प्रमुख समस्या बनी हुई है। इसका सबसे अधिक प्रभाव ग्रामीण क्षेत्रों में नज़र आता है। गांव में रहने वाली एक बड़ी आबादी रोज़गार की तलाश में अन्य राज्यों में प्रवास करती है। ऐसे में इनके सामने अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी के साथ साथ सबसे बड़ी चुनौती जन वितरण प्रणाली द्वारा मिलने वाला राशन होता है। जिसके लाभ से ये मज़दूर अक्सर वंचित हो जाते हैं। चूंकि राशन कार्ड गांव में बना होता था, ऐसे में प्रवास के कारण वह अन्य स्थान पर इससे मिलने वाला सस्ता राशन का लाभ उठा नहीं पाते थे। लेकिन केंद्र सरकार की 'वन नेशन, वन राशन कार्ड' योजना ने इन प्रवासी मज़दूरों की समस्या को दूर कर दिया है। अब यह मज़दूर अपने प्रवास स्थान पर भी अपने राशन कार्ड के माध्यम से सस्ता अनाज खरीद कर परिवार का भरण पोषण करने में सक्षम हो रहे हैं। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए देश भर में एक केंद्रीय डेटाबेस विकसित किया गया है, जिसमें हर पात्र व्यक्ति का डाटा संग्रहित होता है। यह योजना 'डिजिटल इंडिया' की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि इससे राशन वितरण में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ी है। इसके माध्यम से श्रमिक अब जहां भी प्रवास करते हैं, वहीं अपने हिस्से के राशन का लाभ उठा रहे हैं। राजस्थान के भीलवाड़ा जिले के एक ईंट भट्टे पर काम करने वाले लोकेश रविदास बताते हैं कि "मैं उत्तर प्रदेश के चित्रकूट का रहने वाला हूं और पिछले 20 वर्षों से परिवार के साथ काम की तलाश में राजस्थान सहित अन्य राज्यों में करता रहता हूं। जहां स्थानीय दुकानदार से राशन खरीद कर लाना पड़ता था। जो अक्सर महंगा होता था। लेकिन अब काम की जगह पर ही मेरे परिवार को पीडीएस के माध्यम से सस्ता राशन मिल जाता है। लोकेश बताते हैं कि मैं पिछले 2 साल से भीलवाड़ा के ईंट भट्टे पर काम कर रहा हूं, वहां मुझे अपना राशन स्थानीय राशन की दुकान से उपलब्ध हो जाता है।" वह बताते हैं कि पहले लंबे प्रवास के कारण गांव के राशन लिस्ट से हमारा नाम भी काट दिया जाता था। जिसे दोबारा शुरू कराने के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने पड़ते थे। लेकिन अब इस योजना के कारण हमें हमारे काम की जगह और गांव में भी राशन की सुविधा मिल जाती है। इसी ईंट भट्टे पर काम करने वाले बिहार के बांका जिले के प्रमोद मांझी बताते हैं कि पीडीएस से राशन प्राप्त करने के लिए अब हमें बार बार गांव जाने की ज़रूरत नहीं पड़ती है। हम मजदूर यहीं काम करते हैं और पास के गांव से सस्ता राशन भी प्राप्त करते हैं, जिससे मेरे परिवार पर पड़ने वाला आर्थिक बोझ भी कम हो गया है। वह बताते हैं कि पहले जब साल दो साल पर हम अपने गांव वापस जाते थे तो सरकारी राशन दुकान का मालिक कहता था कि दो साल से राशन नहीं लेने की वजह से तुम्हारा नाम काट दिया गया है। लिस्ट में दोबारा नाम जुड़वाने के लिए ऑफिस के चक्कर लगाने होंगे। इससे हमें आर्थिक और मानसिक दोनों रूप से परेशानी होती थी। लेकिन अब केवल कार्यस्थल के पास ही नहीं, बल्कि वापस गांव जाने पर भी सरकारी राशन से अनाज मिल जाता है। प्रमोद कहते हैं कि इस योजना ने रोज़गार के लिए अन्य राज्यों में प्रवास करने वाले हम जैसे मज़दूरों के जीवन को आसान बना दिया है। हम पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ को भी कम कर दिया है। वन नेशन, वन राशन योजना ने देश के कमजोर वर्गों को एक मज़बूत खाद्य सुरक्षा प्रदान की है, क्योंकि अब कोई भी व्यक्ति देश के भीतर किसी भी समय और कहीं भी अपनी आवश्यकता के अनुसार राशन प्राप्त कर सकता है। इस योजना से पहले खाद्य सुरक्षा वाले लाभार्थी केवल अपने पैतृक गांव में दर्ज राशन कार्ड से ही सस्ता अनाज खरीद सकते थे। वहीं उनके प्रवास के बाद लंबे समय तक राशन नहीं लेने के कारण गांव में दर्ज राशन लिस्ट से उनका नाम भी काट दिया जाता था।

कुछ अलग

बिहार में तीसरी धुरी बनने की कवायद

बिहार की राजनीति में एक और पार्टी का उदय हुआ है। चुनावी रणनीति और चक्रव्यूह रचने वाले प्रशांत किशोर अब स्वयं अपनी पार्टी बनाकर मैदान में उतरे हैं। सुराज नाम की यह पार्टी एकाएक राजनीति के समर में नहीं उतरी है। प्रशांत किशोर ने इसके लिए लंबी तैयारी की है। पदयात्रा करके बिहार के ओर-छोर को नापा है। बिहार की सियासत के तमाम समीकरणों को अपने तराजू पर तोला है। बहरहाल, इतना तय है कि यह पार्टी अपने कुछ अलग तेवरों के साथ होगी और इसने बिहार की राजनीति में प्रभाव रखने वाली तमाम पार्टियों को इसके बारे में सोचने को विवश किया है। अभी यह भी साफ नहीं है कि यह पार्टी किसके जनाधार पर सेंध लगा सकती है। कांग्रेस आरजेडी को अपने मुस्लिम मतदाताओं को एकजुट रखने की चिंता है। बीजेपी पिछड़े और सवर्ण मतदाताओं को बिखरने नहीं देना चाहती। सत्ता में बीजेपी के साथ सहभागिता करने वाली जेडीयू को पिछड़ों, अति पिछड़ों पर अपने प्रभाव को कायम रखने की जद्दोजहद है। भारत के सियासी दलों के लिए चुनावी रणनीति तैयार करने वाले प्रशांत किशोर जब अपनी पार्टी लेकर आए हैं, तब कई तरह की कसौटियां उनके सामने भी हैं। चुनावी रणनीति बनाना और चुनाव के समर में उतरना दो अलग-अलग पहलू हैं। चुनाव के पैंतरों को समझकर राजनीति में सब कुछ हासिल होता तो देश की सियासत को बखूबी समझने वाले राजनीतिक समीक्षक सियासत की पारियां भी खेल रहे होते। लेकिन सियासत का जमीनी संघर्ष बहुत अलग होता है। इसलिए कई सामाजिक आंदोलन करने वाले भी सियासत से जूझते रहने और सफल आंदोलनों के बाद भी खुद सियासत का हिस्सा नहीं बन पाते। साथ ही यह भी समझना होगा कि प्रशांत किशोर ने राजनीति की शुरुआत के लिए उस बिहार को चुना है जहां सियासत हमेशा उलझी हुई रही है। जातीय और क्षेत्र के उलझे समीकरण रहे हैं। ऐसा नहीं है कि केंद्र या राज्य में स्थापित हुई सियासी पार्टियों को कोई नई पार्टी चुनौती नहीं दे सकती। तेलुगू स्वाभिमान के नारे पर 1982 में एनटी रामाराव ने तेलुगूदेशम की स्थापना की थी। इसने आंध्र प्रदेश में कांग्रेस के वर्चस्व को समाप्त किया था। एनटी रामाराव की राजनीतिक पृष्ठभूमि नहीं थी। लेकिन कुछ ही समय में उनकी स्थापित की हुई पार्टी ने सत्ता हासिल की। आज भी आंध्र प्रदेश में तेलुगूदेशम का परचम लहरा रहा है। वर्ष 2012 में अरविंद केजरीवाल ने जिस आम आदमी पार्टी को स्थापित किया वह एक साल में ही सत्ता में आ गई थी। इस समय भी दिल्ली व पंजाब में आप की सरकार है। लेकिन इन पार्टियों की अगर बिहार में सुराज पार्टी से तुलना करें तो कुछ परिस्थितियों में अंतर दिखता है। निस्संदेह दिल्ली में आप की सफलता में अन्ना हजारे के आंदोलन का प्रताप था। भ्रष्टाचार के खिलाफ अन्ना के आंदोलन का ज्वार ऐसे उठा कि केजरीवाल और उनके साथियों को सियासत का एक प्लेटफार्म मिल गया। ऐसे में अगर बिहार की ओर देखें तो प्रशांत किशोर के सामने पार्टी को सामने रखकर जनता को झकझोरने वाला नया मुद्दा या नारा नहीं दिखता। प्रशांत किशोर सियासी बिसात बिछाने के समीकरणों को तैयार करने के मास्टर हो सकते हैं लेकिन बिहार में बड़ी उथल-पुथल के लिए उन्हें जनता को झकझोरने के लिए किसी बड़े नारे की जरूरत होगी। बिहार की सियासी पार्टियां और राजनीतिक सूरमा इस बात का आकलन कर रहे हैं कि सुराज उन्हें कहां नुकसान पहुंचा सकती है और कहां सुराज की मौजूदगी उनके हित में हो सकती है।

देश दुनिया से

जीवन की सुरक्षा और स्वतंत्रता का अतिक्रमण

अभूतपूर्व तकनीकी प्रगति का युग शुरू किया है, जिससे हमारे रहने, काम करने और बातचीत करने के तरीके बदल गए हैं। जबकि ये नवाचार कई लाभ लाए हैं, इन्होंने गोपनीयता, नागरिक स्वतंत्रता और व्यक्तिगत स्वतंत्रताओं के क्षरण के बारे में भी गंभीर चिंताएं उठाई हैं। लेकिन निगरानी का बढ़ता सिलसिला हमारी आधुनिक दुनिया का एक अभिन्न अंग बन गया है। निगरानी, जो कभी केवल कानून प्रवर्तन और राष्ट्रीय सुरक्षा तक सीमित थी, ने अब ऑनलाइन व्यवहार की ट्रैकिंग करने से लेकर भौतिक आंदोलनों की निगरानी तक कई प्रकार की गतिविधियों को शामिल करने के लिए विस्तार किया है।

डिजिटल युग के आगमन ने अभूतपूर्व तकनीकी प्रगति का युग शुरू किया है, जिससे हमारे रहने, काम करने और बातचीत करने के तरीके बदल गए हैं। जबकि ये नवाचार कई लाभ लाए हैं, इन्होंने गोपनीयता, नागरिक स्वतंत्रता और व्यक्तिगत स्वतंत्रताओं के क्षरण के बारे में भी गंभीर चिंताएं उठाई हैं। लेकिन निगरानी का बढ़ता सिलसिला हमारी आधुनिक दुनिया का एक अभिन्न अंग बन गया है। निगरानी, जो कभी केवल कानून प्रवर्तन और राष्ट्रीय सुरक्षा तक सीमित थी, ने अब ऑनलाइन व्यवहार की ट्रैकिंग करने से लेकर भौतिक आंदोलनों की निगरानी तक कई प्रकार की गतिविधियों को शामिल करने के लिए विस्तार किया है। सरकारें, कार्पोरेट और यहां तक कि व्यक्ति अब हमारे जीवन के बारे में बड़ी मात्रा में डेटा एकत्र कर सकता है, जिससे हमारे गोपनीयता के अधिकार की सीमा और दुर्व्यवहार की संभावना के बारे में प्रश्न उठते हैं। निगरानी कैमरे अब सार्वजनिक स्थानों, सड़कों और स्टोरों से लेकर सरकारी भवनों तक में आम हो गए हैं। निःसंदेह, ये कैमरे अपराध को रोक सकते हैं और जांच में सहायता कर सकते हैं, लेकिन सार्वजनिक रूप से व्यक्तियों की निगरानी किस हद तक की जानी चाहिए, इसके बारे में भी प्रश्न उठाते हैं। चेहरे की पहचान प्रौद्योगिकी हाल के वर्षों में तेजी से विकसित हुई है, जिससे अधिकारियों को वास्तविक समय में व्यक्तियों की पहचान करने में सक्षम बनाया गया है। जबकि यह तकनीक कानून प्रवर्तन उद्देश्यों के लिए उपयोगी हो सकती है, इसने इसके दुरुपयोग की आशंका को भी बढ़ाया है। अध्ययन से पता चला है कि चेहरे की पहचान के एल्गोरिदम कुछ जनसांख्यिकी के खिलाफ पक्षपाती हो सकते हैं, विशेष रूप से रंग के लोगों के खिलाफ। यह पूर्वाग्रह भेदभावपूर्ण परिणामों में ले जा सकता है, जैसे गलत गिरफ्तारी या निरोध। सार्वजनिक स्थानों में चेहरे की पहचान प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग बड़े पैमाने पर निगरानी और गोपनीयता के क्षरण के बारे में चिंताएं उठाता है। कुछ आलोचकों का तर्क है कि निगरानी कैमरों का प्रसार एक 'पैनोप्टिकन प्रभाव' पैदा करता है, जहां व्यक्ति लगातार देखा जाना और निगरानी महसूस करते हैं, जिससे अभिव्यक्ति और व्यक्ति की स्वतंत्रता पर एक गहरा प्रभाव पड़ता है। निगरानी फुटेज का भंडारण और प्रतिधारण डेटा गोपनीयता और व्यक्तिगत जानकारी के दुरुपयोग की संभावना के बारे में चिंताएं उठाता है। पैनोप्टिकन प्रभाव एक सामाजिक सिद्धांत है जो यह बताता है कि जब लोग लगातार निगरानी में महसूस करते हैं, तो वे अपने व्यवहार को बदलने और अधिक अनुपालन करने की अधिक संभावना रखते हैं। यह शब्द जेरमी बेंथम द्वारा डिजाइन किए गए एक काल्पनिक जेल से लिया गया है, जहां एक केंद्रीय गार्ड टॉवर से सभी कैदियों को देख सकता था, जबकि कैदियों को यह नहीं पता था कि वे देखे जा रहे हैं या नहीं। इस सिद्धांत के अनुसार, जब लोग सोचते हैं कि वे निगरानी में हैं, तो वे अपने व्यवहार को समाज की अपेक्षाओं के अनुरूप बनाने के लिए दबाव महसूस करते हैं। यह प्रभाव सत्ता के एक नये रूप में देखा जा सकता है, क्योंकि यह लोगों को नियंत्रित करने और उनके व्यवहार को बदलने के लिए उपयोग किया जा सकता है। निगरानी के लाभ निर्विवाद हैं। इसने अपराध, आतंकवाद और सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरों का मुकाबला करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। निगरानी प्रणालियों ने अपराधियों की पहचान करने, हमलों को रोकने और बीमारियों के प्रसार को ट्रैक करने में मदद की है। इसके अलावा, उन्होंने ट्रैफिक प्रवाह में सुधार, संसाधन आवंटन का अनुकूलन और सार्वजनिक सुरक्षा बढ़ाने में योगदान दिया है। हालांकि, निगरानी के संभावित नुकसान भी उतने ही घातक हैं। व्यक्तिगत डेटा का बड़े पैमाने पर संग्रह रखना, मुक्त भाषण, संगति और असंतोष पर एक गहरा प्रभाव डाल सकता है। यह एक निगरानी समाज भी बना सकता है जहां व्यक्ति लगातार निगरानी महसूस करते हैं और अपनी अभिव्यक्ति की क्षमता में प्रतिबंधित महसूस करते हैं। इसके अलावा, निगरानी का उपयोग भेदभावपूर्ण या दमनकारी उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है, विशेष रूप से हाशिए के समूहों के खिलाफ। हाल के वर्षों में निगरानी के सबसे विवादास्पद पहलुओं में से एक सरकारों द्वारा बड़े पैमाने पर निगरानी कार्यक्रमों का कार्यान्वयन रहा है। इन कार्यक्रमों में फोन कॉल, ईमेल और इंटरनेट खोज जैसे व्यक्तिगत डेटा का व्यापक संग्रह और विश्लेषण शामिल है। जबकि समर्थक तर्क देते हैं कि ऐसे कार्यक्रम राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं, लेकिन यह नागरिक स्वतंत्रताओं के लिए खतरा भी है। निगरानी के लाभों और हानियों के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए, स्पष्ट और लागू होने योग्य गोपनीयता कानून स्थापित करना आवश्यक है। इन कानूनों को निगरानी की सीमाओं को परिभाषित करना चाहिए, व्यक्तियों के गोपनीयता के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए। यह सुनिश्चित करना चाहिए कि डेटा का संग्रह और उपयोग नैतिक रूप से किया जाता है।

आप का नजरिया

सुरक्षा परिषद में भारत की दावेदारी

वर्तमान परिदृश्य में जिस प्रकार की भू-राजनैतिक परिस्थितियां बन गई हैं, उसको देखते हुए अविलंब अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में परिवर्तन किया जाना चाहिए। अन्यथा ये संस्थाएं अप्रासंगिक हो जाएंगी। विश्व के अलग-अलग हिस्सों में आपसी संघर्ष एवं युद्ध की लपटें उठ रही हैं लेकिन संयुक्त राष्ट्र निष्प्रभावी दिखायी दे रहा है। संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्था की स्थापना मुख्य उद्देश्य ही विश्व में शांति एवं मानवाधिकारों की रक्षा करना है लेकिन क्या आज यह संस्था महान उद्देश्यों की पूर्ति में अपनी भूमिका का निर्वहन कर पा रही है? इस प्रश्न पर गंभीरता से विचार किए जाने की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में सुधार का मुद्दा लंबे समय से दुनिया के सामने है। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले दस वर्षों में संयुक्त राष्ट्र और उसकी सुरक्षा परिषद में बदलाव की बहस को आगे बढ़ाने का काम किया है, जिसका परिणाम है कि अब प्रगत देश भी इस पर विचार करने लगे हैं। अपने अमेरिकी प्रवास के दौरान जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी क्वाड समिट में सहभागी हुए तब उनकी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो. बाइडन के बीच द्विपक्षीय वार्ता भी हुई। इस वार्ता में सबसे बड़ी बात यह निकलकर आई है कि अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता का समर्थन किया है। राष्ट्रपति बाइडन ने प्रधानमंत्री मोदी से बैठक में कहा है कि अमेरिका भारत की महत्वपूर्ण आवाज को प्रतिबिंबित करने के लिए वैश्विक संस्थानों में सुधार की पहल का समर्थन करता है। इसमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में भारत की स्थायी सदस्यता भी शामिल है। भारत के लिए अमेरिका का यह मत बहुत अहम है क्योंकि उसकी ओर से बीते कई वर्षों से सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्या की मांग की जा रही है। हालाँकि, प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों से सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों फ्रांस, रूस, यूनाइटेड किंगडम, संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन में से शेष सभी देश भारत के पक्ष में हैं। केवल चीन ही भारत की स्थायी सदस्यता में रोड़े अटकाता है। अमेरिका से पूर्व फ्रांस, रूस और ब्रिटेन भी भारत को स्थायी सदस्यता दिए जाने का समर्थन कर चुके हैं। क्वाड समिट में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सीटें बढ़ाने, इसमें सुधार और इसे अधिक जवाबदेह बनाने के लिए व्यापक स्तर पर चर्चा हुई है। क्वाड नेताओं ने अफ्रीका, एशिया, लैटिन अमेरिका और कैरिबियन देशों को भी संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता का दिए जाने की मांग की है। हालांकि भारत पहले ही यह बात कई मंचों से कह चुका है कि बदली हुई वैश्विक परिस्थितियों में इस प्रकार के छोटे देशों को भी संयुक्त राष्ट्र में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी मिलनी चाहिए ताकि ये देश अपनी बातों को प्रभावी ढंग से दुनिया के सामने ला सकें। उल्लेखनीय है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र संघ की आम सभा के 'समिट ऑफ द फ्यूचर' को संबोधित करते हुए बहुत महत्वपूर्ण बात कही है- "मानवता की सफलता मिलकर काम करने में है। जंग के मैदान में नहीं। दुनिया की शांति के लिए वैश्विक संस्थाओं में बदलाव जरूरी हैं"। देखना होगा कि संयुक्त राष्ट्र संघ में अपेक्षित सुधारों के लिए भारत का अभियान कब रंग लाएगे।

पश्चिमी देशों को नेतन्याहू की दो टूक, आपके समर्थन के साथ या उसके बिना जीतेंगे

येरूशलम, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन की आलोचना की है। मैक्रॉन ने एक रेडियो साक्षात्कार में इजरायल को हथियारों की आपूर्ति रोकने का आह्वान किया था और कहा था कि सभी सभ्य देशों को दृढ़ रहना चाहिए। नेतन्याहू ने इसे शर्मनाक करार दिया। सवाल किया कि क्या उनकी तरह ईरान हिजबुल्लाह, हूती, हमास और उसके सहयोगियों पर हथियार प्रतिबंध लगा रहा है नेतन्याहू ने एक वीडियो संदेश में कहा, मैक्रॉन और अन्य पश्चिमी नेता अब इजरायल के खिलाफ हथियार प्रतिबंध की मांग कर रहे हैं, और जोर देकर कहा कि इजरायल उनके समर्थन के साथ या उसके बिना जीतेगा।उन्होंने कड़े शब्दों में कहा, लेकिन युद्ध जीतने के बाद भी उनकी शर्मिंदगी लंबे समय तक जारी रहेगी। नेतन्याहू ने कहा कि इजरायल आज सभ्यता के दुश्मनों के खिलाफ सात मोर्चों पर अपना बचाव कर रहा है। उन्होंने आगे कहा, क्या ईरान हिजबुल्लाह, हूती, हमास और उसके अन्य सहयोगियों पर हथियार प्रतिबंध लगा रहा है बिल्कुल नहीं। ये सब साथ खड़े हैं। लेकिन जो देश कथित तौर पर इस आतंकी संगठनों का विरोध करते हैं, वे इजरायल पर हथियार प्रतिबंध लगाने का आह्वान करते हैं। नेतन्याहू ने दावा किया कि इजरायली सेना ने हिजबुल्लाह की मिसाइल और रॉकेट क्षमताओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि इजरायली सेना सीमा के पास लेबनानी समूह की सुरंग प्रणाली को नष्ट कर रही है। हालांकि खतरा पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है, लेकिन हमने संघर्ष का संतुलन बदल दिया है। लगभग एक महीने पहले, जैसे ही हम गाजा में हमास बटालियनों को नष्ट करने के अंत के करीब पहुंचे, हमने उत्तरी इजरायल के निवासियों से किए गए वादे को पूरा करना शुरू कर दिया। 23 सितंबर से, इजरायली सेना ने पूरे लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ अपने हवाई हमले तेज कर दिए हैं।

न्यूज ब्रीफ

चीनी हैकर्स ने अमेरिकी टेलीकॉम कंपनियों के डेटा में लगाई सेंध

वॉशिंगटन। चीनी हैकर्स ने कई अमेरिकी दूरसंचार कंपनियों में सेंध लगा दी है। रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ महीनों के अंदर ऐसा किया गया है। अमेरिकी जांचकर्ताओं को संदेह है कि इन हैकर्स ने वायरटेप वारंट रिक्वेस्ट्स की एक्सेस हासिल की है। साइबर सेंधमारी की इस खबर ने अमेरिकी अधिकारियों के होश उड़ा दिए हैं। हैकर्स ने जिस तरह से सेंधमारी को अंजाम दिया है, उसने राष्ट्रीय सुरक्षा की चिंता को बढ़ा दिया है। गौरतलब है कि चीन और अमेरिका के बीच साइबर जासूसी के मामलों को लेकर पहले ही काफी तनाव है। ऐसे में यह नई जानकारी सामने आने के बाद अमेरिका की परेशानी और बढ़नी तय है। अमेरिका स्थित चीनी दूतावास ने कहा है कि उनके देश के हैकर इसमें शामिल नहीं हैं। दूतावास के प्रवक्ता लीयू पेंग्यू ने हैकिंग से जुड़े आरोपों को तथ्यहीन बताया। साथ ही अमेरिका पर साइबर सिक्योरिटी के मामले का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। फिलहाल इस मामले की जानकारी अमेरिकी कांग्रेस को भी दी जा चुकी है। दोनों हाउस और सीनेट की कमेटियों को हैकिंग कैंपेन से जुड़ी सभी अपडेट्स मुहैया कराई जा रही हैं। एटी एंड टी और लूमेन ने वर्तमान जांच को लेकर किसी भी तरह की टिप्पणी से इनकार किया है। उधर तमाम बड़ी अमेरिकी सुरक्षा एजेंसियां मामले को लेकर जांच में जुटी हुई हैं। इनमें न्याय विभाग और एफबीआई शामिल है। इन सभी ने भी अपने होंठ सिल रखे हैं और किसी तरह का आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। हालांकि कितना नुकसान हुआ है और कितनी सूचनाएं चोरी हुई हैं, यह अभी जांच का विषय है। हैकर्स ने अमेरिका के बड़े ब्रॉडबैंड और इंटरनेट सर्विसेज को निशाना बनाया है। इसमें एटी एंड टी, वेरिजोन और लूमेन जैसे नाम शामिल हैं। अमेरिकी टेलीकॉम इंडस्ट्री में यह सभी बड़े नाम हैं। वहीं, अमेरिका स्थित चीनी दूतावास ने ऐसी किसी बात से इनकार किया है।अमेरिकी दूरसंचार उद्योग देश के इंटरनेट और फोन संचार की रीढ़ है। इसके चलते यह अक्सर सरकारी हैकर्स के निशाने पर रहता है। इन दूरसंचार कंपनियों के पास बड़ी मात्रा में कॉलर और यूजर्स का डेटा होता है। अमेरिकी कानूनी एजेंसियां भी अक्सर राष्ट्रीय सुरक्षा जांच के दौरान इस डेटा का इस्तेमाल करती हैं।मामले की जांच के लिए साइबर सिक्योरिटी के अहम खिलाड़ियों, माइक्रोसॉफ्ट और मैंडियंट को भी शामिल किया गया है। जांच में मौजूद करीबी सूत्रों ने हैकिंग समूह के बारे में कुछ जानकारियां दी हैं। इसके मुताबिक इस हैकिंग ग्रुप को साइबर सिक्योरिटी की सर्किल में साल्ट टाइफून के रूप में जाना जाता है। एफबीआई निदेशक क्रिस्टोफर रे ने तो यहां तक कहा है कि चीनी सरकार के सहयोग से हैकर्स एफबीआई कर्मियों को भी निशाना बना रहे हैं।आरोप है कि एक चीनी हैकिंग ग्रुप ने अमेरिकी ट्रांसपोर्टेशन और कम्यूनिकेशन नेटवर्क में घुसपैठ की है। अगर ताइवान में चीनी सेना के हमले पर अमेरिकी किसी तरह का रिस्पांस करता है तो यह हैकर्स उसे नाकाम कर देंगे। चीन ने पिछले साल भी ऐसी ही हैकिंग को अंजाम दिया था ।

चंद्रमा पर समय की लड़ाई प्रतिस्पर्धा नहीं, वैश्विक वर्चस्व की रणनीति

वाशिंगटन । पिछले साल अगस्त में भारत ने चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर ऐतिहासिक कदम रखकर अंतरिक्ष अनुसंधान में नया अध्याय शुरू किया था। इसके साथ ही अन्य देशों अमेरिका, चीन, रूस और जापान भी चंद्रमा पर जाने के अपने-अपने मिशन की योजना बना रहे हैं। पृथ्वी पर हम सभी समय को आसानी से समझते हैं, लेकिन चांद पर क्या समय होगा इसकी हमें जानकारी नहीं होती है। यह ऐसा सवाल है, जो तकनीकी रूप से चुनौतीपूर्ण है, बल्कि इसे लेकर अमेरिका और चीन में विवाद छिड़ गया है। अमेरिका अपने लिए और अपने स्पेस पार्टनर्स के लिए चंद्रमा पर एक विशेष टाइम जोन स्थापित करना चाहता है। इसके उलट चीन और रूस अमेरिका के नेतृत्व वाली पहल से बाहर हैं। चीन अपने लूनर टाइमिंग और नेविगेशन सिस्टम को विकसित करने का प्रयास कर रहा है। व्हाइट हाउस के निर्देश के मुताबिक नासा एक नए टाइम स्टैंडर्ड, जिसे कोऑर्डिनेटेड लूनर टाइम (एलटीसी) नाम दिया गया है को लाने का नेतृत्व कर रहा है। इसका उद्देश्य चंद्रमा पर खोजबीन को सुरक्षित और टिकाऊ तरीके से आगे बढ़ाना है। अप्रैल में एक रिपोर्ट में कहा गया था कि चंद्रमा पर प्रस्तावित स्टैंडर्ड टाइमिंग को अमेरिका के नेतृत्व वाले आर्टेमिस समझौते के हस्ताक्षरकर्ताओं द्वारा अपनाया जाएगा। यह अंतरराष्ट्रीय मानक के रूप में काम करने का उद्देश्य रखता है। यह भी कहा गया है कि समय का ज्ञान वैज्ञानिक खोज, आर्थिक विकास और अंतर्राष्ट्रीय मदद के लिए अत्यंत जरुरी है।

इजराइल पर आतंकी हमले के 1 साल

संयुक्त राष्ट्र महासचिव की बंधकों की तत्काल व बिना शर्त रिहाई की अपील

एक साल में क्या-क्या हुआः

1200 नागरिकों की मौत पर इजराइल की जवाबी कार्रवाई में अबतक 41 हजार से ज्यादा की मौत

आतंकी हमले के एक बरस पूरा होने पर दोबारा हमले का खतरा, इजराइल तैयार और पूरा सतर्क

नसरल्लाह सहित हिज्बुल्लाह के ज्यादातर शीर्ष कमांडरों का खात्मा, सफीद्दीन के खात्मे के कयास

तेल अवीव, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजराइल पर हमास के आतंकी हमले के एक साल पूरे होने के बाद पश्चिम एशिया में भीषण युद्ध भड़कने का खतरा लगातार बना हुआ है। इस बीच रविवार को संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने संदेश जारी कर हमास से बंधक बनाए गए इजराइली नागरिकों को तत्काल और बिना शर्त रिहा करने की अपील की है। उन्होंने रेडक्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति को बंधकों से मिलने की अनुमति देने की भी अपील की है। एक्स पर वीडियो जारी कर संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि 7 अक्टूबर को हमले ने आत्मा को झकझोर दिया। इस दिन हम उन सभी को याद करते हैं जिन्हें क्रूरतापूर्वक मार दिया गया और जिन्हें यौन हिंसा सहित अकल्पनीय हिंसा का सामना करना पड़ा। उल्लेखनीय है कि 3 अक्टूबर को इजरायल ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के इजराइल में प्रवेश पर पाबंदी लगाकर पूरी दुनिया को चौंका दिया था। इजरायली विदेश मंत्री इजरायल काट्ज ने एंटोनियो पर आरोप लगाया कि उन्होंने बीते साल 7 अक्टूबर को इजराइल पर ईरान और हमास के हमले की निंदा नहीं की थी। इस तरह की घटना पर अगर कोई व्यक्ति किसी की निंदा नहीं करता है तो वो हमारे देश में घुसने का हकदार नहीं है। इस बीच इजराइल 7 अक्टूबर की बरसी को देखते हुए खासा सतर्क है। इजरायली सैन्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल के मुताबिक इस खास दिन कुछ ताकतों की तरफ से हमले की आशंका है जिसके लिए इजराइल हर तरह से तैयार है।

लेबनान में चार दिनों में 400 हिज्बुल्लाह लड़ाकों का खात्माः इजराइल

शनिवार रात बेरूत में इजरायली हमले जारी रहे। इसे ईरान समर्थित हिजबुल्लाह का गढ़ माना जाता है। इजरायली सेना का दावा है कि चार दिनों पहले दक्षिणी लेबनान में जमीनी अभियान शुरू करने के बाद से 400 से अधिक हिज्बुल्लाह लड़ाकों का खात्मा किया गया है। बलों ने जमीन और हवा से लगभग 440 आतंकवादियों को मार गिराया है, जिनमें विभिन्न रैंकों के 30 कमांडर भी शामिल हैं। इजरायली सेना ने लोगों से बेरूत के दक्षिणी उपनगरों को खाली करने की नई अपील की है।

नसरल्लाह के उत्तराधिकारी सफीद्दीन के भी मारे जाने के कयास

इस बीच हाशेम सफीद्दीन के भी मारे जाने के कयास लगाए जा रहे हैं। उसे मारे गए हिज्बुल्लाह नेता सैय्यद हसन नसरल्लाह के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाता है। हाशेम सफीद्दीन शुक्रवार से संपर्क से बाहर हैं। हिज्बुल्लाह के खिलाफ अपने अभियान में इजराइल ने गुरुवार रात बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर बड़ा हमला किया था जिसका निशाना सफ़ीद्दीन हो सकता है।

हमास आतंकियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

उल्लेखनीय है कि पिछले साल 7 अक्टूबर को इजराइल पर हमास के आतंकियों ने हमला कर करीब 1200 लोगों की जान ले ली और काफी संख्या में इजराइली नागरिकों को बंधक बना लिया था। बंधकों की रिहाई और हमास आतंकियों के खात्मे के लिए शुरू हुआ इजराइल का अभियान एक साल में लगातार फैल रहा है। इजराइल डिफेंस फोर्स (आईडीएफ) की जवाबी कार्रवाई में अब तक 41 हजार से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। गाजा पट्टी खासतौर पर प्रभावित रहा, जहां लाखों लोगों को पलायन करना पड़ा है।

हमास के बाद हिज्बुल्लाह के खिलाफ ऑपरेशन

गाजा पट्टी में लगातार कार्रवाई के बीच इजराइल ने लेबनान में आतंकी संगठन हिज्बुल्लाह के खिलाफ हवाई और जमीनी कार्रवाई शुरू कर दी। हिज्बुल्लाह कमांडर नसरल्लाह और ज्यादातर शीर्ष कमांडरों के मारे जाने के बाद ईरान और इजराइल एक-दूसरे के खिलाफ संघर्ष जारी रखने की कसमें खा रहे हैं।

जयशंकर को इमरान खान ने दिया न्यौता, पाकिस्तान में मचा हड़कंप

इस्लामाबाद, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के विदेश मंत्री का नाम पाकिस्तान में गूंज रहा है। हर एक राजनैतक दल में जयशंकर के नाम की चर्चा है। इसी बीच वहां के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने उन्हे न्यौता देकर आग में घी का काम कर दिया है। दरअसल एस जयशंकर इस महीने की 15-16 तारीख को पाकिस्तान में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के शासनाध्यक्ष परिषद की बैठक में शामिल होने जा रहे हैं। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी, पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई), ने जयशंकर को विरोध प्रदर्शन में शामिल होने का व्यंग्यात्मक निमंत्रण दिया है, जिससे वहां की सत्तारूढ़ सरकार नाराज हो गई है।

रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी इस मुद्दे पर कहा कि जयशंकर को निमंत्रण पीटीआई की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है। इन सभी तीखी प्रतिक्रियाओं के बाद, सैफ ने स्पष्ट किया कि उनके बयान को गलत संदर्भ में लिया गया है। सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेता अताउल्लाह तरार और सिंध प्रांत के सूचना मंत्री सरजील मेमन ने इस निमंत्रण पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। तरार ने कहा कि यह बेहद गैरजिम्मेदाराना है और पाकिस्तान की शत्रुता को दर्शाता है। वहीं, मेमन ने इसे पीटीआई की देश विरोधी मानसिकता का प्रमाण बताया और आरोप लगाया कि पीटीआई एससीओ सम्मेलन को विफल करने की कोशिश कर रही है। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री के सूचना सलाहकार, मुहम्मद अली सैफ, ने एक टीवी कार्यक्रम में कहा कि पीटीआई जयशंकर को विरोध प्रदर्शन में शामिल होने के लिए आमंत्रित कर सकती है। उन्होंने कहा कि जयशंकर पाकिस्तान आकर देख सकते हैं कि यहां लोकतंत्र कितना मजबूत है और हर किसी को विरोध प्रदर्शन का अधिकार है। यह बयान व्यंग्य के रूप में दिया गया था, लेकिन सत्तारूढ़ गठबंधन ने इसे गंभीरता से लिया और इसे पाकिस्तान विरोधी कदम करार दिया।पीटीआई वर्तमान में अपने नेता इमरान खान की रिहाई के लिए विरोध प्रदर्शन कर रही है, जो एक साल से अधिक समय से जेल में बंद हैं।

अमेरिका राष्ट्रपति चुनावः संविधान को बचाने ट्रंप को जिताना ही होगाः एलन मस्क

पेनसिल्वेनिया, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव की तारीख जैसे जैसे करीब आ रही है सियासी पारा भी चढ़ रहा है। वहीं पूर्व राष्ट्रपति और रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने पेंसिल्वेनिया एक चुनावी रैली की। इस रैली में मंच पर ट्रंप के साथ टेस्ला के सीईओ एलन मस्क भी उनके साथ दिखाई दिए।

मंच पर जाकर एलन मस्क ने ट्रंप के लिए समर्थन मांगा। इस चुनावी रैली में हजारों की संख्या में रिपब्लिकन पार्टी के समर्थक शामिल हुए। मंच से मस्क ने लोगों के सामने फाइट-फाइट और वोट-वोट के नारे लगाए। उन्होंने मंच पर आकर कहा कि संविधान को संरक्षित करने के लिए राष्ट्रपति ट्रंप को जीतना होगा। हमारे जीवनकाल का यह सबसे अहम चुनाव है और अमेरिका में लोकतंत्र को बनाए रखने के लिए ट्रंप को जिताना ही होगा। मस्क ने कहा कि डेमोक्रेट पार्टी लोगों से वोट देने के अधिकार को छीनना चाहते हैं।

बता दें कुछ दिन पहले पेंसिल्वेनिया में इसी जगह पर चुनावी रैली के दौरान ट्रंप पर हमला किया गया था। ट्रंप ने गोलीबारी के बाद जहां से अपना भाषण छोड़ा था वहीं, से शुरू किया। ट्रंप ने जुलाई में हुई हत्या की कोशिश को याद करते हुए कहा कि मैं कभी हार नहीं मानूंगा। मैं कभी झुकूंगा नहीं। मैं कभी टूटूंगा नहीं। मैं कभी झुकूंगा नहीं, मौत के सामने भी नहीं। बता दें कि इस साल पांच नवंबर को अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव होना है जिसको लेकर चुनावी रैलिया आयोजित की जा रही हैं।

मिडिल ईस्ट में जंग से तालिबान की चांदी, अफगानिस्तान को हो रहा मुनाफा

कई इंटरनेशनल फ्लाइट्स को अफगानिस्तान के हवाई क्षेत्र से होकर गुजारना पड़ रहा है

काबुल, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। ईरान और इजरायल के बीच जारी जंग के बीच तालिबान की मौज हो गई है। अफगानिस्तान पर कब्जा करने वाले तालिबान को मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के कारण अप्रत्याशित तरीके से भारी मुनाफा हो रहा है। इस समय कई इंटरनेशनल फ्लाइट्स को मिडिल ईस्ट के अस्थिर हालात के कारण अफगानिस्तान के हवाई क्षेत्र से होकर गुजारना पड़ रहा है। इसके कारण अफगानिस्तान जमकर डॉलर कूट रहा है। हाल ही में, ईरान ने 200 मिसाइलों से इजरायल पर एक साथ हमला किया था, जिसके बाद इजरायल के जवाबी हमले की आशंका बढ़ गई। इस जंग के चलते, कई इंटरनेशनल फ्लाइट्स को ईरान और इजरायल के हवाई क्षेत्र से डायवर्ट कर दिया गया है। इसके चलते फ्लाइट्स अफगानिस्तान के आसमान से होकर गुजर रही हैं। अफगानिस्तान की सिविल एविएशन मिनिस्ट्री के मुताबिक हर फ्लाइट से 700 डॉलर का चार्ज लिया जा रहा है, जिससे

अफगानिस्तान का रेवेन्यू काफी बढ़ रहा है। हाल ही में रिकॉर्ड 191 फ्लाइट्स अफगानिस्तान के हवाई क्षेत्र से गुजरीं, जिससे तालिबान को अच्छी-खासी कमाई हुई है। अगस्त 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से अफगानिस्तान का हवाई क्षेत्र लगभग बंद हो गया था। हालांकि, मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव ने तालिबान को एक नई आर्थिक संजीवनी दी है। यह स्थिति पिछले साल 7 अक्टूबर को शुरू हुई थी, जब हमास ने इजरायल पर हमला कर 1200 से अधिक लोगों की जान ले ली थी। इसके बाद से मिडिल ईस्ट में युद्ध का माहौल बन गया और अफगानिस्तान के आसमान में फ्लाइट्स की संख्या में तेजी से वृद्धि होने लगी। बताया जा रहा है कि 19 से 30 सितंबर के बीच प्रतिदिन औसतन 147 इंटरनेशनल फ्लाइट्स अफगान हवाई क्षेत्र से होकर गुजरीं।

बड़ा झटकाः यूक्रेन युद्ध के बीच रुस ने खुद का हाईटैक ड्रोन किया नष्ट

मॉस्को, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)।

रुस और यूक्रेन की जंग चल रही है। दोनो ही देश एक दूसरे पर हमला कर रहे हैं। उन्हे अत्याधुनिक हथियार और गोला बारुद की जरुरत है। ऐसे में किसी का हाईटैक ड्रोन नष्ट हो जाए तो बड़ी संकटकारी स्थिति मानी जाती है। कुछ इसी तरह का झटका रुस को लगा है।

वजह बहुत स्पष्ट नहीं है लेकिन बताया जा रहा है कि खुद रुस ने अपना अत्याधुनिक ड्रोन नष्ट कर दिया है।रिपोर्ट के मुताबिक एक एडवांस्ड रूसी एस-70 ओखोटनिक (हंटर) ड्रोन यूक्रेन में तबाह कर दिया गया। घटना शनिवार की बताई जा रही है। लेकिन सबसे ज्यादा शर्मनाक बात ये है कि इस ड्रोन को यूक्रेन ने नहीं बल्कि रूस के ही एसयू-57 जेट ने मार गिराया। मलबे के विश्लेषण से पता चला यह रूस की अगली पीढ़ी के स्टील्थ ड्रोन का था।

कई चैनलों की ओर से बताया गया कि गलती से रूस ने ही इसे तबाह कर दिया। एक मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि पहले अनुमान लगाया जा रहा था कि यूक्रेनी सेना के हमले में ड्रोन गिरा। लेकिन यूक्रेन की सेना से जुड़े सूत्रों ने बताया कि यह रूस की गलती से ही गिरा है। बताया गया कि यह किसी जेट का नहीं बल्कि एक ड्रोन का मलबा है। क्रैश साइट से ली गई तस्वीरों में लाल सितारे वाला प्रतीक दिख रहा है।

यह बताता है कि गिरने वाला एयरक्राफ्ट हंटर ड्रोन है। रूस की युद्ध क्षमताओं में यह महत्वपूर्ण है।इसका एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें आसमान में दो सफेद रेखा दिख रही है जो विमान और ड्रोन के इंजन से निकलने वाला धुआं है। ड्रोन आगे तो जेट पीछे दिख रहा है। तभी पीछे वाले धुएं से एक नई सफेद लाइन बनती हुई दिखती है, जो मिसाइल लॉन्च का संकेत देती है। यह सीधे जाकर ड्रोन को हिट करता है, जिससे आसमान में एक धमाका होता है। दावे के मुताबिक यह घटना फ्रंटलाइन के करीब एक परीक्षण उड़ान के दौरान हुई। तब ऑपरेटरों ने इस पर कंट्रोल खो दिया। इस डर से कि यह यूक्रेनी सेना के हाथ न लग जाए, रूसी कमांडरों ने कथित तौर पर इसे तबाह करने का आदेश दिया।

सहवाग के जोखिम भरे शॉट को लेकर भड़क गए थे जॉन राइट,कोच ने गुस्से में सहवाग को मारा था जोरदार मुक्का

नई दिल्ली, 06 अक्टूबर (एजेंसियां) । आक्रामक बल्लेबाजी शैली और जोखिम लेने की प्रवृत्ति पूर्व भारतीय ओपनर वीरेंद्र सहवाग हमेशा चर्चा का विषय बनाती रही है। एक बार तो सहवाग के कोच जॉन राइट इतना नाराज हो गए कि उन्होंने सहवाग को मुक्का मार दिया।

यह घटना उस समय की है जब सचिन तेंदुलकर भी ड्रेसिंग रूम में मौजूद थे, लेकिन उन्होंने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। सौरव गांगुली ने इस बारे में एक किस्सा साझा किया है, जिसमें बताया गया कि कैसे सहवाग ने एक मैच में अपने जोखिम भरे शॉट के कारण कोच को भड़काया। गांगुली ने कहा, मुझे याद है कि यह श्रीलंका के खिलाफ एजबेस्टर में हुआ था। उस समय हमारा लक्ष्य 210 रन का था। सहवाग ने अपनी धुआंधार बल्लेबाजी से हमें जीत दिलाई। मैच के बाद, जब मैं ड्रेसिंग रूम में गया, तो माहौल काफी गंभीर था।गांगुली ने अनिल कुंबले से पूछा कि ऐसा क्यों हुआ, तो कुंबले ने बताया कि जॉन राइट ने सहवाग को कोने में घसीटकर मुक्का मारा। राइट ने सहवाग से कहा, अब तुम भारत के लिए दोबारा नहीं खेलोगे, क्योंकि उस शॉट के कारण हम हार सकते थे। गांगुली ने जॉन से पूछा कि क्या सहवाग ने पलटकर कोई प्रतिक्रिया दी, तो राइट ने कहा कि सहवाग ने ऐसा नहीं किया।

जब गांगुली ने सहवाग से बात की, तो उन्होंने इसे हल्के में लिया और कहा, जाने दो, ऐसा होता रहता है। मैंने एक खराब शॉट खेला। इसके बाद, गांगुली ने सचिन से इस बारे में पूछा, तो सचिन ने कहा कि वह उस समय चाय का आनंद ले रहे थे और स्थिति को देखकर कुछ नहीं बोले। यह घटना सहवाग के खेल के प्रति उनकी साहसिकता और टीम के माहौल को दर्शाती है। बता दें कि सहवाग के आक्रामक खेल के कारण उन्हें इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे विस्फोटक बल्लेबाजों में से एक माना जाता है। वह पहले गेंद से ही गेंदबाजों पर दबाव बनाने में माहिर थे।

न्यूज ब्रीफ

रैना की सिक्सी स्ट्राइक्स टूर्नामेंट में आक्रामक बल्लेबाजी

न्यूयार्क । भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना आजकल अमेरिका में जारी सिक्सी स्ट्राइक्स टूर्नामेंट में अपने आक्रामक बल्लेबाजी से छाये हुए हैं। रैना ने यहां आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए अपनी टीम को जीत भी दिलायी है। इस टूर्नामेंट में वह न्यूयॉर्क लायंस की ओर से खेल रहे हैं। न्यूयॉर्क लायंस और लॉस एंजिलिस वेव्स के बीच खेले गये मुकाबले में रैना ने बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन की गेंदों की भी जमकर पिटाई की ।रैना ने शाकिब के ओवर में दो छक्के लगा दिया। इसके अलावा चौका भी लगाया । शाकिब के ओवर से कुल 18 रन आए थे। रैना की इस तेज पारी की वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर ने 28 गेंद पर 53 रन बनाए। उनके बल्ले से इस पारी में 6 चौके और 3 छक्के देखने को मिले। रैना के कारण न्यूयॉर्क लायंस 19 रन से जीत दर्ज करने में सफल रही। निर्धारित 10 ओवर में न्यूयॉर्क ने 4 विकेट पर 126 रन ठोक बनाये। रैना ने उपुल थरंगा के साथ मिलकर 89 रन की साझेदारी की। इसके बाद अन्य बल्लेबाजों ने टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया।

शिवम दुबे ने पसंदीदा कप्तान को लेकर दिए अपने जवाब से सभी को प्रभावित किया

मुम्बई । ऑलराउंडर शिवम दुबे से एक शो दौरान कहा जब पूछा गया कि उनका पसंदीदा कप्तान कौन है तो शिवम ने एक ऐसा जवाब दिया जिसे सभी ने पसंद किया है। शिवम से महेन्द्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के के बारे में पूछा गया था। तब उनके जवाब से दर्शकों के साथ ही मेजबान और अन्य क्रिकेटर भी प्रभावित नजर आये शिवम ने इसके जवाब में कहा , जब मैं चेन्नई के लिए खेलता हूं, तो एमएस धोनी सर्वश्रेष्ठ होते हैं, वहीं जब मैं भारतीय टीम से खेलता हूं तो रोहित शर्मा सर्वश्रेष्ठ होते हैं। शिवम चोटिल होने के कारण बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हैं। उनकी पीठ में चोट लगी थी, जिसके कारण उन्हें पूरी सीरीज से बाहर होना पड़ा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने उनके स्थान पर तिलक वर्मा को शामिल किया है। दुबे अभ्यास सत्र के दौरान चोटिल हो गए थे। चोट के कारण वे ईरानी कप के लिए मुंबई की टीम से भी बाहर हो गए। हालांकि उनकी चोट की गंभीरता स्पष्ट नहीं है, लेकिन टीम प्रबंधन ने उनकी स्थिति को और खराब होने से बचाने के लिए सतर्क रुख अपनाया है।

रिंकू सिंह ने बनवाया भगवान की योजना वाला टैटू

ग्वालियर । भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक क्रिकेटर रिंकू सिंह टैटू के खासे शौकीन हैं। रिंकू ने इस बार जो टैटू बनवाया है। वहीं अन्य से काफी अलग हैं। रिंकू ने कहा मेरी एक प्रसिद्ध कहावत है गॉड प्लान (ईश्वर की योजना)। मैंने अपना टैटू उसी के आधार पर डिजाइन किया है। इसमें भगवान की योजना शब्द एक वृत्त के अंदर लिखा हुआ है, जो सूर्य का प्रतीक है। साथ ही कहा कि टैटू मुख्य रुप से आईपीएल में मेरे 5 छक्कों का प्रतिनिधित्व है। इस मैच से मेरा जीवन बदल दिया। इसलिए मैंने सोचा कि मैं उन्हें टैटू में शामिल करूंगा। रिंकू आईपीएल 2023 के दौरान लगातार लगाए गए 5 छक्कों से सबकी नजरों में आये थे। तब उन्होंने कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलते हुए अंतिम 5 गेंदों पर गुजरात टाइटंस के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज यश दयाल पर 5 छक्के लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाई थी। रिंकू ने उस सत्र के 14 मैचों में 149.53 की स्ट्राइक रेट से 474 रन बनाए, जिससे उन्हें भारतीय टीम में बुलाया गया। अगस्त 2023 में आयरलैंड के खिलाफ अपने अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के बाद से रिंकू भारत के लिए फिनिशर के रूप में उभरे हैं। उन्होंने 23 मैचों में 174.16 की स्ट्राइक-रेट से 418 रन बनाए हैं। रिंकू अपनी ऑफ स्पिन गेंदबाजी से भी अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने जुलाई में श्रीलंका दौरे पर वनडे में अपने पहले ओवर में एक विकेट और टी20ई में अपने पहले ओवर में दो विकेट लिए थे।

सुल्तान ऑफ जोहोर कप के लिए भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम की घोषणा

नई दिल्ली, 06 अक्टूबर (एजेंसियां) । हॉकी इंडिया ने रविवार को मलेशिया में होने वाले सुल्तान ऑफ जोहोर कप के 12वें संस्करण के लिए 18 सदस्यीय भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम की घोषणा की। टीम का कप्तान आमिर अली को बनाया गया है, जबकि रोहित उप कप्तान होंगे। पूर्व दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश का बतौर मुख्य कोच यह पहला दौरा होगा। भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 19 अक्टूबर को जापान के खिलाफ करेगी। इसके बाद भारतीय टीम का सामना ग्रेट ब्रिटेन से 20 अक्टूबर को, मेजबान मलेशिया से 22 अक्टूबर को, ऑस्ट्रेलिया से 23 अक्टूबर को और न्यूजीलैंड से 25 अक्टूबर को होगा। शीर्ष दो टीमें 26 अक्टूबर को होने वाले फाइनल में पहुंचेंगी।

डिफेंडर आमिर अली और फॉरवर्ड गुरजोत सिंह दो ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने हाल ही में चीन में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2024 में भारतीय हॉकी टीम के लिए खेला और भारत को अपना खिताब बरकरार रखने में मदद की। आमिर ने टूर्नामेंट में चोटिल डिफेंडर संजय की जगह बेहतरीन प्रदर्शन किया, जबकि गुरजोत ने सभी मैचों में फॉरवर्ड लाइन का नेतृत्व किया और अपार क्षमता दिखाई।

कप्तान आमिर अली ने हॉकी इंडिया की ओर से जारी बयान में कहा, सुल्तान ऑफ जोहोर कप हमेशा की तरह हमारे कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है। यह टूर्नामेंट इस साल नवंबर में होने वाले पुरुष जूनियर एशिया कप मस्कट 2024 से पहले टीम के लिए एक टेस्ट के रूप में काम करेगा। सभी खिलाड़ी मलेशिया में खेलने के लिए उत्साहित हैं।

उप कप्तान रोहित ने कहा कि पूरी टीम आगे बढ़ने के लिए बेताब है। पीआर श्रीजेश भारत के लिए खेलने वाले सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक हैं और हम अपने पहले टूर्नामेंट में उन्हें गौरवान्वित करने के लिए उत्सुक हैं। हम सुल्तान जोहोर कप में अपनी क्षमता का प्रदर्शन करके इसका लाभ उठाना चाहते हैं।

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम

गोलकीपर– बिक्रमजीत सिंह, अली खान

डिफेंडर्स– आमिर अली (कप्तान), तालेम प्रियोबार्ता, शारदानंद तिवारी, सुखविंदर, अनमोल एक्का, रोहित (उप कप्तान)

मिडफील्डर्स – अंकित पाल, मनमीत सिंह, रोसन कुजूर, मुकेश टोप्पो, चंदन यादव

फॉरवर्ड्स – गुरजोत सिंह, सौरभ आनंद कुशवाहा, दिलराज सिंह, अर्शदीप सिंह, मो. कोनैन डैड।

अमान की कप्तानी में भारतीय अंडर-19 टीम का शानदार प्रदर्शन, कठिन हालातों से यहां तक पहुंचे

मुम्बई । कप्तान मोहम्मद अमान की कप्तानी में भारतीय अंडर 19 ने ऑट्रेलिया को हराकर सीरीज जीती है। अमान की कप्तानी में टीम इंडिया ने सभी तीन मुकाबले जीते थे। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कप्तानी करने से पहले एशिया कप में भारतीय अंडर-19 टीम में शामिल हैं। अमान की कप्तानी में टीम इंडिया ने सभी तीन मुकाबले जीते थे। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कप्तानी करने से पहले एशिया कप के लिए अंडर-19 टीम का हिस्सा भी रहे है। अमान का क्रिकेटर बनने का सफर बेहद कठिन रह।
अमान के माता पिता का निधान हो गया है। इसके बा भी वह क्रिकेटर बनने का जुनुन जारी रखे हैं। वह 14 साल के थे तो उनकी मां सायबा का निधन 2020 में कोविड-19 महामारी के दौरान हुआ था। . इसके ठीक दो साल बाद 2022 में उनके पिता मेहताब का भी निधन हो गया। अमान का क्रिकेट करियर घरेलू टूर्नामेंट में बेहतरीन प्रदर्शन के साथ शुरु हुआ। उन्होंने वीनू मांकड़ ट्रॉफी में उत्तर प्रदेश अंडर-19 टीम के लिए अच्छ प्रदर्शन किया था। उन्होंने आठ पारियों में 363 रन बनाए थे। इसमें चार अर्धशतक भी शामिल थे। उनके लगातार प्रदर्शन ने उन्हें टूर्नामेंट के सबसे बेहतरीन खिलाड़ियों में से एक बना दिया।

पूर्व क्रिकेटर सलिल अंकोला की मां घर में मृत पाई गई

पूणे, 06 अक्टूबर (एजेंसियां) । पूर्व क्रिकेटर सलिल अंकोला की मां माया अंकोल का निधन हो गया है। 77 साल की माया अंकोला घर में मृत पायी गयी। ये मामला संदिग्ध नजर आ रहा है। अब तक जानकारी के अनुसार किसी अज्ञात व्यक्ति के हमले में इस क्रिकेटर की मां की मौत हुई है पॉश डेक्कन इलाके में प्रभात रोड पर अंकोला का घर है। इस मामले की जांच के लिए विशेषज्ञों के साथ पुलिस की टीमें भी पहुंची।

घर की नौकरानी ने सबसे पहले माया अंकोला को मृत देखा और उसी के बाद पुलिस वहां पहुंची। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि क्रिकेटर की मां को तत्काल ही अस्पताल ले जाया गया था। मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। उसकी रिपोर्ट के बाद ही इस मामले में पक्के तौर पर कुछ कहा जा सकेग। अब तक की जांच में उनके घर में जबरन किसी के प्रवेश की आशंका नजर नहीं है। इसके अलावा आप-पास रहने वाले लोगों ने घर से कोई आवाज सुनी है। पुलिस अभी सीसीटीवी के आधार पर आरोपी की पहचान करने का प्रयास कर रही है। सबूत एकत्र करने के लिए फोरेंसिक विशेषज्ञों की एक टीम अंकोला स्थित घर पहुंच गई है और अपराध की जांच के लिए कई टीमों का गठन किया गया है। इस क्रिकेटर के साथ दूसरी बार ये ये हादसा हुआ है। इससे पहले 2013 में उनकी पत्नी ने भी आत्म हत्या कर ली थी

महाराष्ट्र की ओर से खेलने वाले अंकोला ने अपने क्रिकेट करियर की शुरुआत काफी पहले की थी। साल 1989 को उन्हें भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट में डेब्यू का मौका मिला। बाद में सलिल ने वनडे में भी डेब्यू किया। वह 1996 के विश्व कप में भारतीय टीम में हिस्सा थे हालांकि उन्हें खेलने का अवसर नहीं मिला था।

आईएसएसओ ताइक्वांडो प्रतियोगिताओं का शुभारंभ

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। संजय घोडावत इंटरनेशनल स्कूल के लड़के और लड़कियों ने शनिवार को इंडस इंटरनेशनल स्कूल हैदराबाद में आयोजित आईएसएसओ ताइक्वांडो नेशनल्स 2024 के पहले दिन अपने नाम किया। उन्होंने विभिन्न श्रेणियों में छह स्वर्ण पदक जीते।

शहर के स्कूलों में से चिरेक इंटरनेशनल स्कूल और ओकरिज इंटरनेशनल स्कूल, बाचुपल्ली ने तीन-तीन स्वर्ण पदकों के साथ शीर्ष स्थान साझा किया।

इस प्रतिष्ठित आयोजन में देश भर के 42 स्कूलों के लगभग 200 छात्रों ने भाग लिया, जो आईबी और कैम्ब्रिज बोर्ड दोनों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

पूमसे और क्योरुगी स्पर्धाएँ विभिन्न आयु वर्गों में आयोजित की जा रही हैं, जिनमें अंडर-14, अंडर-17 और अंडर-19 शामिल हैं।

इंटरनेशनल एरिना चैलेंज : रोमांचक मुकाबले में टीम यूएसए ने भारत को 14-12 से हराया

कैलिफोर्निया, 06 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

उत्सुकता से भरी कॉम्ब्स इंटरनेशनल एरिना चैलेंज में पोलो के दो दिग्गजों के बीच रोमांचक मुकाबला देखने को मिला, जिसमें टीम यूएसए ने एक कड़े मुकाबले में टीम इंडिया को 14-12 से हराया।

कैलिफोर्निया के लेकसाइड पोलो क्लब में एकत्रित हुई भारी दर्शकों के बीच यह मैच खेला गया जो यादगार पल बन गया।

मेजबान का प्रतिनिधित्व निकोल बैंकहेड (1 हैंडीकैप), रॉबी पिजारो (2 हैंडीकैप) और डेविड ब्रूक्स (3 हैंडीकैप) कर रहे थे, जिनका मुकाबला भारतीय टीम की ओर से अर्सलान खान (0 हैंडीकैप), चैतन्य आर. कुमार (1 हैंडीकैप) और पृथ्वी राठौर (1 हैंडीकैप) शामिल थे।

संयोग से, भारत ने मैच में 4-0 के स्कोर के साथ शुरुआत की, जिसका श्रेय उसे चार गोल के हैंडीकैप लाभ को जाता है। वास्तव में, भारत ने पहले दो राउण्ड मेंदमदार प्रदर्शन करके अपनी स्थिति मजबूत की, जिसके बाद उसका स्कोर 9-7 रहा।

इससे पहले, इस इवेंट की शानदार शुरुआत हुई जब रॉबी पिजारो ने मेजबान के लिए दो अंकों का शानदार गोल किया। मेहमान टीम के चैतन्य कुमार (सीके) ने इस मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया, जिन्होंने दो पेनाल्टी को सफलतापूर्वक गोल में बदला- एक दो मिनट के बाद और दूसरा चौथे मिनट में।

इन दो प्रभावशाली देशों को इस तरह की चुनौती में एक साथ लाना खेल को आगे बढ़ाता है। अमेरिकन इंटरनेशनल पोलो फाउंडेशन का प्रतिनिधित्व करने वाले एड आर्मस्ट्रांग और भारतीय पोलो एसोसिएशन के सचिव कर्नल विक्रम कहलोन ने इस आयोजन को सुगम बनाया।

ग्वालियर में 14 साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच, भारत-बांग्लादेश के बीच खेला जाएगा टी-20 मुकाबला

ग्वालियर, 06 अक्टूबर (एजेंसियां) ।

भारत और बांग्लादेश के बीच तीन मैच की टी-20 श्रृंखला का पहला मुकाबला ग्वालियर में खेला जाएगा। श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्टेडियम में शुरू होगा। ग्वालियर में 14 साल बाद कोई अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच होने जा रहा है। इससे पहले यहां 1988 से 2010 तक 12 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेले गए हैं, जिनमें से आठ बार भारतीय टीम को जीत हासिल हुई।

ये सभी मैच शहर के पुराने कैप्टन रूप सिंह स्टेडियम में खेले गए थे। वनडे का पहला दोहरा शतक भी यहीं लगा था। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले भारत के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने 24 फरवरी, 2010 को कैप्टन रूप सिंह स्टेडियम में साउथ अफ्रीका के खिलाफ यह शतक लगाया था।

इस दौरान ग्वालियर को क्रिकेट मैच आयोजन के मौके मिले, लेकिन स्टेडियम में खामियों के चलते इन्हें इंदौर शिफ्ट कर दिया गया।

इसके बाद नौ साल पहले ग्वालियर के शंकरपुर में नये स्टेडियम की नींव रखी गई थी। इसी साल यह श्रीमंत माधवराव सिंधिया स्टेडियम बनकर तैयार हुआ और हाल ही में इसका लोकार्पण हुआ है। शहर से 15 किलोमीटर दूर बने इस मैदान पर रविवार को पहला अंतरराष्ट्रीय मैच खेला जा रहा है। इसकी दर्शक क्षमता करीब 30 हजार है।

यहां सुरक्षा की कड़ी व्यवस्था की गई है। यहां शाम चार बजे दर्शकों को मैदान में प्रवेश शुरू हो जाएगा। दर्शक स्टेडियम के अंदर मोबाइल ले जा सकेंगे। पानी बोटल, हैंड बैग, फूड, सिगरेट, माचिस, गैस लाइटर, गुटखा, धारदार चीज ले जाने की मनाही है।

ग्वालियर के इस स्टेडियम की पिच बल्लेबाजों के लिए अनुकूल मानी जा रही है। यहां तीन दिन तक दोनों टीमों ने अभ्यास किया है। पिच क्यूरेटर मनोहर जामले ने बताया कि लगातार बारिश के बाद भी पिच में नमी संतुलित रखी गई है।

टी-20 फॉर्मेट के अनुकूल पिच पर दर्शकों को चौके-छक्के देखने को मिलेंगे। हालांकि, शुरुआती ओवरों में गेंदबाजों को मदद मिल सकती है। शनिवार की रात केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी मैदान का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया है।

इधर, ग्वालियर क्राइम ब्रांच ने भारत-बांग्लादेश टी-20 क्रिकेट मैच के टिकट ब्लैक करते हुए तीन युवकों को पकड़ा है। मुखबिर की सूचना पर शनिवार देर रात पकड़े गए युवकों से 11 हजार रुपये से अधिक कीमत के आठ टिकट बरामद हुए हैं। आरोपित दोगुनी कीमत पर टिकट ब्लैक कर रहे थे। फिलहाल क्राइम ब्रांच ने पकड़े गए युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनसे पूछताछ कर रही है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ

अडाणी समूह ने अहमदाबाद में हरित हाइड्रोजन मिश्रित पीएनजी आपूर्ति शुरू की

नई दिल्ली, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। अदाणी समूह ने अहमदाबाद के कुछ हिस्सों में घरों में आपूर्ति की जाने वाली खाना खाना पकाने वाली प्राकृतिक गैस (पीएनजी) में हरित हाइड्रोजन का मिश्रण शुरू कर दिया है। फ्रांस की ऊर्जा क्षेत्र की दिग्गज टोटलएनर्जीज के साथ समूह की शहर गैस वितरण इकाई अदाणी टोटल गैस लिमिटेड (एटीजीएल) ने अहमदाबाद के शांतिग्राम में पाइप वाली प्राकृतिक गैस आपूर्ति में 2.2-2.3 प्रतिशत हरित हाइड्रोजन का मिश्रण करना शुरू कर दिया है। लिंक्डइन पर पोस्ट में कंपनी ने यह जानकारी दी। स्वच्छ मार्गों के माध्यम से उत्पादित हाइड्रोजन को प्राकृतिक गैस पाइपलाइन में डाला जाता है। कंपनी ने इलेक्ट्रोलाइसिस प्रक्रिया के माध्यम से पानी को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में विभाजित करने के लिए पवन या सौर ऊर्जा जैसे नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके हरित हाइड्रोजन का उत्पादन शुरू किया है। इस हाइड्रोजन को प्राकृतिक गैस में मिलाया जाता है। इसकी आपूर्ति घरों में खाना पकाने के लिए और उद्योग को की जाती है। एटीजीएल ने बयान कहा कि हम अहमदाबाद के अदाणी शांतिग्राम में अपने हाइड्रोजन मिश्रण प्रणाली के सफलता से शुरू होने की घोषणा करते हुए काफी रोमांचित हैं। पोस्ट में कहा गया है कि यह परियोजना 4,000 घरेलू और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को निर्बाध हाइड्रोजन-मिश्रित प्राकृतिक गैस प्रदान करेगी। वर्तमान में सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली उत्पादक एनटीपीसी गुजरात के सूरत जिले के कवास में घरों को हरित हाइड्रोजन मिश्रित प्राकृतिक गैस की आपूर्ति करती है। गेल (इंडिया) लिमिटेड भी मध्य प्रदेश के इंदौर में ग्रे हाइड्रोजन के साथ सीएनजी की आपूर्ति के लिए एक छोटी पायलट परियोजना पर काम कर रही है।

न्यूज ब्रीफ

इस सप्ताह आएंगे दो आईपीओ, 365 करोड़ जुटाए जाएंगे

नई दिल्ली। हाल के सप्ताहों में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) की बाढ़ के बाद प्राथमिक बाजार में इस सप्ताह सिर्फ दो आईपीओ आ रहे हैं, जिनके जरिये करीब 365 करोड़ रुपये जुटाए जाएंगे। सितंबर में मुख्य मंच पर 12 आईपीओ और एसएमई (लघु और मझोले उद्यम) खंड में 40 आईपीओ आए थे। सात अक्टूबर से शुरू होने वाले अगले सप्ताह मुख्य मंच पर गरुड़ कंस्ट्रक्शन एंड इंजीनियरिंग और एसएमई खंड पर शिव टेक्सकेम के आईपीओ आने हैं। गरुड़ कंस्ट्रक्शन आईपीओ के जरिये 264 करोड़ रुपये जुटाना चाहती है। गरुड़ कंस्ट्रक्शन का आईपीओ आठ अक्टूबर को खुलकर 10 अक्टूबर को बंद होगा। शिव टेक्सकेम का 8-10 अक्टूबर के दौरान अपने आईपीओ के जरिये 101 करोड़ रुपये से अधिक जुटाने का लक्ष्य है। इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष के चलते अक्टूबर की शुरुआत से शेयर बाजार में काफी गिरावट आई है। प्राइम डेटाबेस के अनुसार अस्थायी सुस्ती के बावजूद कुल मिलाकर आईपीओ बाजार का परिदृश्य सकारात्मक है। अभी 26 कंपनियों के पास आईपीओ के लिए भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की मंजूरी है, जिसके जरिये वे 72,000 करोड़ रुपये जुटाना चाहती हैं। इसके अलावा 55 कंपनियों के आईपीओ प्रस्ताव सेबी के पास विचाराधीन हैं। इन कंपनियों की आईपीओ के जरिये 89,000 करोड़ रुपये जुटाने की योजना है।

घरेलू सड़क लॉजिस्टिक्स उद्योग राजस्व नौ फीसदी तक बढ़ सकता है: आईसीआरए

नई दिल्ली। घरेलू सड़क लॉजिस्टिक्स उद्योग को चालू वित्त वर्ष में राजस्व में नौ प्रतिशत तक वृद्धि की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने एक रिपोर्ट में कहा कि संगठित सड़क लॉजिस्टिक्स रिपोर्ट में पिछले वित्त वर्ष (2023-24) में 4.6 प्रतशत की वृद्धि हुई थी। इक्रा के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष में इस उद्योग का राजस्व 23,273 करोड़ रुपये रहा था। रिपोर्ट के अनुसार इक्रा को उम्मीद है कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय सड़क लॉजिस्टिक्स उद्योग का राजस्व सालाना आधार पर छह से नौ प्रतिशत की दर से बढ़ेगा। एजेंसी ने कहा कि ई-कॉमर्स, एफएमसीजी, खुदरा, रसायन, फार्मास्यूटिकल्स और औद्योगिक वस्तुओं जैसे क्षेत्रों से अच्छी मांग, विभिन्न सरकारी उपायों और नीतियों से इस क्षेत्र के लिए एक स्थिर दृष्टिकोण बना हुआ है। इक्रा लिमिटेड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पिछले वित्त वर्ष में उच्च मुद्रास्फीति, असमान मानसून, अपेक्षाकृत फीका त्योहारी सत्र और बढ़ती ब्याज दर के बीच अपेक्षाकृत सुस्त ांग के कारण वृद्धि धीमी रही थी।

एफपीआई ने अक्टूबर में भारतीय शेयरों से 27,142 करोड़ निकाले

नई दिल्ली। इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष, कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल और चीन के बाजारों के बेहतर प्रदर्शन के कारण अक्टूबर के पहले तीन कारोबारी सत्रों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय शेयर बाजारों से 27,142 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले सितंबर में भारतीय शेयर बाजार में एफपीआई का निवेश नौ महीने के उच्च स्तर 57,724 करोड़ रुपये पर पहुंच गया था। अप्रैल-मई में शेयरों से 34,252 करोड़ रुपये निकालने के बाद जून से एफपीआई लगातार लिवाल रहे हैं। डिपॉजिटरी के आंकड़ों से पता चलता है कि 2024 में जनवरी, अप्रैल और मई को छोड़कर अन्य महीनों में एफपीआई शुद्ध लिवाल रहे हैं। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भू-राजनीतिक घटनाक्रम और ब्याज दरों की भविष्य की दिशा जैसे कारक आगे भारतीय बाजार में एफपीआई के निवेश की दिशा तय करेंगे। आंकड़ों के अनुसार एक से चार अक्टूबर के बीच एफपीआई ने शेयरों से 27,142 करोड़ रुपये निकाले हैं। दो अक्टूबर को 'गांधी जयंती' के उपलक्ष्य में बाजार बंद रहे थे। ऋण या बॉन्ड बाजार की बात करें, तो समीक्षाधीन अवधि में एफपीआई ने सामान्य सीमा के माध्यम से 900 करोड़ निकाले हैं और स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग (वीआरआर) के माध्यम से 190 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

प. बंगाल में...

शामिल हैं, उन्हें देश से बाहर निकाला जाए। कट्टरपंथी इस्लामी संगठनों को ब्लैकलिस्ट किया जाए, जो हिंदुओं के खिलाफ नफरत फैलाते हैं। बांग्लादेश में बने उत्पादों का बहिष्कार किया जाए।

आर बंदोपाध्याय ने बताया कि पहले तीन मांगें भारत सरकार से की गई हैं। जबकि चौथी मांग हिंदू समुदाय के लोगों से की गई है। बांग्लादेश-आउट अभियान के बांग्ला और अंग्रेजी में छपे पोस्टरों में हिंदुओं के नरसंहार को रोकने, समुदाय को बचाने की जरूरत और चल रहे अत्याचारों के खिलाफ चुप्पी तोड़ने पर जोर दिया गया है। बांग्ला भाषा में छपे पोस्टरों में हिंदू समुदाय के मंदिरों और घरों के विनाश, हत्याओं, अपहरण और बलात्कार को उजागर किया गया है। बंगाली पोस्टर में लिखा है, हिंदुओं के खून से रंगे बांग्लादेशी कपड़ों का बहिष्कार करें। इसमें ज़ारा, एचएंडएम, जीएपी जैसे ब्रांडों का नाम भी शामिल है। बंगाली पोस्टर में उन कपड़ों की भी लिस्ट है, जो बांग्लादेश से मंगाए जाते हैं- जैसे साड़ी, चूड़ीदार, टी-शर्ट, शर्ट, जीन्स, स्वेटर, और लुंगी।

बांग्लादेशी सामानों के बहिष्कार का आंदोलन राज्य के व्यस्ततम इलाकों में पोस्टर लगाने से शुरू हुआ था और धीरे-धीरे आम लोग उससे जुड़ते चले गए। लोगों में जागरूकता लाने के लिए इस अभियान से जुड़े स्वयंसेवकों ने लोगों को भी जागरूक करना शुरू किया और लोगों को मौखिक रूप से भी इस अभियान की जरूरत को समझाया। उन्होंने बंगाली हिंदू समुदाय से सोशल मीडिया के माध्यम से हो रहे भ्रामक प्रचार से भी सावधान रहने की अपील की, जिसमें बांग्लादेश के हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचारों को दबाने, छिपाने की कोशिशें की जाती हैं। कई वीडियो में बंगाल के हिंदुओं को बांग्लादेशी वस्त्रों का बहिष्कार करते हुए देखा गया। जनता की प्रतिक्रिया जबरदस्त थी। बंगाली हिंदुओं ने यहां तक कसम खाई है कि वे पद्मा नदी की हिलसा मछली नहीं खाएंगे।

उल्लेखनीय है कि सत्ता पलट के बाद बांग्लादेश सरकार ने दुर्गा पूजा के दौरान भारत को हिलसा मछली भेजने की परंपरा पर रोक लगा दी थी। लेकिन बाद में इस फैसले को पलट दिया गया। इसके बावजूद, बंगाली हिंदुओं ने यह साफ किया कि उनके लिए एक हिंदुओं का जीवन पसंदीदा हिलसा मछली से अधिक महत्वपूर्ण है। यह भावना बंगाल के हिंदुओं के वीडियो इंटरव्यू में भी झलकती है, जिन्होंने बॉयकॉट बांग्लादेश अभियान का समर्थन किया। कुछ जूनियर डॉक्टर और छात्र भी इस अभियान में शामिल हो गए हैं। एक डॉक्टर ने कहा, बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति बेहद चिंताजनक है। महिलाएं अत्याचार का शिकार हो रही हैं। हिंदू मंदिर नष्ट किए जा रहे हैं। इसलिए हम बांग्लादेश का बहिष्कार कर रहे हैं। ममता सरकार के खिलाफ कोलकाता पुलिस के वॉटर कैनन का सामना करने वाले हिंदू संत ने भी इस अभियान का समर्थन किया और बांग्लादेशी उत्पादों के बहिष्कार की मांग की। बांग्लादेश-आउट आंदोलन को सोशल मीडिया पर भी जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। समर्थन करने वालों में प्रसिद्ध यूट्यूबर्स और कार्यकर्ता मसलन रुद्र प्रसाद बनर्जी, सौरीश मुखर्जी जैसे अनगिनत लोग शामिल हैं। बायकॉट बांग्लादेश अभियान की अगुवाई कर रहे मयुख पाल ने बताया कि उनका आंदोलन उत्तर 24 परगना से शुरू हुआ और पूरे राज्य में फैल गया। उन्होंने बताया कि उन्होंने भारत के अन्य हिस्सों में भी जागरूकता बढ़ाने के लिए अपने पोस्टरों की सॉफ्ट कॉपी भेजी है।बांग्लादेश में हिंदुओं से घृणा के मामले हमले से सामने आते रहे हैं। लेकिन पिछले कुछ समय में हिंदू मंदिरों, दुकानों और व्यवसायों पर कम से कम 205 हमले हो चुके हैं, विशेषकर शेख हसीना के प्रधानमंत्री पद से हटने के बाद। बांग्लादेश में दुर्गापूजा के लिए बनाई जा रही मूर्तियों को इस्लामी कट्टरपंथियों ने तोड़ दिया और हिंदुओं से पैसों की उगाही की जा रही है। चटगांव में एक हिंदू युवक को ईशनिंदा के आरोप में उसकी मॉब लिंचिंग के लिए इस्लामी कट्टरपंथियों की भीड़ ने पूरे थाने को ही घेरा लिया और आर्मी की गाड़ियों तक में आग लगा दी थी। यह भी खुलासा हुआ कि मुस्लिम छात्रों ने 60 से अधिक हिंदू शिक्षकों, प्रोफेसरों और सरकारी अधिकारियों को अपने पदों से इस्तीफा देने के लिए मजबूर किया है। मानवाधिकार कार्यकर्ता और निर्वासित बांग्लादेशी ब्लॉगर असद नूर ने बताया कि अल्पसंख्यक समुदाय को जमात-ए-इस्लामी में शामिल होने के लिए मजबूर किया जा रहा है। बांग्लादेश में पिछले 6 दिनों में कुल 16 हिंदू देवी-देवताओं की मूर्तियों और तीन मंदिरों पर हमला किया जा चुका है। लेकिन हमेशा की तरह अब भी हिंदुओं के खिलाफ हिंसा को फर्जी या राजनीति-प्रेरित बताकर बांग्लादेशी सरकार इस्लामी कट्टरपंथियों की मदद कर रही है।

बांग्लादेश में ...

बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के लोग डर के माहौल में दुर्गा पूजा मनाने की कोशिश कर रहे हैं। बांग्लादेश की सरकार और एजेंसियों ने हिंदू समुदाय को अतिरिक्त सावधानी बरतने के लिए कहा है। अंसार के बयान से पहले रैपिड एक्शन बटालियन, बीजीबी या आरएबी ने भी हिंदुओं को सुरक्षा को लेकर चेताया था। बीजीबी के महानिदेशक, मेजर जनरल मोहम्मद अशरफुल इस्लाम सिद्दीकी ने शुक्रवार को दुर्गा पूजा के दौरान अशांति या अस्थिरता को लेकर आशंका जताई थी। चटगांव के पहाड़ी क्षेत्रों में लगातार हिंदुओं के दुर्गापूजा पंडालों पर हमले किए जा रहे हैं। इससे पहले समाज कल्याण सलाहकार शर्मिन एस मुर्शीद ने मंत्रालय की ओर से कहा था कि पंडालों की सुरक्षा के लिए 84000 स्वयंसेवकों की तैनाती की जा रही है।

भारत में ...

पिछले पांच-दस सालों में सबसे बड़ी चीज जो हम सबके जीवन में हुई, वह थी कोविड। इस बारे में सोचें कि संयुक्त राष्ट्र ने कोविड पर क्या किया। मुझे लगता है कि इसका कोई उत्तर नहीं है। जयशंकर ने कहा कि आज दुनिया में दो संघर्ष चल रहे हैं, उसे लेकर भी संयुक्त राष्ट्र केवल एक दर्शक की भूमिका में है। कोविड के दौरान देशों ने या तो अपना काम किया या कोवैक्स जैसी पहल की। देशों का संयोजन तेजी से बढ़ रहा है। क्योंकि कई देश ऐसे हैं जो एक साथ आते हैं और कहते हैं सहमत हों और चलें, इसे करें। मुझे लगता है कि संयुक्त राष्ट्र जारी रहेगा, लेकिन तेजी से एक गैर-संयुक्त राष्ट्र अपना स्थान बना रहा है।

उज्ज्वल भविष्य...

हमारे साझा प्रयास एकता पर निर्भर करते हैं। प्रधानमंत्री ने भगवान बुद्ध और महात्मा गांधी से प्रेरणा लेकर शांति के लिए भारत की ऐतिहासिक प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। पीएम ने लिखा कि मुख्य न्यायाधीश, मंत्री, संसद सदस्यों, बार नेताओं, लेखकों, संपादकों और कानून शिक्षकों की सामूहिक विशेषज्ञता वैश्विक शांति और समृद्धि को बढ़ावा देने वाली नीतियों को आकार देने के लिए महत्वपूर्ण है।प्रधानमंत्री ने लिखा कि नए संघर्ष राष्ट्रों की सामाजिक और आर्थिक स्थिरता को खतरा पहुंचाते हैं। इन चुनौतियों का सामना केवल वैश्विक कार्रवाई और लोगों के बीच आपसी जुड़ाव के माध्यम से ही प्रभावी ढंग से किया जा सकता है। पीएम ने कहा कि भारत एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य के दर्शन से प्रेरित और वैश्विक शांति, एकता और भाईचारे को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। इसका उद्देश्य भविष्य की पीढ़ियों के लिए शांतिपूर्ण दुनिया का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में होने वाली चर्चा शांति, सद्भाव और कल्याण के लिए दूरदर्शी रूपरेखा तैयार करेगी। उन्होंने प्रतिभागियों को उनके विचार-विमर्श में सफलता की कामना करते हुए वैश्विक शांति को बढ़ावा देने में उनके सामूहिक प्रयासों के महत्व पर प्रकाश डाला। सम्मेलन नौ और 10 अक्टूबर को लंदन में होगा। इसमें लेखक और न्यायविद हिस्सा लेंगे।

भारत-मालदीव...

और मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के लिए भारत आए थे। मुइज्जू बेंगलुरु और मुंबई भी जाएंगे। इन शहरों में वे व्यापारिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे।पीएम मोदी के शपथग्रहण समारोह में भारत के पड़ोसी और हिंद महासागर क्षेत्र के देशों के प्रमुख शामिल हुए थे। मुइज्जू ने तब कहा था कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी का निमंत्रण पाकर और उनके शपथग्रहण में शामिल होकर खुशी हुई। मुइज्जू ने वापस लौटने के बाद अपनी पहली भारत यात्रा को मालदीव के लिए सफलता बताया था। उन्होंने कहा था कि दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों से मालदीव के लोगों के लिए समृद्धि बढ़ेगी।मुइज्जू के राष्ट्रपति बनने के बाद से मालदीव के साथ भारत के रिश्ते में तनाव आ गया था। अपनी शपथ के कुछ ही घंटों के भीतर उन्होंने भारत द्वारा मालदीव को उपहार में दिए गए तीन विमानन प्लेटफॉर्म पर तैनात भारतीय सैन्यकर्मियों से वापस जाने को कहा था। दोनों पक्षों के बीच बातचीत के बाद भारतीय सैन्यकर्मियों की जगह असैन्य कर्मियों ने ले ली थी। इसके बाद मालदीव के तीन मंत्रियों की ओर से सोशल मीडिया पर भारत तथा प्रधानमंत्री मोदी को लेकर विवादित टिप्पणी किए जाने के बाद तल्खी और बढ़ गई थी। मालदीव के विदेश मंत्रालय ने उनकी टिप्पणियों से दूरी बनाते हुए कहा था कि वे मालदीव सरकार के विचारों का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

कश्मीरी पंडितों ने...

जो पूजा करने के लिए वर्षों बाद लौटे थे। इससे इलाके में भाईचारे और सौहार्द का माहौल देखने को मिला, जो लंबे समय से तनाव और संघर्ष का केंद्र रहा है।शोपियां के उपायुक्त (डीसी) मोहम्मद शाहिद सलीम डार ने खुद अर्धनारीश्वर मंदिर का दौरा किया। उन्होंने इस मौके को एक नए युग की शुरुआत बताया, जो शांति और समृद्धि की दिशा में एक बड़ा कदम है। डीसी ने मंदिर परिसर में पूजा करने आए श्रद्धालुओं से बातचीत की और उनकी समस्याओं को सुना। इसमें सामुदायिक भवन या यात्रा भवन की स्थापना की मांग प्रमुख रही। इस पर डीसी ने शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया, ताकि भविष्य में भी श्रद्धालुओं को उचित सुविधाएं मिल सकें।

पूजा के दौरान, जिला प्रशासन ने सुरक्षा के साथ-साथ अन्य आवश्यक सेवाओं का भी खास ध्यान रखा। स्थानीय अधिकारियों और अन्य विभागों ने मिलकर यह सुनिश्चित किया कि सभी श्रद्धालुओं को सभी सुविधाएं मिलें और किसी प्रकार की कोई दिक्कत न हो। इस पूजा आयोजन के दौरान डीसी मोहम्मद शाहिद सलीम डार ने नादिमर्ग गांव में उन घरों का भी दौरा किया जो कश्मीरी पंडितों के हैं और लंबे समय से खाली पड़े हुए हैं। यह कदम प्रतीकात्मक रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि यह इस बात की ओर संकेत करता है कि प्रशासन इस समुदाय के पुनर्वास और उनके कल्याण के लिए गंभीर है। इन घरों के दौरे से प्रशासनिक अधिकारियों ने कश्मीरी पंडितों की वापसी और पुनर्वास को लेकर अपनी प्रतिबद्धता जताई है।यह पूजा आयोजन इसलिए खास है क्योंकि नदीमर्ग के अर्धनारीश्वर मंदिर में पिछले 20 सालों से कोई धार्मिक क्रियाकलाप नहीं हुआ था। घाटी में आतंकवाद और तनाव के कारण कश्मीरी पंडितों का इस क्षेत्र से पलायन हुआ, और उनके मंदिर वीरान हो गए थे। लेकिन अब, इस आयोजन ने यह साबित किया है कि धीरे-धीरे स्थिति सामान्य हो रही है और पंडित समुदाय अपने सांस्कृतिक और धार्मिक अधिकारों को पुनः प्राप्त कर रहा है।इस पूजा समारोह ने शोपियां जैसे इलाके में सांप्रदायिक सौहार्द का एक अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया है। जहां एक ओर कश्मीरी पंडित अपने धार्मिक स्थान पर लौटे और पूजा की, वहीं दूसरी ओर स्थानीय मुस्लिम समुदाय ने उनका स्वागत कर इस मौके को और भी खास बना दिया। यह घटना उन लोगों के लिए एक संदेश है, जो कश्मीर में केवल हिंसा और संघर्ष की तस्वीर देखते हैं। कश्मीरी पंडितों का इस तरह से अपने मंदिरों में लौटना और पूजा करना घाटी में नए उम्मीदों और संभावनाओं को जन्म देता है। यह केवल धार्मिक क्रियाकलाप नहीं है, बल्कि यह उस सांस्कृतिक विरासत की पुनर्प्राप्ति है, जो दशकों से खोई हुई थी।

चेन्नई के...

इस एयर शो में भारत का गौरव कहे जाने वाला स्वदेश में बना लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एलसीए) तेजस के साथ-साथ राफेल, मिग-29 और सुखोई-30 एमकेआई जैसे अत्याधुनिक फाइटरजेट भी फ्लाईपास्ट में हिस्सा बने। इसके अलावा सूर्य किरण एरोबेटिक्स टीम और सारंग हेलीकॉप्टर डिस्प्ले टीम ने भी अपने हवाई करतब दिखाए। साथ ही, लाइट कॉम्बैट हेलीकॉप्टर प्रचंड और एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर ध्रुव एमके4 ने भी हिस्सा लिया। इसके अलावा नौसेना के पी8आई और विंटेज डकोटा भी फ्लाईपास्ट में शामिल हुए।

भारतीय वायुसेना आज चेन्नई के मरीना बीच पर लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में भी अपना नाम दर्ज कराया। सुबह 11 बजे से शुरू हुए दो घंटे के एयरशो में लगभग 15 लाख दर्शक शामिल हुए। इस कार्यक्रम में एयर एक्सरसाइज के अलावा सागर, आकाश, एरोहेड, त्रिशूल, रुद्र और ध्वज जैसी फॉरमेशंस भी दिखाई गई।पिछले कुछ सालों से भारतीय वायुसेना अलग-अलग शहरों में वायुसेना दिवस समारोह आयोजित कर रही है। पिछले साल प्रयागराज में और उससे पिछले साल चंडीगढ़ में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। इस साल चेन्नई में कार्यक्रम आयोजित करने के पीछे वायुसेना की कोशिश थी कि शो को जनता के करीब लाया जाए, ताकि अधिक से अधिक लोग देश की हवाई क्षमताओं के साक्षी बनें।

एयरशो की तैयारी के लिए, चेन्नई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे का हवाई क्षेत्र आठ अक्टूबर तक बीच-बीच में कुछ समय के लिए 15 मिनट से लेकर दो घंटे तक के लिए बंद रहेगा। इस दौरान कोई भी नागरिक विमान न तो लैंड करेगा और न ही टैक ऑफ करेगा। सबसे लंबे वक्त के लिए आज एयरशो के दिन, सुबह 11 बजे से दोपहर एक बजे तक के लिए हवाई क्षेत्र बंद रहा।

वक्फ बोर्ड कर...

लेकिन, कैथोलिक चर्च का कहना है कि देश में धर्मनिरपेक्षता के कानून के शासन के लिए इसमें सुधार की आवश्यकता है।

वक्फ बोर्ड खुद को मिली असीमित शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए वह देश में कहीं भी, किसी भी सम्पत्तियों पर अपना दावा पेश कर सकता है। खास बात ये है कि वक्फ बोर्ड के खिलाफ कोई सवाल भी नहीं उठा सकता है।

वक्फ से जुड़े मामलों पर अदालतों का भी अधिकार नहीं होता है। इससे जुड़े मामलों में की सुनवाई स्पेशल वक्फ न्यायाधिकरणों के द्वारा की जाती है। आर्च डायोसिस ने सवाल किया है कि जब वक्फ बोर्ड एक ही पंथ के हित में कार्य करता है तो वो किस प्रकार से निष्पक्ष कैसे हो सकता है।

केरल में चेराई और मुनंबम तटीय इलाकों में स्थित कुछ गांवों पर वक्फ ने अपना दावा ठोक दिया था। इस कारण से इलाके के 600 से अधिक क्रिश्चियन परिवार खतरे में बने हुए हैं। आरोप है कि वक्फ बोर्ड देश की भौतिक संपत्तियों पर कब्जा करने के लिए मनमानी कर रहा है। चर्च का कहना है कि भारत में एक कानून है, जो कि सभी पर लागू होता है।

ड्रग्स के ...

40 किलोग्राम मारिजुआना (गांजा) बरामद किया है। पुलिस ने ड्रग तस्करों के अंतरराष्ट्रीय गिरोह का खुलासा करते हुए पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों की पहचान कांग्रेस नेता तुषार गोयल, भरत कुमार जैन, औरंगजेब सिद्दीकी, हिमांशु कुमार व जितेंद्र प्रीत गिल के रूप में हुई है। नशीली दवाओं को गैरकानूनी तरीके से भारत लाया गया था। इस मामले का मुख्य आरोपी तुषार गोयल है, जो यूथ कांग्रेस के आरटीआई सेल का प्रमुख था। कांग्रेस ने सफाई देते हुए कहा कि तुषार को बाद में कांग्रेस पार्टी से निष्कासित कर दिया गया था। लेकिन कांग्रेस ने यह नहीं बताया कि तुषार गोयल को पार्टी से क्यों निकाला गया था।

जुलाई में गृह मंत्री अमित शाह ने छत्तीसगढ़ के रायपुर में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के एक कार्यक्रम में मादक पदार्थों के परिदृश्य पर समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की थी। इस दौरान गृह मंत्री ने पिछले वर्षों में एनसीबी द्वारा पकड़ी गई ड्रग्स का ब्यौरा दिया था। उन्होंने बताया था कि वर्ष 2004 से 2014 तक कुल 1,250 केस दर्ज हुए जबकि 2014 से 2024 तक के 10 साल में 230 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4,150 केस दर्ज हुए। 2004 से 2014 के बीच कुल 1,360 गिरफ्तारी हुई जो अब 6,300 हो गए हैं। इसी प्रकार, 2004 से 2014 के बीच 1 लाख 52 हजार किलोग्राम ड्रग्स पकड़ी गई जबकि 2014 से 2024 के बीच 257 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 5 लाख 43 हजार किलोग्राम ड्रग्स पकड़ी गई है।

2004 से 2014 के बीच जब्त की गई ड्रग्स का मूल्य 5,900 करोड़ रुपए था जबकि 2014 से 2024 के बीच जब्त की गई ड्रग्स का मूल्य 22,000 करोड़ रुपए है। शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एक संगठित अप्रोच के तहत हम 10 साल में ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई को एक अंजाम तक पहुंचाने में सफल रहे हैं।जुलाई 2024 में राज्यसभा में एक प्रश्न के जवाब में केंद्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से 2020 से 2022 तक तीन वर्षों में पकड़ी गई ड्रग्स के आंकड़े जारी किए गए थे।

पकड़ी गई ड्रग्स में अफीम आधारित ड्रग्स, कैनबिस आधारित ड्रग्स, कोकेन, मनोवैज्ञानिक पदार्थ, दवाई बनाने वाले ड्रग्स, एसिटिक एनहाइड्राइड, अन्य दवाएं शामिल थीं। सबसे ज्यादा जब्ती वाले पांच राज्यों की बात करें तो 2020 में तमिलनाडु में सबसे ज्यादा 298682.785 किलोग्राम अफीम, कैनबिस और कोकेन जब्त की गई। उसके बाद राजस्थान में 145363.673 किग्रा, उत्तर प्रदेश में 144434.195 किग्रा, आंध्र प्रदेश में 106042.775 किग्रा, ओडिशा में 81847.001 किग्रा पकड़ी गई। 5 ऐसे राज्य बताने वाले है जहां 2020 से 2022 में अफीम, कैनबिस और कोकीन सबसे भारी मात्रा में पकड़ी गई।

2021 में आंध्र प्रदेश में सबसे ज्यादा 191712.567 किलोग्राम अफीम, कैनबिस और कोकीन को पकड़ा गया। उसके बाद ओडिशा में 169432.735 किग्रा, राजस्थान में 135220.557 किग्रा, उत्तर प्रदेश में 105604.285 किग्रा, मध्य प्रदेश में 64164.611 किग्रा ये ड्रग्स जब्त की गईं।2022 में देखें तो उत्तर प्रदेश में 1035259.982 किलोग्राम अफीम, कैनबिस और कोकेन को पकड़ा गया। उसके बाद क्रमश: आंध्र प्रदेश में 169222.537 किग्रा, राजस्थान में 155147.736 किग्रा, ओडिशा में 144181.034 किग्रा, मध्य प्रदेश में 68355.626 किग्रा ड्रग्स पकड़े जाने के मामले में कतार में रहे।

केरल पीसीएस...

सरकार की तरफ से अब तक कोई बयान या फैसला सामने नहीं आया है।

पेपर लीक की ये घटना एर्नाकुलम और मलप्पुरम जिलों के प्रश्न पत्र परीक्षा से एक दिन पूर्व ही हुई। अभी तक ये स्पष्ट नहीं हो सका है कि ये कैसे हुआ। लेकिन, जो पेपर लीक हुआ है, वो वेबसाइट पर प्रश्नपत्र संख्या 133/2024 एम है, जिसमें 100 प्रश्न दिए गए हैं। केरल पीएससी की आधिकारिक वेबसाइट पर अपलोड किए टाइम स्टैम्प्स में 1 दिन पहले लिखा दिख रहा है। इससे ये स्पष्ट हो गया है कि शुक्रवार की शाम को ही इसे साइट पर अपलोड किया गया है।

खास बात ये है कि जब अगले दिन इसका पेपर हुआ, तो छात्रों को वही पेपर बांटे गए, जिन्हें साइट पर अपलोड किया गया था।

उल्लेखनीय है कि लीक हुआ पेपर केरल पीएससी की वेबसाइट पर पीडीएफ फाइल के तौर पर अपलोड किया गया था। इसमें आयोग का लोगो भी लगा हुआ था। वेबसाइट पर अपलोड पेपर ऑफसेट वाले पेपर से मेल खाता है। सामान्यतः होता ये है कि किसी भी परीक्षा के बाद उससे जुड़ों उत्तरों की एक कुंजी को जारी किया जाता है, ताकि अभ्यर्थी अपने प्रश्नों के उत्तरों की जांच कर सके। हालांकि, केपीएसएसी की वेबसाइट पर परीक्षा से पहले ही प्रश्न पत्र का लीक हो गया, जो कि बेहद गंभीर विषय है।

नवरात्रि का पांचवां दिन आज

ऐसे करें मां स्कंदमाता की पूजा

नवरात्रि के दौरान भक्त मां दुर्गा का आराधना में लीन रहते हैं । नवरात्रि के हर दिन मां दुर्गा के स्वरुपों की पूजा अर्चना की जाती है। नवरात्रि का पांचवा दिन मां स्कंदमाता को समर्पित है। मां के स्वरुप की बात करें तो मान्यता के अनुसार, स्कंदमाता चार भुजाओं वाली हैं, माता अपने दो हाथों में कमल का फूल लिए दिखती हैं। एक हाथ में स्कंदजी बालरूप में बैठे हैं और दूसरे से माता तीर को संभाले हैं।

मां स्कंदमाता कमल के आसन पर विराजमान रहती हैं। इसीलिए इन्हें पद्मासना देवी के नाम से भी जाना जाता है। स्कंदमाता का वाहन सिंह है। शेर पर सवार होकर माता दुर्गा अपने पांचवें स्वरुप स्कन्दमाता के रुप में भक्तजनों के कल्याण करती हैं।

वैदिक पंचांग के अनुसार, मां स्कंदमाता की पूजा करने के लिए शुभ मुहूर्त सुबह 11 बजकर 40 मिनट से लेकर 12 बजकर 30 मिनट तक रहेगा।

नवरात्रि के पांचवे दिन सबसे पहले स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें। इसके बाद घर के मंदिर या पूजा स्थान में चौकी पर स्कंदमाता की तस्वीर या प्रतिमा स्थापित करें। गंगाजल से शुद्धिकरण करें फिर एक कलश में पानी लेकर उसमें कुछ सिक्के डालें और उसे चौकी पर रखें। अब पूजा का संकल्प लें।

इसके बाद स्कंदमाता को रोली-कुमकुम लगाकर नैवेद्य अर्पित करें। अब धूप-दीपक से मां की आरती और मंत्र जाप करें। स्कंद माता को सफेद रंग बहुत प्रिय है। इसलिए भक्त सफेद रंग के कपड़े पहनकर मां को केले का भोग लगाएं। मान्यता है कि ऐसा करने से मां सदा निरोगी रहने का आशीर्वाद देती हैं।

स्कंदमाता का मंत्र

या देवी सर्वभूतेषु मां स्कन्दमाता रूपेण संस्थिता।
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।
सिंहासनगता नित्यं पद्माश्रित करद्वया।
शुभदास्तु सदा देवी स्कन्दमाता यशस्विनी।।

स्कंदमाता की पूजा का महत्व

मान्यता है कि नवरात्रि के पांचवे दिन स्कंदमाता की पूजा करने से जिन लोगों को संतान प्राप्ति में बाधा आ रही हो, उनकी इच्छा माता पूरी करती हैं। आदिशक्ति का यह स्वरूप संतान प्राप्ति की कामना पूर्ण करनेवाला माना गया है। स्कंदमाता की पूजा में कुमार कार्तिकेय का होना जरूरी माना गया है। मां की कृपा से बुद्धि का विकास होता है और ज्ञान का आशीर्वाद प्राप्त होता है।पारिवारिक शांति की बनी रहती है।

साल में कितने बार मनाई जाती है नवरात्रि

क्या आप जानते हैं फर्क?

नवरात्रि का त्योहार हिंदू धर्म में बहुत मायने रखता है। इस त्योहार को बहुत धूम-धाम से मनाया जाता है। 9 दिनों तक चलने वाले इस त्योहार में माता रानी की आराधना की जाती है। लेकिन इसे साल में एक बार नहीं बल्कि 2 बार मनाया जाता है। मौजूदा समय में शारदीय नवरात्रि चल रही है। इसले अलावा चैत्र नवरात्रि भी होती है। दोनों ही नवरात्रि एक साल के अंदर ही पड़ती हैं। आइये जानते हैं कि दोनों नवरात्रि का क्या है महत्व और दोनों में फर्क क्या है।

हिंदू धर्म में दुर्गा मां को महाशक्ति का प्रतीक माना गया है। कहा जाता है कि 9 दिन तक सच्चे मन से अगर आप देवी मां की आराधना करें तो भक्तों को इसका लाभ मिलता है। लोग इस 9 दिन देवी मां के 9 अलग-अलग स्वरूपों की आराधना करते हैं और माता की कृपा उनपर बरसती है।

आश्विन माह में शारदीय नवरात्रि मनाते हैं। हर साल आश्विन माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत होती है। पौराणिक कथा की मानें तो आश्विन महीने में ही शारदीय नवरात्रि की शुरुआत होती है। 9 दिन तक दैत्य महिषासुर से लड़ने के बाद दुर्गा मां ने दसवें दिन उनका वध कर दिया था। तभी से नवरात्रि और विजयादशमी मनाने की परंपरा चली आ रही है। शारदीय नवरात्रि को धर्म पर अधर्म की विजय का प्रतीक माना जाता है। आश्विन महीने में ही शरद ऋतु की शुरुआत होती है इसलिए इसे शारदीय नवरात्रि के नाम से जाना जाता है।

चैत्र नवरात्रि की बात करें तो चैत्र महीने के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि को चैत्र नवरात्रि की शुरुआत हो जाती है। कहा जाता है कि माता पार्वती ने जब महिषासुर से लड़ने के लिए अपने अंश से 9 रूप प्रकट किए तो देवी-देवताओं ने अपने शस्त्र देकर शक्ति का संचार किया। ये पूरी प्रक्रिया 9 दिनों तक चली। इसके बाद से ही नवरात्रि मनाने की परंपरा शुरू हो गई।

चैत्र नवरात्रि और शारदीय नवरात्रि में काफी फर्क है। चैत्र नवरात्रि की शुरुआत हिंदू नववर्ष की शुरुआत को माना जाता है वहीं शारदीय नवरात्रि मध्यकाल में मनाई जाती है।

चैत्र नवरात्रि में मां शक्ति की साधना करने का बहुत महत्व बताया गया है वहीं शारदीय नवरात्रि में दुर्गा पूजा और उत्सव को खास महत्व दिया गया है। इसके अलावा चैत्र नवरात्रि की लोकप्रियता महाराष्ट्र, तेलंगाना और कर्नाटक में ज्यादा है वहीं शारदीय नवरात्रि की लोकप्रियता वेस्ट बंगाल और गुजरात की तरफ ज्यादा है।

शक्ति उपासना का प्रमुख केंद्र है पटनदेवी मंदिर

बिहार की राजधानी पटना में स्थित पटन देवी मंदिर को शक्ति उपासना का प्रमुख केंद्र माना जाता है। बिहार की राजधानी पटना के गुलजार बाग इलाके में स्थित बड़ी पटन देवी मंदिर परिसर में काले पत्थर की बनी महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती की प्रतिमा स्थापित हैं। इसके अलावा यहां भैरव की प्रतिमा भी है। देवी भागवत पुराण के अनुसार, सती की दाहिनी जांघ यहां गिरी थी। पूरे देश में सती के 51 शक्तिपीठों में प्रमुख इस उपासना स्थल में माता की तीन स्वरूपों वाली प्रतिमाएं विराजित हैं। मंदिर में पटन देवी भी दो हैं,छोटी पटन देवी और बड़ी पटन देवी जिनके लिए अलग-अलग मंदिर हैं।पटना की नगर रक्षिका भगवती पटनेश्वरी हैं, जो छोटी पटन देवी के नाम से भी जानी जाती हैं। यहां मंदिर परिसर में मां महाकाली, महालक्ष्मी और महासरस्वती की स्वर्णाभूषणों, छत्र एवं चंवर के साथ विद्यमान हैं। मंदिर के पीछे एक बहुत बड़ा गड्ढा है, जिसे 'पटनदेवी खंदा' कहा जाता है।मान्यता के अनुसार इस स्थान से मूर्तियां अवतरित हुई थीं।

बिहार ही नहीं बल्कि पूरे देश में प्रसिद्ध इस शक्तिपीठ की मूर्तियां सतयुग की मानी जाती हैं। मंदिर परिसर में ही योनिकुंड है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि इसमें डाली जाने वाली हवन सामग्री भूगर्भ में चली जाती है। देवी को प्रतिदिन दिन में कच्ची और रात में पक्की भोज्य सामग्री का भोग लगता है।

वैसे तो यहां मां के भक्तों की प्रतिदिन भारी भीड़ लगी रहती है, लेकिन नवरात्र के प्रारंभ होते ही इस मंदिर में भक्तों का तांता लग जाता है। लोग प्रत्येक मांगलिक कार्य के बाद यहां जरूर आते हैं।'नवरात्र के दौरान महाष्टमी और नवमी को पटन देवी के दोनों मंदिरों में हजारों श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूर्ति के लिए आते हैं।

मान्यता है कि जो भक्त सच्चे दिल से यहां आकर मां की अराधना करते हैं, उनकी मनोकामना जरूर पूरी होती है। मंदिर में वैदिक और तांत्रिक विधि से पूजा होती है। वैदिक पूजा सार्वजनिक होती है, जबकि तांत्रिक पूजा चंद मिनट की होती है। तांत्रिक पूजा के दौरान भगवती का पट बंद रहता है। स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, यह मंदिर कालिक मंत्र की सिद्धि के लिए प्रसिद्ध है।

बिजनेस में प्रॉफिट देने वाली माता, 250 साल पुराना हैं नहर वाली दुर्गा का मंदिर

मध्य प्रदेश के ग्वालियर में नाका चंद्रबदनी पर ढाई सौ वर्ष प्राचीन नहर मां दुर्गा के बाघेश्वरी स्वरूप विराजित माता का मंदिर है। यह मंदिर नहर के किनारे पहाड़ पर होने के कारण नाम नहरवाली माता के रूप में प्रचालित हो गया।यह देवी उत्तरमुखी शेर पर विराजमान है। अमूमन देवी दक्षिणमुखी शेर पर विराजमान होती हैं। माता जब राक्षसों का संहार कर दक्षिण से लौट रहीं थी, उस समय का यह स्वरूप है।

चामुंडा देवी की स्वयंभू प्रतिमा का हुआ था प्राकट्य

मान्यता है कि चामुंडा देवी स्वयंभू प्रतिमा का प्राकट्य हुआ था जो कि आज भी गर्भगृह में विराजित हैं। 104 वर्ष पूर्व सेठ रामनारायण को माता की कृपा की संतान की प्राप्ति होने पर इस मंदिर का निर्माण कराया था और नगर कोट से बाघेश्वरी देवी लाकर विराजित की थी।

देवी के विग्रह के ठीक सामने भैरव जी विराजित होने के साथ दो दीप स्तंभ हैं। कुछ वर्ष पूर्व मंदिर में माता लक्ष्मी व भगवान शिव की प्राण प्रतिष्ठा की गई है। मंदिर के पुजारी हेमंत कुशवाह ने बताया कि शारदीय व चैत्र नवरात्र पर मेला जैसा माहौल रहता है।

हेमंत कुशवाह के परिवार की सातवीं पीढ़ी अभी मंदिर की सेवा कर रही है। मंदिर के संबंध में मान्यता है कि देवी के दर्शन मात्र से घाटे चल रहा व्यापार लाभ देने लगता है। मंदिर में नियमित रूप से पूजा-अर्चना होती है। हर मन्नत पूरी होती है।

उपांग ललिता व्रत आज, इस सरल विधि से करें पूजा

जानें शुभ तिथि से लेकर पारण तक सबकुछ

उपांग ललिता व्रत हर साल आश्विन महीने के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है। इस दौरान माता की पूजा करने से वे भक्तों से प्रसन्न होती हैं और उनकी विशेष कृपा देखने को मिलती है। मां ललिता को सती माता का ही रूप माना जाता है। इस दौरान माता रानी के इस स्वरूप की पूजा की जाती है। बता रहे हैं कि 2024 में उपांग ललिता व्रत कब रखना है और इस दिन की पूजा मुहूर्त से लेकर पूजा विधि तक क्या हैं।

पंचांग की मानें तो हर साल आश्विन महीने के कृष्ण पक्ष की पंचमी तिथि को उपांग ललिता व्रत मनाया जाता है। साल 2024 में 07 अक्तूबर 2024 को उपांग ललिता व्रत रखा जाएगा। आश्विन महीने के कृष्ण पक्ष की पांचवीं तिथि की शुरुआत 07 अक्तूबर, सेमवार के दिन 09 बजकर 47 मिनट से शुरू हो जाएगा और 08 अक्तूबर को सुबह 11 बजकर 17 मिनट पर इसका समापन होगा। नवरात्रि में पांचवे दिन मां स्कंदमाता की पूजा करने के साथ ही त्रिपुरा सुंदरी मां ललिता का व्रत रखा जाता है और उनकी पूजा की जाती है। इस त्योहार की महत्ता सबसे ज्यादा गुजरात और महाराष्ट्र जैसी जगहों पर है।

ललिता व्रत पूजा विधि

* सुबह जल्दी उठकर नहाएं और साफ-सुथरे कपड़े पहनें
* इसके बाद शालीग्राम के विग्रह समेत शिव-पार्वती और कार्तिकेय जी की तस्वीर एक साथ रख लें
* फिर फल-फूल, अबीर-गुलाल, नारियल, कुमकुम, अक्षत, हल्दी, दीपक और घी समेत अन्य सामग्री भी बंटोर लें
* मां ललिता को पुष्प, सिंदूर समेत लाल रंग के वस्त्र चढ़ाएं और माता रानी का ध्यान करें

पूजा के दौरान कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखें। इस दिन आपको किसी भी तरह के नशे से दूर रहना है और मीट-मछली का सेवन नहीं करना है। इसके अलावा इस दिन कुछ मंत्रों का जाप करने से आपके कष्ट का निवारण हो सकता है। सही पूजा विधि के साथ पूजा करने का भी लाभ भक्तों को देखने को मिलता है।

उपांग ललिता व्रत के दौरान कुछ मंत्रों का जाप करना सुखद माना जाता है। 'ॐ श्रीं ह्रीं क्लीं ऐं सौ: ॐ ह्रीं श्रीं क ए ई ल ह्रीं ह स क ह ल ह्रीं सकल ह्रीं सौ: ऐं क्लीं ह्रीं श्रीं नमः' नाम के मंत्र का अधिक से अधिक जाप करें। इसी के साथ इस दिन ललिता सहस्त्रनाम का जाप करने से और ललितात्रिशती का पाठ करने से भी इंसान के जीवन के सभी दुख खत्म होते हैं और जीवन में आर्थिक फायदा मिलती है।

हिंदू धर्म में व्रत खत्म करने के बाद पारण की भी बहुत महत्ता बताई गई है। उपांग ललिता व्रत का पारण करने के लिए, सबसे पहले आपको भगवान सूर्य की पूजा करनी चाहिए और उन्हें अर्घ्य देना चाहिए। इसके बाद इस दिन भगवान जीमूतवाहन(राजा) का ध्यान करना चाहिए। फिर अन्न और जल ग्रहण कर सकते हैं।

नेतुला महारानी मंदिर में पूजा करने से श्रद्धालुओं को नेत्र विकार से मिलती है मुक्ति

बिहार में जमुई जिले के सिकंदरा प्रखंड स्थित नेतुला महारानी मंदिर में पूजा करने से श्रद्धालुओं को नेत्र संबंधित विकार से मुक्ति मिलती है। जमुई जिले के सिकंदरा प्रखंड के कुमार गांव में स्थित मां नेतुला महारानी मंदिर लोगों के बीच अपनी मान्यताओं को लेकर काफी प्रसिद्ध हैं। मान्यता है कि इस मंदिर में भक्तिभाव से पूजा करने से मनवांछित फल की प्राप्ति होती है। इस मंदिर में सालों भर नेत्र रोग से पीड़ित श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। मनचाही मुराद पूरी होने के बाद श्रद्धालु सोने या चांदी की आंखें मंदिर में चढ़ाते हैं।

नेतुला महारानी मंदिर में हर मंगलवार और शनिवार को विशेष पूजा का इंतजाम किया जाता है। इस दिन भक्तों की काफी भीड़ होती है। यहां पर लोग संतान प्राप्ति के लिए भी मन्नत मांगते हैं। कहा जाता है कि इस मंदिर में श्रद्धापूर्वक पूजा करने से कई नि:संतान दंपतियों को संतान की प्राप्ति हो चुकी है। नवरात्र में नेतुला महारानी मंदिर में मां दुर्गा के नौ अवतारों की पूजा की जाती है। बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल से हजारों व्रती पहुंच कर नौ दिन तक मंदिर परिसर में उपवास एवं फलहार पर रहकर माता की पूजा-अर्चना एवं आरती करते हैं। कुमार गांव के ग्रामीण द्वारा साफ-सफाई एवं व्रतियों की सेवा की जाती है।

इस मंदिर का इतिहास 2600 साल पुराना रहा है। जैन धर्म के प्रसिद्ध ग्रंथ कल्पसूत्र के अनुसार, 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर अपने घर का त्याग कर कुंडलपुर से निकले थे, तब प्रथम दिन मां नेतुला मंदिर स्थित वटवृक्ष के नीचे रात्रि विश्राम किया था। इसी स्थान पर भगवान महावीर ने अपना वस्त्र का त्याग कर दिया था।

इस मंदिर में हिंदुओं के साथ-साथ मुस्लिम संप्रदाय के लोग भी मन्नत मांगने के लिये आते हैं।नेतुला महारानी मंदिर में प्रत्येक दिन सुबह-शाम मां का श्रृंगार और आरती की जाती है। फूलों से मां का दरवार सजाया जाता है।

सलमान खान की फिल्म सिकंदर में नजर आएंगी वरुण धवन की भतीजी

अभिनेता वरुण धवन की भतीजी और सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर अंजिनी धवन इन दिनों अपनी डेब्यू फिल्म बिन्नी एंड फैमिली को लेकर चर्चा में हैं।उनकी यह फिल्म 27 सितंबर, 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई, लेकिन यह शुरुआत से बॉक्स ऑफिस पर दर्शकों के लिए तरसती नजर आ रही हैं।बिन्नी एंड फैमिली की रिलीज के बाद अब अंजिनी की किस्मत चमक गई है। उनके हाथ बड़े सुपरस्टार की बहुचर्चित फिल्म लगी है।रिपोर्ट के मुताबिक, सलमान खान की फिल्म सिकंदर की स्टार कास्ट में अंजिनी शामिल हो गई हैं।फिल्म में एक अहम भूमिका निभाने के लिए निर्माताओं ने अंजिनी से संपर्क किया है। उन्हें फिल्म की कहानी पसंद आ गई है और इसके लिए अभिनेत्री ने हामी भी भर दी है।कहा जा रहा है कि अंजिनी जल्द फिल्म की शूटिंग शुरू कर सकती है। जल्द इस खबर का आधिकारिक ऐलान किया जाएगा।सिकंदर के निर्देशन की कमान एआर मुरुगादॉस ने संभाली है, वहीं साजिद नाडियाडवाला इसके निर्माता हैं।इस फिल्म में सलमान की जोड़ी दक्षिण भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री रश्मिका मंदाना के साथ बनी है और यह पहला मौका होगा, जब ये दोनों कलाकार पर्दे पर साथ दिखाई देंगे।प्रतीक बब्बर और सत्यराज जैसे दिग्गज सितारे भी इस फिल्म में अहम भूमिका निभाते दिखाई देंगे। सिकंदर को ईद, 2025 के मौके पर रिलीज किया जाएगा।

अविका गौर ने अपनी आगामी फिल्म शनमुखा का पोस्टर किया शेयर

अविका गौर ने अपनी आगामी फिल्म शनमुखा का पोस्टर शेयर किया है, जिसे शन्मुगम सप्पानी ने निर्देशित किया है. अविका ने इंस्टाग्राम पर पोस्टर साझा करते हुए लिखा, यह अनोखा और सस्पेंसफुल पोस्टर उस रोमांचक यात्रा की एक झलक है जो आपका इंतजार कर रही है. एक महाकाव्य साहसिक कार्य के लिए तैयार हो जाएं, जिसमें रहस्य, थ्रिलर और समय में पीछे की यात्रा शामिल है. शनमुखा इस अक्तूबर सिनेमाघरों में दस्तक देगी. पोस्टर में फिल्म की रोमांचक और रहस्यमय थीम को दिखाया गया है, जिससे दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ गई है.शनमुखा के निर्देशक शनमुगम सपनी हैं और फिल्म का निर्माण तुलसीराम सपनी, शनमुगम सपनी और रमेश यादव द्वारा सैपब्रो प्रोडक्शंस के बैनर तले किया जा रहा है, जिसने पहले 2022 की फिल्म सासनसभा का निर्माण किया था। हाल ही में, निर्माताओं ने यह भी घोषणा की कि आगामी दिव्य थ्रिलर की शूटिंग पूरी हो गई है।

प्रख्यात संगीत निर्देशक रवि बसरूर ने शनमुखा के लिए संगीत तैयार किया है। छायांकन आरआर विष्णु ने किया है। इस बीच, सतीश अकेत पटकथा लेखक होने के साथ-साथ फिल्म के संपादक भी हैं। एस बलवीर ने कहानी और संवाद लिखे हैं।आदि साईकुमार को आखिरी बार विश्वक सेन अभिनीत फिल्म दास की धमकी में देखा गया था। दूसरी ओर, अविका गोर की आखिरी ऑन-स्क्रीन उपस्थिति 2023 की फिल्म उमापति में थी।

आलिया भट्ट की जिगरा का नया गाना तेनु संग रखना जारी

अरिजीत सिंह ने लगाए सुर

आलिया भट्ट और वेदांग रैना अभिनीत एक्शन से भरपूर फिल्म जिगरा अपनी स्टोरीलाइन के कारण चर्चाओं में है। 11 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली यह फिल्म पहले से ही साल की सबसे प्रतीक्षित रिलीज में से एक है। प्रचार को बढ़ाने के लिए निर्माताओं ने तेनु संग रखना नामक एक भावपूर्ण म्यूजिक ट्रैक जारी कर दिया है, जो निश्चित रूप से आपके दिलों को छू जाएगा।बीते दिन आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया पर एक टीजर साझा किया जो उनके और वेदांग रैना के किरदार के बीच भाई-बहन के बंधन को खूबसूरती से दर्शाता है। दृश्य खुशी, दुख और उनके बीच के मजबूत रिश्ते के क्षणों को प्रकट करते हैं। आज धर्मा प्रोडक्शंस ने अपने आधिकारिक पेज पर गाना पेश करते हुए लिखा, जिगरा के दिल और आत्मा को प्रस्तुत करते हुए। तेनु संग रखना गाना रिलीज हो गया है। जिगरा 11 अक्तूबर को सिनेमाघरों में हिंदी और तेलुगु भाषा में रिलीज हो रही है।अरिजीत सिंह की आवाज ट्रैक को ऊंचा उठाती है, क्योंकि वह भावनात्मक धुनों में जादू बुनने के लिए जाने जाते हैं। अनुमिता नदेसन के गायन के साथ उनकी भावपूर्ण प्रस्तुति तेनु संग रखना को एक भावनात्मक रोलरकोस्टर बनाती है। गाना रिलीज के साथ ही यूट्यूब पर छा गया है और लोग इसे काफी पसंद कर रहे हैं। बॉक्स ऑफिस पर जिगरा की टक्कर राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की विक्की विद्या का वो वाला वीडियो से होगी। हालांकि, इसकी मनोरंजक कहानी और भावनात्मक गहराई के कारण, ऑनलाइन चर्चा का झुकाव आलिया की फिल्म की ओर अधिक है। जिगरा साउंडट्रैक पहले से ही धूम मचा रहा है और एक रोमांचक कथानक के साथ, प्रशंसक आलिया और वेदांग को बड़े पर्दे पर अपने किरदारों को जीवंत करते देखने का इंतजार कर रहे हैं।

कंगना रनौत तनु वेड्स मनु 3 में निभाएंगी 3 अलग-अलग किरदार

कंगना रनौत जल्द ही कई फिल्मों में नजर आएंगी। तनु वेड्स मनु रिटर्न्स भी उनकी आने वाली बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शुमार है।इसके सीक्वल को लेकर लंबे समय से खबरें आ रही हैं। यहां तक कि खुद निर्देशक आनंद एल राय सीक्वल से जुड़ीं कई जानकारियां साझा कर चुके हैं, लेकिन अब जो खबर आ रही है, उससे बेशक इसे लेकर दर्शकों का उत्साह और बढ़ जाएगा।दरअसल, तनु वेड्स मनु 3 में कंगना 3 अलग-अलग भूमिकाओं में नजर आएंगी।रिपोर्ट के मुताबिक, तीसरे भाग की कहानी वहीं से शुरू होगी, जहां दूसरा भाग खत्म हुआ था। एक बार फिर कंगना संग आर माधवन की जोड़ी देखने को मिलेगी।फिल्म में खूब रोमांस और ड्रामा होगा। सबसे दिलचस्प बात यह है कि

कंगना इस फिल्म में पहली बार ट्रिपल रोल करने जा रही हैं।उनके एक्टिंग करियर में यह पहला मौका होगा, जब वह फिल्म में 3 अलग-अलग किरदार निभाएंगी। इसे लेकर कंगना बेहद उत्साहित और रोमांचित हैं।रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की शूटिंग अगले साल जुलाई या अगस्त में शुरू होगी। इससे पहले राय अभिनेता धनुष और कृति सैनन के साथ फिल्म तेरे इश्क में की शूटिंग पूरी करेंगे, वहीं इसी बीच कंगना की फिल्म इमरजेंसी पर्दे पर आएगी।

बताया जा रहा है कि तनु वेड्स मनु 3 साल 2026 में पर्दे पर आएगी।तनु वेड्स मनु रिटर्न्स में कंगना ने डबल रोल किया था और दर्शकों से जमकर वाहवाही लूटी थी।रोमांटिक कॉमेडी फिल्म तनु वेड्स मनु में कंगना, माधवन, जिमी शेरगिल, दीपक डोबरियाल, एजाज खान और स्वरा भास्कर भी थीं। यह 2011 में रिलीज हुई थी। दूसरा भाग तनु वेड्स मनु रिटर्न्स 2015 में दर्शकों के बीच आया, जिससे कुछ नए कलाकार भी जुड़े थे।

फिर बदली लकी भास्कर की रिलीज डेट, अब इस दिन सिनेमाघरों में दस्तक देगी दुलकर सलमान की फिल्म

दुलकर सलमान की अगली फिल्म लकी भास्कर अपने एलान के बाद से ही सुर्खियों में है। हालांकि, वेंकी एटलुरी के निर्देशन में बनी इस फिल्म की रिलीज डेट एक बार फिर से बदल चुकी है। सबसे पहले इस फिल्म की रिलीज की तारीख 27 सितंबर तय की गई थी, जिसे बाद में बदलकर 7 सितंबर कर दिया गया था। हालांकि, अब इसकी रिलीज डेट में फिर से बदलाव हुआ है, जिससे इसका इंतजार कर रहे प्रशंसकों को झटका लगना लाजमी है। लकी भास्कर के निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा की। यह अब दिवाली के अवसर पर 31 अक्तूबर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। फिल्म की प्रत्याशा को ध्यान में रखते हुए,

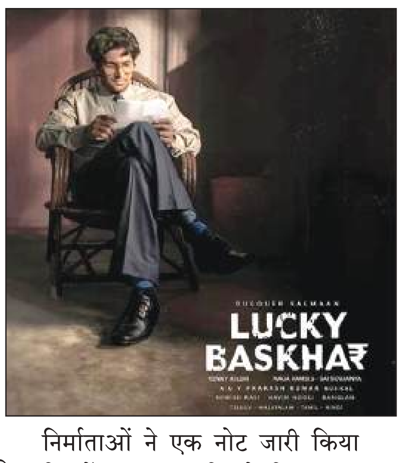

निर्माताओं ने एक नोट जारी किया जिसमें कहा गया कि वे फिल्म की गुणवत्ता पर कोई समझौता नहीं करना चाहते हैं। बयान में कहा गया है, हम इसे हर भाषा में यथासंभव प्रामाणिक रूप से देसी बनाना चाहते हैं। टीम इसके पैन इंडिया रिलीज की भी योजना बना रही है जिसके लिए उन्हें अधिक समय की आवश्यकता है।लकी भास्कर के एक पीरियड थ्रिलर होने की उम्मीद है। फिल्म में दुलकर सलमान एक बैंकर की भूमिका निभाएंगे, जिसे अमीर बनने का एक रहस्यमय तरीका मिलता है। मीनाक्षी चौधरी, आयशा खान और पी. साई कुमार कलाकारों का हिस्सा हैं। लकी भास्कर का निर्देशन फिल्म निर्माता वेंकी एटलुरी ने किया है।सीथारा एंटरटेनमेंट द्वारा फॉर्च्यून फोर सिनेमाज के सहयोग से निर्मित यह फिल्म तेलुगु, मलयालम, तमिल और हिंदी में रिलीज होगी। फिल्म का निर्माण सितारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमा के नागा वामसी और साई द्वारा किया जा रहा है। फिल्म के संगीतकार जीवी प्रकाश कुमार हैं। यह फिल्म 31 अक्तूबर, 2024 को रिलीज होगी।

दीपशिखा नागपाल ने बताया कि कैसे देव आनंद ने उन्हें अपने साथ काम करने के लिए राजी किया

अभिनेत्री दीपशिखा नागपाल ने खुलासा किया है कि उन्होंने एक्टिंग को अपना करियर इसलिए चुना क्योंकि, प्रतिष्ठित अभिनेता-फिल्म निर्माता देव आनंद ने उनसे कहा था।अभिनेत्री ने कहा, मेरा परिवार, खास तौर पर मेरे नानाजी, पहले से ही फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा थे। मूक फिल्मों के दौर से ही मेरे नानाजी ने दादा मुनि (अशोक कुमार) और महमूद जैसे दिग्गजों को मौका दिया था। मेरी मां गुजराती फिल्मों में अभिनेत्री थीं और मेरे पिता निर्देशक, लेखक और अभिनेता थे। दिग्गज अभिनेता देव आनंद अपनी फिल्म के लिए लड़कियों की तलाश कर रहे थे और मेरी मां मुझे और मेरी बहन को उनसे मिलवाने ले गई थी।दीपशिखा ने बताया कि उन्हें यह जानकर आश्चर्य हुआ कि देव आनंद मेरी बहन को नहीं बल्कि उन्हें साइन करना चाहते थे। भले ही वह एक अभिनेत्री बनने की आकांक्षा रखती थी।देव आनंद के प्रस्ताव को मैंने ठुकरा दिया। क्योंकि अभिनय कभी मेरा सपना नहीं था। मैं मिस इंडिया या एक स्वतंत्र कॉर्पोरेट महिला बनना चाहती थी, शायद एक फैशन डिजाइनर भी। लेकिन देव साहब लगातार कोशिश करते रहे और आखिरकार उन्होंने मुझे अपने साथ काम करने के लिए मना लिया।अभिनेत्री ने दिवंगत स्टार के साथ बिताए पलों को याद करते हुए कहा, मुझे अभी भी उनके शब्द याद हैं, दीपशिखा, मेरे साथ काम करो और अगर तुम नहीं चाहती हो तो किसी और के साथ काम मत करना। मैं आखिरकार राजी हो गई, हालांकि मैंने जोर दिया कि वह मेरी बहन को भी साइन करें।अभिनेत्री ने बताया कि उनकी पहली फिल्म गैंगस्टर थी। मुझे लगा था कि यह मेरी आ-खिरी फिल्म होगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इंडस्ट्री ने मुझे नोटिस करना शुरू कर दिया। लोग मेरी तुलना परवीन बॉबी से करने लगे, और मैंने इस सफर का आनंद लेना शुरू कर दिया।दीपशिखा ने खुलासा किया कि उन्हें 1995 की फिल्म करण अर्जुन की पेशकश की गई थी, जिसमें सलमान खान और शाहरुख खान मुख्य भूमिका में थे। उन्होंने कहा, मुझे राकेश रोशन ने करण अर्जुन की पेशकश की थी। लेकिन, मुझे अफसोस है कि मैंने इसे ठुकरा दिया था। मैं देव आनंद की गैंगस्टर में काम कर रही थी।अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने फिल्मों से टेलीविजन की ओर रुख क्यों किया। उन्होंने बताया कि मैंने शादी करने के बाद अपना ध्यान फिल्मों से टेलीविजन की ओर मोड़ लिया। लगभग उसी समय, मॉरीन वाडिया की ग्लैडरैग्स मिसेज इंडिया प्रतियोगिता शुरू हुई, और मैंने इसमें भाग लेने का फैसला किया। यह कुछ ऐसा था जिसे मैं खुद अनुभव करना चाहती थी।अभिनेत्री ने कहा, मैंने 2003 की मिसेज इंडिया प्रतियोगिता में भाग लिया और प्रथम रनर-अप रही। साथ ही कोहिनूर वूमन ऑफ द ईयर का खिताब भी जीता। पीछे मुड़कर देखती हूं, तो मुझे अपने सफर पर गर्व होता है, भले ही मैंने करण अर्जुन जैसे कुछ अवसर गंवा दिए हों। लेकिन मेरा मानना है कि सब कुछ किसी कारण से होता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। आपका रचनात्मक काम आस–पास के लोगों को अचरज में डाल देगा और आपको काफ़ी सराहना मिलेगी। अगर आप लंबे समय से अपने जीवन में किसी रोचक चीज़ के होने का इंतज़ार कर रहे हैं, तो निश्चय ही आपको उसके संकेत दिखाई देने लगेंगे। जीवनसाथी की ख़राब सेहत के चलते आप

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

घर पर तनाव का माहौल आपको नाराज़ कर सकता है। इसे दबाना आपकी शारीरिक समस्याओं में इज़ाफ़ा कर सकता है। शारीरिक गतिविधियों को बढ़ाकर इससे निजात पाएँ। ख़राब हालात से दूर रहना ही बेहतर है। आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं । घर में उल्लास का माहौल आपके तनावों को कम कर देगा। आप भी इसमें पूरी सहभागिता करें । ऐसे लोगों से हाथ मिलाएँ जो रचनात्मक हैं और जिनके ख़यालात आपसे मिलते हैं। अगर आप ख़रीदारी पर जाएँ तो ज़रूरत से ज़्यादा जेब ढीली करने से बचें।

मिथुन – क,कि,कु,घ,ड,छ,के,को,ह

जो व्यापारी अपने कारोबार के सिलसिले में घर से बाहर जा रहे हैं वो अपने धन को आज बहुत संभालकर रखें। धन चोरी होने की संभावना है। सामाजिक समारोह में परिवार के साथ शामिल होना सबके लिए अच्छा अनुभव रहेगा। आज आपके प्रिय को आपके अस्थिर रवैये के चलते आपसे तालमेल बिठाने में काफ़ी दिक़्क़त का सामना करना पड़ेगा। इस राशि के जो लोग रचनात्मक कार्यों से जुड़े हैं उन्हें आज परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। आज आपको महसूस हो सकता है कि रचनात्मक कार्य करने से बेहतर नौकरी करना थी।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सफलता का मंत्र यह है कि उन लोगों की सलाह पर पैसे लगाएँ, जो मौलिक सोच रखते हों और अनुभवी भी हों। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दग़ा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। आप आज रुहानी प्यार की मदहोशी महसूस कर सकेंगे। इसे महसूस करने के लिए कुछ वक़्त बचाकर रखें। कार्यक्षेत्र में लोगों का नेतृत्व करें, क्योंकि आपकी निष्ठा आगे बढ़ने में मददगार सिद्ध होगी। किसी वजह से आज आपके ऑफिस में जल्दी छुट्टी हो सकती है इसका आप फायदा उठाएंगे और अपने परिवार के लोगों के साथ कहीं घूमने जाएंगे।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

व्यापारियों को आज व्यापार में घाटा हो सकता है और अपने व्यापार को बेहतर बनाने के लिए आपको पैसा खर्च करना पड़ सकता है। आपके दोस्त आपको ऐसे वक़्त पर दग़ा दे सकते हैं, जब आपको उनकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत हो। यह आपको सच्चे अर्थों में धर्म व आध्यात्मिकता की ओर भी ले जा सकता है। दिन की शुरुआत से अन्त तक आप ख़ुद को ऊर्जा से लबरेज़ महसूस करेंगे। ज़िंदगी में चल रही आपाधापी के बीच आज आपको अपने लिए पर्याप्त समय मिलेगा और और आप अपने पसंदीदा कामों को कर पाने में कामयाब हो पाएंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं आपके माता–पिता की सेहत पर ज़्यादा ध्यान दिए जाने की ज़रूरत है। अगर आपको लगता है कि आपका लवमेट आपकी बातों को समझ नहीं पाता तो आज उनके साथ वक्त बिताएं और अपनी बातों को स्पष्टता के साथ उनके सामने रखें। आप किसी बड़ी योजना या घटना में भागीदार होंगे, जिसके लिए आपको सराहना और पुरस्कार मिलेंगे। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरूरत है। घरेलू मोर्चे पर बढ़िया खाने और गहरी नीन्द का पूरा लुत्फ़ आप ले पाएंगे।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आप आसानी से पैसे इकट्ठा कर सकते हैं– लोगों को दिए पुराने कर्ज़ वापिस मिल सकते हैं– या फिर किसी नयी परियोजना पर लगाने के लिए धन अर्जित कर सकते हैं। आज आपमें धैर्य की कमी रहेगी। आज आपके दिल की धड़कनें अपने प्रिय के साथ ताल–से–ताल मिलाती मालूम होंगी। दिन की शुरुआत भले ही थोड़ी थकाऊ रहे लेकिन जैसे–जैसे दिन आगे बढ़ेगा आपको अच्छे फल मिलने लगेंगे। दिन के अंत में आपको अपने लिए समय मिल पाएगा और आप किसी करीबी से मुलाकात करके इस समय का सदुपयोग कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आपकी कोई पुरानी बीमारी आज आपको परेशान कर सकती है जिसकी वजह से आपको हॉस्पिटल भी जाना पड़ सकता है और आपका काफी धन भी खर्च हो सकता है। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफा होगा। जो लोग अब तक सिंगल हैं उनकी मुलाकात आज किसी खास से होने की संभावना है सहयोगी मदद के लिए हाथ बढ़ा सकते हैं, लेकिन ये ज़्यादा सहायता नहीं कर पाएंगे। आपने बीते दिनों कार्यक्षेत्र में कई काम अधूरे छोड़े हैं जिसका भुगतान आज आपको करना पड़ सकता है। वैवाहिक जीवन का आनन्द लेने के पर्याप्त मौक़े हैं आज आपके पास।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन मौज–मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा– क्योंकि आप ज़िन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। आज के दिन बिना कुछ ख़ास किए आप आसानी से लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने में क़ामयाब रहेंगे। रोमांस के लिए बढ़ाए गए क़दम असर नहीं दिखाएंगे। आपका वर्चस्ववादी स्वभाव आलोचना की वजह बन सकता है। गप्पबाज़ी और अफ़वाहों से दूर रहें। अपने जीवनसाथी की नुक्ताचीनी से आप आज परेशान हो सकते हैं, लेकिन वह आपके लिए कुछ बढ़िया भी करने वाला है।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत से जुड़ी परेशानियाँ असहजता का कारण बन सकती हैं। जीवन के बुरे दौर में पैसा आपके काम आएगा इसलिए आज से ही अपने पैसे की बचत करने के बारे में विचार करें नहीं तो आपको दिक्क़तें हो सकती हैं। प्यार, मेलजोल और आपसी जुड़ाव में इज़ाफ़ा होगा। खुदरा और थोक व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है। लम्बे वक़्त से लटकी हुई दिक़्क़तों को जल्द ही हल करने की ज़रूरत है और आप जानते हैं कि आपको कहीं–न–कहीं से शुरुआत करनी होगी– इसलिए सकारात्मक सोचें और आज से ही प्रयास शुरू करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

खीज और चिढ़चिढ़ेपन के अहसास को ख़ुद पर छाने न दें। घर की छोटी–छोटी चीज़ों पर आज आपका बहुत धन ख़राब हो सकता है जिसकी वजह से आप मानसिक तनाव में आ सकते हैं। आज के दिन आपको कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। यथार्थवादी रवैया अपनाएं और जो आपकी ओर मदद का हाथ बढ़ाएं, उनसे किसी चमत्कारी उम्मीद न करें। व्यक्तिगत संबंध संवेदनशील और नाज़ुक रहेंगे। नयी साझीदारी आज के दिन फलदायी रहेगी। आप जिस प्रतियोगिता में भी क़दम रखेंगे, आपका प्रतिस्पर्धी स्वभाव आपको जीत दिलाने में सहयोग देगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

चंद्र की स्थिति की वजह से आज आपका धन बेवजह की चीजों पर खर्च हो सकता है। अगर आपको धन संचय करके रखना है तो अपने जीवनसाथी या माता पिता से इस बारे में बात करें। अपने जीवन–साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। प्रेमी को आज आपकी कोई बात चुभ सकती है। आज कार्यक्षेत्र में अचानक आपके काम की छानबीन हो सकती है। इस राशि के कारोबारी आज अपने कारोबार को नई दिशा देने के बारे में विचार कर सकते हैं। आज किसी सहकर्मी के साथ आप शाम का वक्त बिता सकते हैं हालांकि अंत में आपको महसूस होगा कि आपने उनके साथ समय बर्बाद किया है और कुछ नहीं।

सोमवार का पंचांग

दिनांक : 07 अक्टूबर 2024 , सोमवार
विक्रम संवत : 2081
मास : आश्विन , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्थी प्रातः 09:49 तक
नक्षत्र : अनुराधा रात्रि 02:25 तक
योग : प्रीति प्रातः 06:38 तक
करण : विष्टि प्रातः 09:49 तक
चन्द्रराशि : वृश्चिक
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 05:59 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:09, सूर्यास्त 06:05 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:02 , सूर्यास्त 05:57 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:58 , सूर्यास्त 05:51 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– ललिता पंचमी, पंचमे स्कन्द पूजनम् , गण्डमूल रात्रि 02:26 से , भद्रा प्रातः 09:48 तक

❋ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❋

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

हरियाणा में फिर सरकार बनाएगी भाजपा : नायब सैनी

चंडीगढ़, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद आए एग्जिट पोल के परिणाम चर्चा में हैं। वहीं प्रदेश के कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बड़ा दावा कर दिया है। नायब सैनी ने पंचकूला में आयोजित एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान दावा करते हुए कहा कि हरियाणा में भाजपा की सरकार ही बनेगी। सैनी ने कहा कि हमें (भाजपा) को पूर्ण बहुमत मिल रहा है। वहीं, उन्होंने यह भी कहा है कि अगर भाजपा को पूर्ण बहुमत नहीं मिला तो भी पार्टी के पास कई विकल्प हैं। सैनी ने कहा कि हमारे पास सरकार बनाने की सारी व्यवस्थाएं हैं, बाकी जरूरत पड़ने पर अन्य दलों आईएनएलडी, जेजेपी, निर्दलीयों के विकल्प पर भी विचार संभव है।

इससे पहले भी भाजपा ने एग्जिट पोल के रिजल्ट को दरकिनार करते हुए भाजपा ने तीसरी बार कमल खिलाने का दावा किया है। भाजपा का मानना है कि हरियाणा के लोगों ने पार्टी को तीसरी बार सरकार बनाने का आशीर्वाद दिया है। मतदान प्रतिशत भले ही कम हुआ है, लेकिन यह बताता है कि सरकार के खिलाफ कोई भी सत्ता विरोधी लहर नहीं थी। पार्टी के बूथ मैनेजमेंट ने काम किया है और बूथ पदाधिकारी अपने–अपने बूथों पर वोट डलवाने में कामयाब हुए हैं। वहीं रविवार को पंचकूला में प्रेस कांफ्रेंस के दौरान नायब सिंह सैनी एक बार फिर दोहराया है कि हरियाणा में तीसरी बार कमल खिलेगा। इस पत्रकार वार्ता के दौरान उनके साथ पंचकूला से भाजपा उम्मीदवार ज्ञानचंद गुप्ता और पार्टी के अन्य नेता भी थे। सभी नेताओं का यही कहना है कि राज्य में एक बार फिर से भाजपा की सरकार बनना तय है।

कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने दावा किया है कि आठ अक्तूबर को भाजपा पूरे बहुमत के साथ सरकार बनाएगी। हरियाणा के लोग भाजपा के साथ हैं। भाजपा प्रवक्ता व पूर्व मीडिया सचिव प्रवीण आत्रेय भी दावा कर चुके हैं कि 10 साल में हरियाणा में भाजपा ने जो कार्य किए हैं, उसी का नतीजा है कि भाजपा तीसरी बार सरकार बनाने जा रही है। भाजपा की नीतियों से लोग खुश हैं और मतदान के आंकड़े और मतदाताओं के रुख से स्पष्ट है कि भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिल रहा है। इसमें कोई किंतु–परंतु नहीं है।

स्वामी विवेकानंद के कथन '21वीं सदी भारत के नाम' को साकार कर रहे पीएम मोदी : भजनलाल

जयपुर, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वामी विवेकानंद की बात 21वीं सदी भारत के नाम को साकार कर रहे है और आज देश की प्रगति और बदलाव नजर आने लगा है। श्री शर्मा शनिवार रात यहां भाजपा के आर्थिक प्रकोष्ठ की ओर से राइजिंग राजस्थान और भाजपा सदस्यता अभियान को लेकर प्रबुद्धजनों के साथ चर्चा कर रहे थे। उन्होंने राजस्थान के आर्थिक विकास के लिए राइजिंग राजस्थान समिट में सुझाव और सहयोग को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि प्रदेश को आगे बढ़ाने वाले सुझाव आमंत्रित है, सरकार इन सुझाव पर कार्य करेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज देश की प्रगति के साथ देश में हो रहा परिवर्तन साफ देखा जा सकता है फिर चाहे वो आतंकवाद को समाप्त करना हो या देश से गरीबी दूर करने हो या फिर दुनिया में भारत का परचम लहराना हो। प्रदेश के साथ राष्ट्र की मजबूती के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है। ऐसे में सभी को भाजपा के इस सदस्यता अभियान में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी है। उन्होंने भाजपा सदस्यता अभियान को राजनीति का विस्तार नहीं, विकास और राष्ट्रवाद पर आधारित विचारधारा का समर्थन बताते हुए कहा कि आप जैसे प्रबुद्धजन भाजपा से जुड़ेंगे तो देश मजबूत होगा।

श्री शर्मा ने कहा कि भाजपा के सदस्य बनकर विकास की इस यात्रा में सहभागी बने। यह राजनीति सदस्यता का विस्तार नहीं बल्कि उस विचारधारा का समर्थन है जो विकास और राष्ट्रवाद पर आधारित है। भाजपा का कार्य, राष्ट्र का कार्य है। ऐसे में भाजपा के सदस्यता अभियान के साथ ही सभी राइजिंग राजस्थान का भी हिस्सा बनें और अपनी सहभागिता को निभाए। समाज में आप सभी प्रबुद्धजनों की अच्छी छवि है ऐसे में राष्ट्र को शिखर तक पहुंचाने में आपको अपनी भूमिका अदा करनी है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान के तहत मुंबई और दिल्ली में किए गए रोड शो से 12.5 लाख करोड़ के निवेश के लिए एमओयू किए गए। हमारी सरकार ने एमओयू साइन करने के साथ ही उन कंपनियों को तमाम सुविधाएं देने की दिशा में भी काम शुरू कर दिया। राजस्थान में निवेश और उद्योग की अपार संभावनाओं को देखते हुए विदेशों से भी निवेश लाया जाएगा।

लालसोट में बेकाबू डंपर ने 15 लोगों को कुचला, पांच की मौत, दस घायल

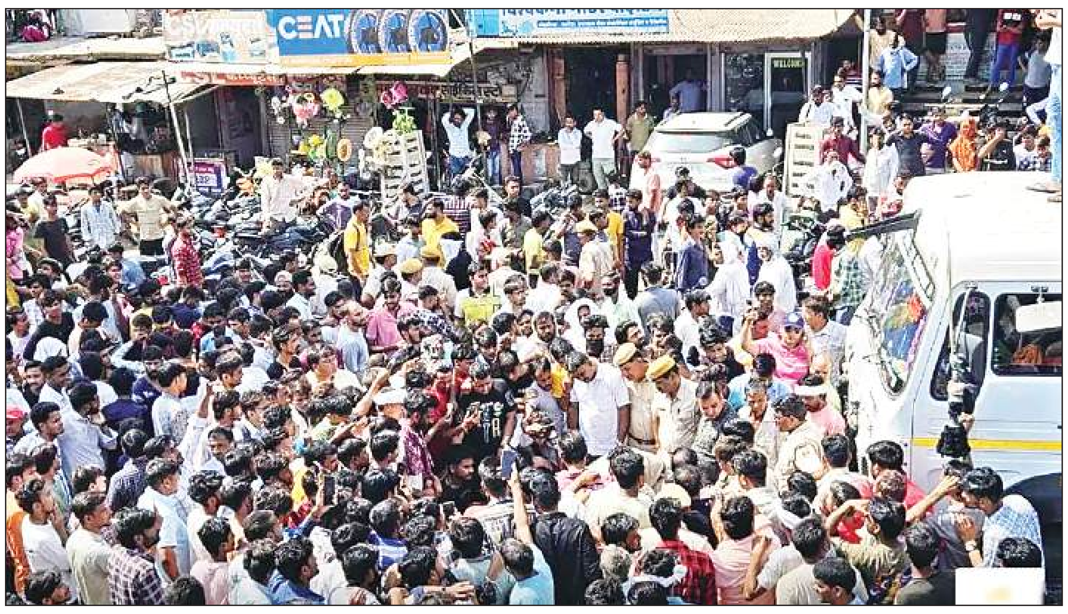

दौसा, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिले के लालसोट क्षेत्र में एक अनियंत्रित डंपर ने ब्रेक फेल होने के कारण पांच लोगों को कुचल दिया, जिससे सभी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में दस अन्य लोग घायल हो गए, जिनमें से कुछ की हालत नाजुक है। डंपर मोटरसाइकिल सवारों को रौंदने के बाद एक खाली बस से टकराकर रुक गया। सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मामला रविवार मध्यान्ह करीब 12 बजे के आसपास का है। दौसा के लालसोट में रोड़ी से भरे एक अनियंत्रित डंपर ने पांच लोगों को रौंद दिया। हादसे में दस लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां कुछ घायलों की हालत नाजुक बनी हुई है। जानकारी के अनुसार रोड़ी से भरा एक डंपर लालसोट घाटा बालाजी की ढलान से लालसोट की तरफ आ रहा था। तभी अचानक ब्रेक फेल होने की वजह से उसने कई मोटरसाइकिल सवारों को रौंद दिया। इसके बाद आगे जाकर एक बस को भी टक्कर मार दी। उसके कारण डम्पर की स्पीड धीमी हुई। गनीमत रही कि बस में कोई सवारी नहीं बैठी थी। लालसोट एडिशनल एसपी दिनेश अग्रवाल ने बताया कि इस अनियंत्रित डम्पर ने लालसोट शहर में कुछ बाइक सवारों को टक्कर मारी, जिसके चलते पांच लोगों की मौत हो गई और 10 लोगों को लालसोट के जिला अस्पताल में भी भर्ती करवाया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

इधर दुर्घटना से गुस्साए लोगों ने बड़ी संख्या में लालसोट थाने का घेराव कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। समाचार लिखे जाने तक मृतकों की शिनाख्त नहीं हो पाई है और थाने पर प्रदर्शन लगातार जारी है, जहां हजारों की संख्या में लोगों ने थाने के सामने रोड जाम किया हुआ है। हालांकि पुलिस ने लालसोट थाने के सामने जाम लगा कर बैठे लोगों को समझकर जाम हटवा दिया है।

इस भीषण सड़क हादसे पर राजस्थान के राज्यपाल हरी भाऊ बागडे, मुख्यमंत्री भजनलाल एवं कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने दुख व्यक्त करते हुए मृतकों की आत्मा की शांति के लिए भगवान प्रार्थना की। साथ ही घायलों को जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की है। राजस्थान के मुख्यमंत्री ने अपने सोशल एक्स पर संवेदना व्यक्त करते हुए लिखा कि दौसा जिले में हुए भीषण सड़क दुर्घटना में जनहानि एवं कई नागरिकों के घायल होने का समाचार अत्यंत दुःखद है। जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों के समुचित एवं त्वरित चिकित्सीय उपचार सुनिश्चित करने हेतु निर्देश दिए गए हैं। प्रभु श्रीराम से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्माओं को अपने श्री चरणों में स्थान व घायलों को अति शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें।

अपराधी अपराध छोड़ दें या हरियाणा, राज्य में बन रही है कांग्रेस सरकार : भूपेंद्र

रोहतक, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा का कहना है कि अपराधी बदमाशी छोड़ दें या हरियाणा। आठ अक्तूबर को कांग्रेस सरकार बनते ही अपराधियों का सफाया किया जाएगा। 2004 में कांग्रेस सरकार बनने पर भी ऐसा किया गया था। हुड्डा रविवार को डी पार्क स्थित आवास पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। हुड्डा ने कहा कि विधानसभा चुनाव में भाजपा की हार पहले से तय लग रही थी। क्योंकि भाजपा ने 10 साल धरातल पर विकास कार्य नहीं किए। आम आदमी बेहद परेशान था। भाजपा ने प्रदेश को बेरोजगारी व अपराधी में नंबर एक बना दिया। यहीं कारण है कि चुनाव में भाजपा अपनी उपलब्धियां गिनाने की जगह सुबह से शाम तक झूठ बोलने में लगी रहती थी। उन्होंने कहा कि झूठ की दुकान ज्यादा दिन नहीं चलती।

एक सवाल के जवाब में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस में मुख्यमंत्री चुनने की एक प्रक्रिया होती है। विधायकों की राय लेकर आलाकमान निर्णय लेगा। सभी को आलाकमान का निर्णय मान्य होगा। कुमारी सैलजा, रणदीप सुरजेवाला व अन्य नेताओं की दावेदारी पर हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस में प्रजातंत्र है। सभी को अपनी बात रखने का अधिकार है। रोहतक, झज्जर व सोनीपत से सैकड़ों कार्यकर्ता डी पार्क स्थित आवास पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा से मिलने पहुंचे। हुड्डा को चुनाव में कांग्रेस के अच्छे प्रदर्शन पर बधाई दी। सुबह स्थानीय विधायक भारत भूषण बतरा ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा के साथ चुनाव के हालात पर चर्चा भी की। प्रदेश भर से कांग्रेस प्रत्याशियों ने हुड्डा को कॉल करके हलके की रिपोर्ट दी।

फर्जी तरीके से विधायक का स्टीकर लगी कार जब्त

अजमेर, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में अजमेर की यातायात पुलिस ने फर्जी तरीके से विधायक स्टीकर लगी कार को जब्त किया है। पुलिस ने बताया कि क्रिश्चियनगंज थाना क्षेत्र के वैशाली नगर में काले रंग की स्कार्पियो कार वीआईपी सायरन बजाते हुए जा रही थी।

यातायात पुलिस कांस्टेबल ने शक की बिना पर कार को रूकवाया तो पाया कि कार पर एमएलए का स्टीकर भी लगा है। कार चालक से एमएलए की जानकारी चाही तो वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाया और न ही परिचय पत्र दिखा पाया। ऐसे में यातायात पुलिस कार्यालय को सूचना दी गई, जिस पर स्कार्पियो कार को कोतवाली थाने के नजदीक यातायात पुलिस कार्यालय बुलवाया गया। उन्होंने बताया कि अजमेर पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के फर्जी वाहनों के विषय में सख्त निर्देश है। जिसकी पालना में यातायात पुलिस की ओर से स्कार्पियो को जब्त कर, बिना नाम पते का चालान बनाया गया, जिसे कल न्यायालय में पेश किया जाएगा।

कांग्रेस या भाजपा की सरकार नहीं बनने जा रही : अभय

किंग की भूमिका निभाएगा इनेलो–बसपा गठबंधन

चंडीगढ़, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के महासचिव अभय सिंह चौटाला ने रविवार को दावा किया कि हरियाणा में कांग्रेस या भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार नहीं बनने जा रही और इनेलो–बहुजन समाज पार्टी (बसपा) गठबंधन किंग की भूमिका निभाएगा।

श्री चौटाला ने यहां जारी बयान में कहा कि चुनाव परिणाम इनेलो–बसपा गठबंधन के पक्ष में आएंगे, हरियाणा में भाजपा और कांग्रेस को पूर्ण बहुमत नहीं मिलेगा तथा सत्ता बनाने में हम किंग की भूमिका में होंगे। उन्होंने दावा किया कि विधानसभा चुनाव में प्रचार के दौरान सिर्फ इनेलो बसपा गठबंधन ने ही लोकहित के मुद्दों को उठाया जबकि भाजपा और कांग्रेस तो जात पात और भेदभाव की राजनीति में उलझ कर रह गए थे। इनेलो नेता ने बसपा प्रमुख मायावती व बसपा के राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद का धन्यवाद किया और दोनों दलों के कार्यकर्ताओं की पीठ भी थपथपाई। चुनाव की थकान मिटाने के लिए इनेलो नेता ने रविवार को सिरसा स्थित अपने निवास पर पूरा दिन अपने पोते उधम सिंह के साथ समय बिताया। गौरतलब है कि तमाम चुनाव बाद सर्वेक्षणों ने हरियाणा में कांग्रेस की स्पष्ट बहुमत वाली सरकार बनने की भविष्यवाणी की है। मतगणना आठ अक्टूबर को होने वाली है।

जिला कलेक्टर की फोटो लगाकर ठगी करने का मामला आया सामने

अलवर, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में खैरथल –तिजारा जिला में साइबर ठगों ने एक विदेशी फर्जी व्हाट्सएप नंबर पर जिला कलेक्टर की फोटो लगाकर, अधिकारियों और परिचितों से साइबर फ्रॉड करने का प्रयास करने का मामला सामने आया है। जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने बताया कि साइबर ठगी के इस गंभीर मामले में उनके नाम से फर्जी आईडी बनाकर अधिकारियों एवं परिचितों से साइबर फ्रॉड की कोशिश की गई है।

उन्होंने बताया कि साइबर ठगों ने उनके एक फोटो का इस्तेमाल कर और उनके नाम से एक फर्जी विदेशी व्हाट्सएप नंबर के जरिए अकाउंट बनाकर इस साइबर ठगी को अंजाम दे रहे हैं। इसकी जानकारी मिलते ही जिला कलेक्टर ने पुलिस अधीक्षक खैरथल मनीष कुमार एवं पुलिस अधीक्षक भिवाड़ी ज्येष्ठा मैत्रेयी को इस घटना की जानकारी दी। घटना की जानकारी लगते ही कलेक्टर ने तत्काल रूप से जिला स्तर के अधिकारियों के ग्रुप और अन्य परिचितों को मैसेज कर साइबर ठगी से सावधान रहने की अपील की है और इस नंबर से किसी को भी मैसेज मिलने पर रिप्लाई एवं पैसे नहीं डालने और सावधान रहने की भी अपील की है। उन्होंने बताया कि कुछ अधिकारियों और उनके कुछ परिचितों को विभिन्न विदेशी नंबरों से उनके व्हाट्सएप चैटिंग पर कलेक्टर के नाम से मैसेज आ रहे हैं।

अधिकारियों और परिचितों को मैसेज किया नंबर उज्बेकिस्तान का है, जिस पर उनकी फोटो लगी हुई है। इस पूरी घटना के बाद जिला साइबर टीम आईपी एड्रेस और अन्य तकनीकी माध्यम से आरोपी को ट्रेस करने की कोशिश कर रही है।

राज्यवर्धन राठौड़ के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल सिंगापुर के दौरे पर रवाना

जयपुर, 06 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ के नेतृत्व में राज्य सरकार का प्रतिनिधिमंडल राइजिंग राजस्थान वैश्विक निवेश सम्मेलन 2024 के तहत विदेशी निवेशकों, कारोबारी जगत और अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को राज्य में निवेश के लिये आमंत्रित करने आठ अक्टूबर को सिंगापुर निवेशक बैठक में शामिल होने के लिये सिंगापुर के दौरे पर रवाना हो गया।

आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को बताया कि अपनी चार दिवसीय यात्रा में, राज्य सरकार का प्रतिनिधिमंडल सिंगापुर सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों, सिंगापुर स्थित सार्वजनिक और निजी कंपनियों के प्रतिनिधियों और व्यापार और व्यवसाय से जुड़े अन्य हितधारकों से मुलाकात करेगा। इस दौरान यह प्रतिनिधिमंडल पेट्रोकेमिकल्स, शहरी विकास, जल प्रबंधन, वैमानिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स, कौशल विकास, बागवानी, रणनीतिक निवेश, दूरसंचार जैसे क्षेत्रों की कंपनियों से मिलेगा और उन्हें राजस्थान में निवेश करने के साथ–साथ आगामी निवेश सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित करेगा। इसके अलावा, यह प्रतिनिधिमंडल सिंगापुर स्थित प्रमुख कंपनियों की व्यावसायिक और विनिर्माण इकाइयों का भी दौरा करेगा ताकि उनके संचालन और कार्यपद्धति को समझा जा सके।

उद्योग मंत्री कर्नल राठौड़ के अलावा, राज्य सरकार के इस प्रतिनिधिमंडल में मुख्य सचिव सुधांश पंत, चिकित्सा और स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ और राजस्थान सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

बागमती के बाद लखनदेई नदी का कहर

मुजफ्फरपुर में बढ़ी बाढ़ पीड़ितों की मुश्किलें

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)। मुजफ्फरपुर जिले के औराई प्रखंड के लोग बाढ़ की दोहरी मार झेल रहे हैं। जहां बागमती नदी का जलस्तर घटने से थोड़ी राहत मिली थी, अब लखनदेई नदी का कहर शुरू हो गया है। लखनदेई नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे इलाके के निचले हिस्से एक बार फिर बाढ़ की चपेट में आ गए हैं। लोग अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने को मजबूर हो रहे हैं, जबकि फसलें पूरी तरह बर्बाद हो चुकी हैं।

बागमती नदी के कहर से जैसे ही कुछ ऊंचे इलाके सुरक्षित रहे थे, अब लखनदेई नदी के बढ़ते जलस्तर ने उन क्षेत्रों में भी पानी भरना शुरू कर दिया है। औराई प्रखंड के रामपुर पंचायत और विशनपुर गोखुल पंचायत के कई गांवों में बाढ़ का पानी घुस चुका है। गांवों की सड़कों पर पानी का तेज बहाव हो रहा है, जिससे लोगों के आवागमन में भारी परेशानी हो रही है। कई घरों में पानी घुस गया है और लोग अपने घरों की छतों और ऊंचे स्थानों पर शरण ले रहे हैं।

जानकारी के मुताबिक, लगातार बाढ़ के पानी के कारण धान की फसलें पूरी तरह नष्ट हो चुकी हैं। ग्रामीणों का कहना है कि जलकुंभी की सफाई कराकर पुल के नीचे से पानी के बहाव को कम करने की कोशिश की जा रही है, ताकि कुछ इलाकों में पानी को रोका जा सके। लेकिन बाढ़ की विकराल स्थिति ने लोगों की परेशानियों को और बढ़ा दिया है।

स्थानीय निवासी रंजन चौधरी ने बताया कि उनका इलाका बागमती नदी की बाढ़ से बचा हुआ था। लेकिन अब लखनदेई नदी का जलस्तर बढ़ने से उन क्षेत्रों में भी बाढ़ आ गई है, जहां पहले कभी पानी नहीं पहुंचता था। रंजन चौधरी ने कहा कि यह इलाका ऊंचा होने के कारण बागमती के कहर से सुरक्षित था, लेकिन अब लखनदेई के पानी ने गांवों में प्रवेश कर लिया है और लोग अपने घर छोड़कर ऊंचे स्थानों और सड़कों पर शरण लेने को मजबूर हैं।

बाढ़ के कारण भोजन और पानी जैसी बुनियादी जरूरतें भी पूरी नहीं हो पा रही हैं। चूल्हा-चौका का काम ठप हो गया है और लोगों को अपने जीवन के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। लखनदेई के जलस्तर में बढ़ोतरी से स्थिति और गंभीर हो गई है। लोगों के घरों में पानी घुसने के कारण उनका आशियाना डूब रहा है और सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए उन्हें भारी जोखिम उठाना पड़ रहा है।

बाढ़ पीड़ित लगातार सरकार और प्रशासन से राहत की गुहार लगा रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि जब तक बाढ़ का पानी कम नहीं होता, तब तक उन्हें राहत सामग्री और सुरक्षित स्थानों पर रहने की आवश्यकता है।

रेल हादसे की साजिश रचने वालों के लिए यह फैसला बनेगा नजीर

पटरी पर बम रखने वालों को 12 साल तक की सजा दी

पटना (एजेंसियां)। बिहार में रेलवे ट्रैक पर इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) लगाने वालों कड़ी सजा सुनाई गई है।

एनआईए की विशेष अदालत ने शनिवार को इस मामले में छह लोगों को पांच से बारह साल तक की सजा सुनाई और जुर्माना लगाया है।

दरअसल, 30 सितंबर 2016 को नरकटियागंज से आने वाली यात्री ट्रेन में विस्फोट करने के लिए रेलवे ट्रैक पर प्रेशर कुकर आईईडी लगाया था। हालांकि, इसे स्थानीय लोगों ने देख लिया और बम निरोधी दस्ता ने सफलतापूर्वक निष्क्रिय कर दिया।

पुलिस ने मामले की जांच को तो पता चला कि छह नक्सलियों ने मिलकर साजिश रची थी। इसमें उमाशंकर राउत उर्फ उमाशंकर पटेल उर्फ राजू पटेल, गजेंद्र शर्मा उर्फ गजेंद्र ठाकुर, राकेश कुमार यादव उर्फ राकेश, मुकेश कुमार यादव उर्फ मुकेश, मोतीलाल पासवान उर्फ मोती और रंजय कुमार की संलिप्तता पाई गई। इसके बाद एनआईए ने जनवरी 2017 में जांच अपने हाथ में ली। जबकि तीन आरोपियों को शुरुआत में स्थानीय पुलिस ने गिरफ्तार किया था। दो को बाद में एनआईए ने अलग-अलग मौकों पर गिरफ्तार किया था। छठे आरोपी ने फरवरी 2017 में आत्मसमर्पण कर दिया।

सभी आरोपियों के खिलाफ एनआईए ने जुलाई 2017 में आरोप पत्र दाखिल किया था। इसी साल 24 सितंबर को एनआईए कोर्ट ने आरोपियों को दोषी करार दिया था। अब शनिवार को एनआईए के विशेष अदालत ने शनिवार को उनके खिलाफ सजा की घोषणा की। इसमें कहा गया है कि अदालत द्वारा सुनाई गई सजाएं जुर्माने के साथ पांच से बारह साल की कैद तक हैं।

पूर्णिया सांसद ने क्षेत्र के बाढ़ पीड़ितों का हाल जाना

सूखा राशन बांटा और पैसों की मदद भी की

पूर्णिया (एजेंसियां)। पूर्णिया जिले के बायसी प्रखंड में बाढ़ से प्रभावित इलाकों में राहत कार्य जारी है। इस सिलसिले में सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने शनिवार को माला हरिनतोर पंचायत के माला गांव का निरीक्षण किया। साथ ही बाढ़ पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं का जायजा लिया। इस दौरान सांसद ने प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत के रूप में सूखा राशन और 50 हजार रुपये नकद वितरित किए।

जानकारी के मुताबिक, पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने माला हरिनतोर पंचायत के माला गांव (वार्ड-03, 05 और 08) में बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया। इस मौके पर सांसद ने बताया कि नदी के कटाव से 50 से अधिक घर बर्बाद हो गए हैं और कई परिवार बेघर हो गए हैं। उन्होंने स्थानीय प्रशासन से मिलकर जल्द से जल्द कटाव रोकने के उपाय करने के निर्देश दिए। इसके लिए चीफ इंजीनियर और एग्जेक्युटिव इंजीनियर से फोन से बात कर जरूरी कदम उठाने को कहा गया है।

सांसद पप्पू यादव ने कहा कि बाढ़ पीड़ितों की हर संभव मदद की जाएगी और उन्हें इस कठिन समय में अकेला नहीं छोड़ा जाएगा। जल्द ही कटाव रोकने के लिए ठोस कार्य शुरू किया जाएगा, ताकि प्रभावित लोगों को राहत मिल सके। इसके बाद उन्होंने अमौर प्रखंड के कई गांवों का दौरा किया।

इस दौरान सांसद पप्पू यादव ने फकीर टोला में सूखे राशन का वितरण किया और बाढ़ पीड़ितों की मदद की। इस मौके पर मो. इसराइल आजाद, अफरोज आलम, अरुण यादव, राजेश यादव, बबलू भगत, पूर्व मुखिया जाबेद इकबाल, कुनाल कुमार, पूर्व मुखिया ललित यादव और आशीष यादव आदि लोग मौजूद रहे।

सोन नद में डूबे परिवार के सात बच्चे, पांच बच्चों के शव मिले, दो की तलाश जारी

पटना (एजेंसियां)। रोहतास के तुम्बा गांव के गुजरने वाली सोन नद (नदी का पुल्लिंग रूप) में एक ही परिवार के सात बच्चे डूब गए। इनमें से पांच बच्चों के शव बाहर निकाल लिए गए हैं। वहीं दो बच्चों की तलाश जारी है। स्थानीय गोताखोरों की मदद से पुलिस सर्च अभियान चला रही है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ लग गई। इधर, सूचना मिलते ही परिवार के लोग पहुंचे। रो-रोकर उनका बुरा हाल है। दो बच्चों की तलाश के लिए एसडीआरएफ की टीम को बुलाया गया है।

स्थानीय लोगों रोहतास के केदार गौड़ के परिवार के सात बच्चे (सबकी उम्र आठ से बारह साल के बीच में है) सोन नद में नहाने गए थे। अचानक गहराई जाने से एक बच्चा डूबने लगा। उसको बचाने के चक्कर में सातों डूब गए। सभी ने मदद से लिए आवाज लगाई लेकिन जब तक लोग पहुंचते तब तक सभी नदी की तेज धार में बहने लगे। आननफानन में गोतखोरों की टीम ने पांच बच्चों को बाहर निकाला। लेकिन, तब तक काफी देर हो चुकी थी। पांचों ने दम तोड़ दिया था।

डेहरी के एसडीएम सूर्य प्रताप सिंह ने सिंह ने केदार गौड़ के चार बच्चे और उनके रिश्तेदार के तीन बच्चे सोन नद में नहाने गए थे। जलस्तर काफी अधिक होने के कारण बच्चे डूब गए। इनमें से पांच की लाशों बाहर निकाल लिया गया है। दो की तलाश चल रही है। डूबने वाले सात में दो बच्ची भी शामिल थी। मामले में आगे की कार्रवाई चल रही है।

कहीं रेल की पटरियां न बेच दें एनडीए सरकार : लालू

उपमुख्यमंत्री ने कहा- उपदेश दे रहे भ्रष्टाचारी

पटना (एजेंसियां)। बिहार में रेलवे को लेकर सियायत तेज हो गई है। रविवार को पूर्व रेल मंत्री व राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखकर एनडीए सरकार को निशाने पर लिया। इसके बाद बिहार के दोनों उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा और सम्राट चौधरी ने पलटवार किया और उन्हें राजनीति का सबसे भ्रष्ट व्यक्ति कह दिया। दरअसल, लालू प्रसाद ने कहा कि पिछले 10 साल से एनडीए सरकार ने रेल का किराया बढ़ा दिया गया है। प्लेटफॉर्म टिकट के दाम बढ़ा दिए गए। स्टेशन बेच दिए गए। जनरल बोगियां घटा दी। बुजुर्गों को मिलने वाला लाभ खत्म कर दिया। सेफ्टी-सिक्योरिटी घटाने पर रोज हादसे हो रहे हैं। फिर भी कहते हैं रेलवे घाटे में है। अब यह कहीं रेल की पटरियां ना बेच दें।

इधर, राजद सुप्रीमो के बयान पर पलटवार करते हुए उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि लालू यादव ने रांची और पटना की संपत्ति बेच दी। देश में अगर किसी रेल मंत्री ने रेलवे की संपत्ति बेचने की शुरुआत की तो वो थे लालू यादव। वहीं उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि लालू प्रसाद यादव राजनीति के सबसे भ्रष्ट व्यक्तियों में से एक हैं। वह वही व्यक्ति हैं जिन्होंने रेलवे के अंदर नियुक्ति घोटाला के कारण अपने पूरे परिवार को जमानत पर भेज दिया था।

विजय सिन्हा ने कहा कि जिस तरह से उनके कार्यकाल में रेल दुर्घटनाएं होती थीं, पूरे देश के लोगों की जान खतरे में पड़ जाती थी। पुराने जर्जर पटरी पर पूरी देश की जिंदगी दांव पर लगी थी। आज ट्रेन के अंदर यात्रा करना सुरक्षित हो गया है। पीएम मोदी के नेतृत्व में आतंकवाद और उग्रवाद पर अंकुश लगाया गया है और लोगों का जीवन सुरक्षित है। भ्रष्टाचार मुक्त वातावरण बनाने का प्रयास किया गया है। एक सजायाफ्ता भ्रष्टचारी अगर उपदेश दे तो समझ लीजिए कि उसके अंदर कहीं न कहीं खौफ है।

मां ताराचण्डी धाम में श्रद्धालुओं का उमड़ा सैलाब, नवरात्रि में भक्तों की विशेष आस्था

रोहतास (एजेंसियां)। रोहतास जिले में स्थित प्रसिद्ध मां ताराचण्डी धाम शारदीय नवरात्रि के प्रारंभ होते ही भक्तों से भर जाता है। यह धाम रोहतास-कैमूर पहाड़ी की गोद में स्थित है। माता का आशीर्वाद पाने के लिए दूर-दराज से हजारों श्रद्धालु यहां हर साल नवरात्रि के दौरान आते हैं। मां ताराचण्डी के इस पवित्र स्थान पर श्रद्धालुओं की मनोकामना पूरी करने के लिए माता की पूजा-अर्चना होती है।

मां ताराचण्डी धाम का पौराणिक और धार्मिक महत्व अत्यधिक है। ऐसा कहा जाता है कि माता सती के तीसरे नेत्र का अंश यहां गिरा था, जिसके कारण यह स्थान तारा रूप में प्रसिद्ध हुआ। बाद में चण्ड का वध करने के बाद माता का यह रूप ताराचण्डी के नाम से विख्यात हो गया। यह मंदिर विंध्य पर्वत की कैमूर शृंखला में स्थित है, जो भक्तों को आध्यात्मिक शांति और अद्वितीय अनुभव प्रदान करता है।

मां ताराचण्डी का एक विशेष रूप में पूजन होता है, जिसमें माता को हलवा और पूड़ी का प्रसाद चढ़ाया जाता है। कहा जाता है कि मां इसी साधारण भोग से प्रसन्न होकर अपने भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं। इस देवी स्थान को मनोकामना सिद्धि देवी के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि यहां भक्तों की सच्ची श्रद्धा से की गई प्रार्थना अवश्य पूरी होती है।

शारदीय नवरात्रि के अवसर पर मां ताराचण्डी मंदिर में भक्तों का तांता लग जाता है। रोजाना शाम की आरती के समय मंदिर का माहौल भक्तिमय हो जाता है। ढोलक, मजीरा और घंटियों की ध्वनि से पूरा क्षेत्र गूंज उठता है, जिससे लगता है जैसे मां स्वयं प्रकट होकर अपने भक्तों के बीच उपस्थित हैं। आरती के समय कैमूर पहाड़ी पर ऐसा अद्भुत दृश्य होता है कि भक्त भाव-विभोर हो जाते हैं।

मां ताराचण्डी के भक्त अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए हलवा और पूड़ी का प्रसाद चढ़ाते हैं। आश्विन और चैत नवरात्रि के अवसर पर विशेष रूप से यहां चण्डी पाठ का आयोजन किया जाता है, जो भक्तों के लिए और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। यह मान्यता है कि जो भी भक्त सच्चे मन से यहां माता से कुछ मांगता है, उसकी हर इच्छा पूरी होती है।

सासाराम से लगभग छह किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह मंदिर अब छक्-2 मार्ग के निर्माण के कारण और भी सुगम हो गया है। हर साल हजारों पर्यटक और श्रद्धालु यहां माता के दर्शन करने और उनकी कृपा पाने के लिए आते हैं। मां ताराचण्डी धाम की महत्ता केवल धार्मिक दृष्टिकोण से ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक शांति के लिए भी जानी जाती है। भक्तों का विश्वास है कि यहां मां का साक्षात दर्शन होता है और वे हर संकट से उबारने वाली शक्ति का अनुभव करते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com